www.epaper.azadsipahi.in

11 दिसंबर, 2025
पौष, कृष्ण पक्ष, सप्तमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

रांची
गुरुवार, वर्ष 11, अंक 53

दीपावली को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया

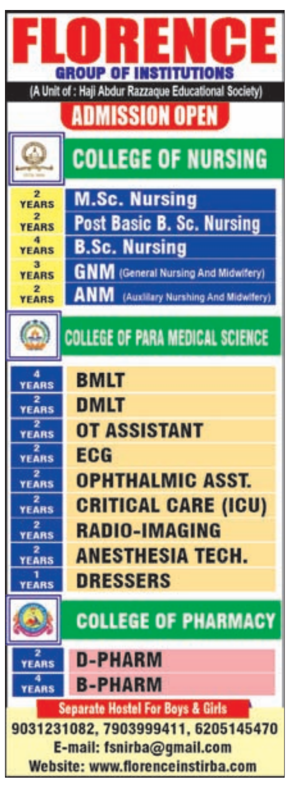

लोकसभा का शीतकालीन सत्र: गृह मंत्री ने चुनाव सुधार और एसआइआर पर दिया जवाब

घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट करेंगे: अमित शाह

- विपक्ष के एक-एक आरोपों का दिया जवाब, कहा, वोट चोरी का असली इतिहास कांग्रेस ने लिखा
- सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक विपक्ष ने वाकआउट किया

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र का बुधवार को आठवां दिन था। चुनाव सुधार और एसआइआर पर सरकार की तरफ से गृह मंत्री अमित शाह ने जवाब दिया। शाह ने कहा कि घुसपैठियों को डिटेक्ट, डिलिट और डिपोर्ट किया जायेगा। उन्होंने विपक्ष के एक-एक आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वोट चोरी का असली इतिहास कांग्रेस ने लिखा है। शाह के वक्तव्य के समय सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। इसके बाद विपक्ष सदन से वाकआउट कर निकल गया। गृह मंत्री ने कहा कि देश में एसआइआर को लेकर झूठ फैलाया गया। जनता को गुमराह करने की कोशिश की गयी। सुधारों पर चर्चा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 327 चुनाव आयोग को मतदाता सूची तैयार करने का पूर्ण अधिकार देता है।

शाह ने कांग्रेस पर साधा निशाना: अमित शाह ने वोट चोरी के आरोपों पर कहा कि पहली वोट चोरी तो यह थी कि प्रधानमंत्री कौन बनेगा? यह कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्षों के वोट से तय हुआ था। 28 प्रदेश अध्यक्षों ने सरदार पटेल को वोट दिया, सिर्फ दो ने पंडित नेहरू को। फिर भी नेहरू जी प्रधानमंत्री बन गये। दूसरी वोट चोरी थी, जब इंदिरा गांधी रायबरेली से अनैतिक तरीके से जीतीं। राज नारायण कोर्ट गये, इलाहाबाद हाइकोर्ट ने इंदिरा गांधी की जीत रद्द कर दी। इसे छिपाने के लिए संसद में कानून लाया गया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई मुकदमा ही नहीं चल सकता। अमित शाह ने कहा कि एक केस सामने आया है कि सोनिया गांधी भारतीय नागरिक बनने से पहले ही मतदाता बन गयी थीं। विपक्ष के हंगामे पर उन्होंने कहा कि केस कोर्ट में चल रहा है, यह तथ्यात्मक बात है। जवाब तो सोनिया गांधी को कोर्ट में देना है। मैंने अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकाला है। केसी वेणुगोपाल ने चुनौती दी कि गृह मंत्री साबित करें। स्पीकर ने भी कहा कि गृह मंत्री ने कोई फैसला नहीं सुनाया, सिर्फ एक आये हुए केस का जिक्र किया है।

सिर्फ आयोग की छवि खराब करने की कोशिश: शाह ने कहा कि 2014 के बाद हमने तीन लोकसभा सहित 44 बड़े चुनाव जीते। विपक्ष ने भी 30 से अधिक जीते। आप वोट चोरी-वोट चोरी चिल्लाते रहते हैं, भारत जोड़ो-न्याय यात्राएं निकालते रहते हैं। आपकी ही सरकारों के समय आपने कई चुनाव जीते, हमने कभी नहीं कहा। यह सिर्फ चुनाव आयोग की छवि खराब करने की कोशिश है। एसआइआर का मतलब ही मतदाता सूची का शुद्धिकरण है। आप लोग सालों से कहते थे वोटर लिस्ट ठीक करो, अब चुनाव आयोग वही कर रहा है।

अमित शाह और राहुल गांधी में तीखी बहस

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। चुनाव सुधार और एसआइआर पर लोकसभा में चर्चा के दौरान बुधवार को गृहमंत्री अमित शाह और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बीच तीखी बहस हुई।

शाह की स्पीच के दौरान राहुल ने डिबेट का चैलेंज दे दिया। शाह ने अपनी बात रखते हुए नेहरू से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी के समय तक के एसआइआर का जिक्र किया।

पूछा कि उस समय विरोध क्यों नहीं किया। आज क्यों हो रहा है? शाह ने एसआइआर पर राहुल की तीन प्रेस कांफ्रेंस का जिक्र करते हुए कहा कि वह सभी का जवाब देंगे। तभी राहुल उठे चर्चा के लिए चैलेंज देने लगे।

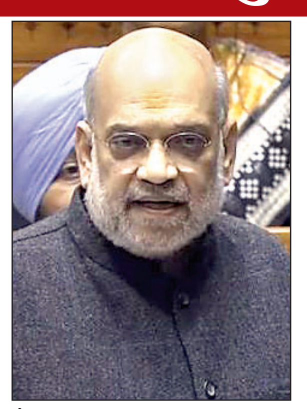

दोनों के बीच क्या बहस हुई

अमित शाह: विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) की तीनों प्रेस कांफ्रेंस का जवाब दूंगा। एक सादी वाली, एक एटम बम वाली और एक हाइड्रोजन बम वाली। हर सवाल का जवाब दूंगा। राहुल गांधी ने उन्हें बीच में टोका।

राहुल: शाह जी मैं आपको चैलेंज करता हूं। आप मेरी वोट चोरी की तीनों प्रेस कांफ्रेंस पर चर्चा करें।

शाह: 30 साल से संसद या विधानसभा में चुनकर आ रहा हूं। ऐसा कभी नहीं हुआ। मेरे बोलने का क्रम मैं तय करूंगा। आप नहीं।

राहुल: शाह जी का रिस्पांस पूरी तरह से घबराया हुआ है। डरा हुआ रिस्पांस है।

शाह: मैं उनके उकसावे पर नहीं आऊंगा। विषय पर बोलूंगा। मेरे भाषण में पहले-बाद में जो बोलना है मैं तय करूंगा। हमने तो नहीं कहा कि नेता विपक्ष झूठा बोल रहे हैं।

इंडिगो संकट : दिल्ली हाइकोर्ट ने जतायी नाराजगी, पूछा

इंडिगो फेल हुई तो सरकार ने क्या किया

चार हजार का टिकट 30 हजार रुपये तक कैसे पहुंचा

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। इंडिगो संकट पर दिल्ली हाइकोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को फटकार लगायी। अदालत ने पूछा कि जब एयरलाइन फेल हो गयी थी, तब सरकार ने क्या किया? हवाई जहाज की टिकट की कीमत 4-5 हजार रुपये से बढ़कर 30 हजार रुपये तक कैसे पहुंच गयी? अन्य एयरलाइंस ने इसका फायदा कैसे उठाया? आपने क्या कार्रवाई की? आपने ही स्थिति को इस हाल तक पहुंचने दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की डिवीजन बेंच इंडिगो संकट मामले से संबंधित जनहित याचिका (पीआइएल) की सुनवाई कर रही थी। इसमें मांग की गयी थी कि इंडिगो संकट की स्वतंत्र न्यायिक जांच की जाये और जिन लोगों की फ्लाइट रद्द हुई या जो एयरपोर्ट पर फंसे, उन्हें मुआवजा दिया जाये। इस दौरान कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ यात्रियों का व्यक्तिगत मामला नहीं है, बल्कि इससे देश को आर्थिक नुकसान भी हुआ है। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में इस तरह की स्थिति दोबारा न पैदा हो।

चार सदस्यों वाली बनायी कमेटी: इंडिगो ने पिछले सप्ताह से हुई बड़े पैमाने पर रुकावट के बाद हजारों उड़ानें रद्द, रीशेड्यूल और देर की हैं। डीजीसीए ने चार सदस्यों वाली एक कमेटी बनायी है। इसमें संयुक्त महानिदेशक संजय ब्राह्मणे, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान परिचालन निरीक्षक (एफओआइ) कपिल मांगलिक और एफओआइ लोकेश रामपाल शामिल हैं। इस समिति को इंडिगो की उड़ानों के परिचालन में आई बाधाओ के मूल कारणों का पता लगाने का काम सौंपा है।

डीजीसीए ने इंडिगो के सीइओ को भेजा समन

नागरिक उड्डयन नियामक (डीजीसीए) ने संकटग्रस्त इंडिगो के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीइओ) पीटर एल्बर्स को गुरुवार को अपने कार्यालय में तलब किया है। डीजीसीए ने एल्बर्स और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को एयरलाइन के परिचालन में आयी बाधाओं से संबंधित जानकारी वाली रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है। नियामक के आदेशानुसार, विमानन कंपनी को उड़ानें बहाल करने, पायलटों तथा केबिन क्रू की भर्ती योजना, रद्द की गयी उड़ानों की संख्या और रिफंड आदि से जुड़ी जानकारी प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

आम सूचना 29 अप्रैल को प्रकाशित हुई और 5 मई को शराब आपूर्ति का दे दिया आदेश

- सवालों के जवाब में घिर गये हैं आइएएसअमित कुमार
- देशी शराब की आपूर्ति की सूचना ऑनलाइन क्यों नहीं जारी की गयी

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड में शराब घोटाले की जांच कर रही एसीबी के सवालों में आइएएस अधिकारी अमित कुमार घिर गये हैं। वे सवालों के बौछार को झेल नहीं पा रहे थे। अधिकांश सवालों के जवाब में चुप्पी साध लेते थे। बुधवार को उनसे लंबी पूछताछ हुई। एसीबी ने पूछा कि उत्पाद विभाग रांची के माध्यम से आपके कार्यकाल में जितने भी टेंडर प्रकाशित हुए, उसमें कागजातों को ऑनलाइन जमा करने के साथ-साथ हार्डकॉपी भी मांगी गयी थी। हार्डकॉपी मांगने की मंशा अपनी एजेंसी को लाभ पहुंचाना तो नहीं था, ताकि दूसरे को अयोग्य किया जा सके। इसके जवाब में अधिकारी ने चुप्पी साध ली। प्लेसमेंट एजेंसी से संबंधित टेंडर में लेबर को कितना भुगतान किया जाना था, इसकी भी जानकारी नहीं दी। छत्तीसगढ़ के डिस्टलरियों द्वारा उपलब्ध करायी गयी शराब में कांच का टुकड़ा और कचरा मिला था। उस समय संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह ने शराब आपूर्ति पर तत्काल रोक लगा दी थी। इसके बाद भी आपके द्वारा रोक नहीं लगायी गयी, बल्कि देशी शराब आपूर्ति का विस्तार किया गया। इस पर भी सही जवाब अमित कुमार नहीं दे सके। मेसर्स एनवी डिस्टलरी द्वारा देसी शराब आयात के संबंध में न तो अपना लेबल रजिट्रेशन कराया गया और न ही मूल्य निर्धारित कराया गया, इसके बाद भी देशी शराब के आपूर्ति की अनुमति कैसे मिली। अमित कुमार का जवाब था कि मुझे याद नहीं है। सवाल किया गया कि आम सूचना का प्रकाशन 29 अप्रैल 2022 को हुआ और 5 मई को आपूर्ति की अनुमति कैसे दे दी गयी? इतने कम समय में अनुमति देना लाभ पहुंचाने के समान है। इसके जवाब में भी अधिकारी ने चुप्पी साध ली। एसीबी ने पूछा झारखंड सरकार का उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के माध्यम से क्रमशः मेसर्स छत्तीसगढ़ डिस्टलरी प्रालि, मेसर्स वेलकम डिस्टलरी प्रालि को आम सूचना के पूर्व ही जानकारी दे दी गयी थी, ऐसा कैसे हुआ। झारखंड शराब की थोक बिक्री नियमावली 2022 में यह प्रावधान है कि तीन वर्ष के आयकर रिटर्न की प्रति जमा करनी थी। बिवरेज प्रालि और विशिता वेंचर्स ने दो वर्ष के आयकर रिटर्न के कागजात जमा किये और उन्हें काम दे दिया गया। ऐसा कैसे हुआ? पूर्व उत्पाद आयुक्त एसीबी के सवालों का सही-सही जवाब नहीं दे पाये।

भारत में 3.14 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी अमेजन

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। माइक्रोसॉफ्ट के बाद अब अमेजन ने भी भारत में बड़ा निवेश करने का ऐलान किया है। अमेजन ने घोषणा की है कि 2030 तक कंपनी भारत में 35 बिलियन डॉलर यानी 3.14 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश करेगी। यह निवेश एआइ ड्रिवन डिजिटाइजेशन, एक्सपोर्ट ग्रोथ और जॉब क्रिएशन पर फोकस्ड होगा। यह ऐलान अमेजन की सालाना एस.एम.भव समिट में हुआ। जहां कंपनी ने छोटे बिजनेस और एमएसएमइ को एआइ टूल्स देने का प्लान बताया। 2013 से अब तक अमेजन ने भारत में कुल 40 बिलियन डॉलर यानी 3.59 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है, जिसमें कर्मचारियों की सैलरी और इंफ्रास्ट्रक्चर शामिल है।

अमेजन तीन सेक्टरों पर फोकस करेगी : अमेजन का यह नया निवेश तीन मुख्य सेक्टरों में बंटा है। पहला- एआइ से डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को तेज करना। दूसरा- एक्सपोर्ट को बढ़ावा देना ताकि मेड-इन-इंडिया प्रोडक्ट्स ग्लोबल मार्केट में पहुंचें। तीसरा- जॉब क्रिएशन के जरिए इकोनॉमी को बूस्ट करना। इस महीने ही अमेजन ने 12.7 बिलियन डॉलर (1.14 लाख करोड़ रुपये) के निवेश का ऐलान किया था, जो एआइ और अमेजन वेब सर्विसेज पर था। इसमें तेलंगाना और महाराष्ट्र में डेटा सेंटर्स का एक्सपेंशन शामिल है।

2030 तक 10 लाख जॉब्स क्रिएट करेंगे

अमेजन के इमर्जिंग मार्केट्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अमित अग्रवाल ने समिट में कहा, 'हम पिछले 15 सालों से भारत के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन का हिस्सा बने हैं। अमेजन की ग्रोथ यहां आत्मनिर्भर और विकसित भारत की विजन से मैच करती है।' उन्होंने आगे बताया, 'हमने फिजिकल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर में स्केल पर निवेश किया है। जिससे लाखों जॉब्स क्रिएट हुए और मेड-इन-इंडिया प्रोडक्ट्स ग्लोबल हुए। आगे हम एआइ को लाखों भारतीयों के लिए डेमोक्रेटाइज करेंगे, 1 मिलियन यानी 10 लाख जॉब्स क्रिएट करेंगे और 2030 तक ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट को 80 बिलियन डॉलर यानी 7.18 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचायेंगे।'

सरकार लंबी और गाढ़ी लकीर खींचने को तैयार : हेमंत सोरेन

फॉलोअप के कॉन्क्लेव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि दिल्ली जाने के पीछे कई कारण होते हैं। मैं अपने काम से दिल्ली जाता हूं। खबरनवीस इसका अलग-अलग मतलब निकालते हैं, तो इसमें कोई क्या कर सकता है। मुख्यमंत्री बुधवार को रांची के ऑड्रे हाउस में आयोजित फॉलोअप डिजिटल प्लेटफॉर्म के कॉन्क्लेव में सवालों के जवाब दे रहे थे। पत्रकार संजय रंजन ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से पूछा कि जब भी आप दिल्ली जाते हैं, तो कई तरीके की चर्चाएं शुरू हो जाती हैं। सरकार बनने और बदलने की चर्चा होती है। इस पर क्या कहेंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि दिल्ली सभी राजनेता जाते हैं। वे चाहे मुख्यमंत्री हों, विधायक हों। लोग व्यक्तिगत कारणों से भी दिल्ली जाते हैं। जहां तक खबरों की बात है, यह तो खबर वालों का अपना-अपना आकलन होता है। हम तो अपने काम से जाते हैं, अपने काम से आते हैं। मैं अपने काम पर फोकस करता हूं।

आनेवाले 25 सालों में बहुत कुछ देखने को मिलेगा: मनोज पांडेय ने पूछा कि झारखंड को विकसित राज्य बनाने के लिए आपलोगों ने साल 2050 का लक्ष्य रखा है। अगले 25 सालों में हम राज्य को उस जगह पर ले जा पायेंगे, जहां जनता खुशहाल रहे। लोगों की मुसीबतें और समस्याएं ना का बराबर हों? साथ ही सरकार के एक साल पूरा होने पर कोई ऐसा कार्य जो छूट गया, उस पर क्या कहेंगे? मुख्यमंत्री ने कहा कि आनेवाले 25 सालों में आपको बहुत कुछ देखने को मिलेगा। एक साल में सरकार ने जो कार्य किया है, जो लक्ष्य हमने हासिल की है, जो नियुक्तियां हमने की, उससे आने वाली पीढ़ी और समृद्ध होगी। मुझे आज गर्व महसूस होता है, जब मइयां सम्मान योजना की राशि से बच्चे जेपीएसपी की तैयारी कर रही हैं। जेपीएससी क्वालीफाई भी कर रही हैं। उनका भविष्य संवर रहा है।

नियुक्तियों की रफ्तार जारी रहेगी

सन्नी शरद ने पूछा कि झारखंड अब रफ्तार पकड़ने को तैयार है। झारखंड 25 साल का हो चुका है। जिस तरह से जेपीएससी, सीजीएल, सीडीपीओ, एफआरओ का रिजल्ट निकला। जिस तरह से लगातार नियुक्तियां हो रही हैं, क्या यह रफ्तार जारी रहेगी? इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की रजत जयंती अभी हम लोगों ने मनायी। 25-30 हजार नौजवानों की सरकारी नियुक्तियां हुईं। ऐसा समागम और दृश्य 24 साल में देखने को नहीं मिला। हर साल ऐसी उपलब्धियां और गतिविधियां आने वाले सालों में देखने को मिलेंगी। सरकार लंबी और गाढ़ी लकीर खींचने को तैयार है।

शीतकालीन सत्र: झारखंड राजभवन का नाम 'बिरसा भवन' रखने का प्रस्ताव

दुमका में राजभवन का नाम सिदो-कान्हू करने का प्रस्ताव, सरकार ने पेश किया मसौदा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन सरकार ने राजभवन के नाम बदलने को लेकर प्रस्ताव पेश किया। बुधवार को विधानसभा की कार्यवाही के दौरान संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि अब रांची स्थित राज भवन का नाम 'बिरसा भवन' किया जाये, ताकि भगवान बिरसा मुंडा के योगदान को उचित सम्मान मिल सके। इसके साथ ही दुमका स्थित राजभवन के लिए 'सिदो-कान्हू' भवन नाम का प्रस्ताव रखा गया है, जो संताल विद्रोह के महान नायकों सिदो और कान्हू मुर्मू की स्मृति को समर्पित होगा।

राज्यपाल के पास है शक्ति

मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने सदन में स्पष्ट किया कि राजभवन राज्य सरकार की संपत्ति है। संविधान के अनुच्छेद 154 के अनुसार राज्य की कार्यकारी शक्ति राज्यपाल में निहित होती है। इसलिए राज्य सरकार को राजभवनों के नामकरण का पूरा अधिकार प्राप्त है।

केंद्र सरकार ने हाल में बदला नाम

बताते चलें कि केंद्र सरकार ने 3 दिसंबर को देशभर के सभी राजभवनों का नाम बदलकर लोक भवन करने का निर्देश जारी किया था, जिसे झारखंड ने भी लागू किया गया है। अब राज्य सरकार ने उससे अलग अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करते हुए स्थानीय महानायकों के सम्मान में नये नाम रखने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
200000 Subscribers
YouTube Channel
Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025
www.azadsipahi.in

कोल इंडिया चेयरमैन ने केंदुआडीह गैस रिसाव प्रभावित क्षेत्र का किया दौरा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। केंदुआडीह क्षेत्र में जहरीली गैस रिसाव की स्थिति को लेकर कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा धनबाद के केंदुआडीह पहुंचे। उन्होंने पूरे प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गैस रिसाव को अत्यंत गंभीर बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि जान बचाने के लिए लोगों का अस्थायी तौर पर विस्थापन होना बहुत जरूरी है।

कोल इंडिया के चेयरमैन सनोज कुमार झा ने अधिकारियों को साथ लेकर पूरे प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान बीसीसीएल की ओर से चलाए जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी ली। कोल इंडिया के चेयरमैन ने केंदुआडीह क्षेत्र की वर्तमान स्थिति पर अधिकारियों को कई जरूरी दिशा निर्देश दिए हैं।

गैस रिसाव को लेकर जानकारी देते लोगों का हटना ही एक मात्र उपाय है: कोल इंडिया चेयरमैन : कोल इंडिया चेयरमैन ने कहा कि मौजूदा स्थिति अच्छी नहीं है। गैस का लेवल सामान्य से कहीं अधिक है। कुछ जगहों पर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस की मात्रा यानी पीपीएम 2000 तक है। ऐसे में फिलहाल सबसे बड़ा और जरूरी कदम यह है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों को अस्थायी रूप से सुरक्षित स्थान पर जाना चाहिए। जिससे कि उनकी जान बचाई जा सके। चेयरमैन ने कहा कि मौजूदा खतरे को देखते हुए अभी यहां से हटना ही एकमात्र उपाय है।

अस्थायी रूप से विस्थापित होने पर लोगों में बनी सहमति

कोल इंडिया चेयरमैन के दौरे के बाद केंदुआडीह प्रभावित क्षेत्र के लोगों में एक उम्मीद जगी है। स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि ने बताया कि चेयरमैन ने आश्वस्त किया है कि गैस रिसाव को बंद किए जाने को लेकर सारे प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने विस्थापन जैसी कोई बात नहीं कही है। उन्होंने कहा कि चेयरमैन ने राहत शिविरों में जाने की अपील की है और इसे लेकर स्थानीय लोगों में भी सहमति बनी।

प्रभावित लोगों को शिविरों में रहने, खाने और इलाज की मिलेगी सुविधा

कोल इंडिया चेयरमैन ने यह भरोसा दिलाया है कि प्रभावित क्षेत्र के लोगों के लिए राहत शिविरों में खाने, रहने और चिकित्सा की पूरी व्यवस्था की गई है। राहत केंद्रों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। गैस निकासी और तकनीकी समाधान को लेकर प्रयास जारी है। लेकिन इसमें समय लग सकता है। अधिकारी यह भी दावा कर रहे हैं कि पूरे मामले की गहन तकनीकी जांच की जा रही है। इसके साथ ही देश की नामी और विशेषज्ञ एजेंसियां इस कार्य में लगी हुई हैं। अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन दोनों स्तरों पर समाधान की योजना तैयार की जा रही है।

प्रगतिशील मत्स्य कृषकों का दल आंध्र प्रदेश रवाना

मत्स्य पालन की आधुनिकतम तकनीक से होंगे रूबरू

सात बैच में कुल एक सौ मत्स्य कृषक प्रशिक्षित होंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की के निर्देश के आलोक में मछली पालन के क्षेत्र में आधुनिकतम तकनीक अपनाकर मत्स्य पालन को बढ़ावा देने हेतु झारखंड से प्रशिक्षण एवं एक्सपोजर विजिट पर 16 सदस्यीय प्रगतिशील मत्स्य कृषकों (सातवां बैच) का दल ऐलुर (आंध्र-प्रदेश) के लिए रवाना हुआ। इस भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन कृषि मंत्री के प्रयास से नेशनल फिशरीज डेवलपमेंट बोर्ड (एनएफडीबी) द्वारा प्रायोजित किया गया। इस दल में रांची जिला के राहे प्रखंड से मत्स्य मित्र विशेश्वर महतो, राहुल पाथर मुंडा, निरंजन मुंडा, सोनाहातू से रामू सिंह मुंडा, बेड़ों से सुमन मिंज, निर्मल महतो, मांडर से भागीरथ उरांव, अनगड़ा से रंजीत मुंडा, सहित कुल 16 प्रगतिशील मत्स्य किसान शामिल हैं। पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मत्स्य पालकों के साथ मत्स्य विभाग से शिवपूजन सिंह, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, रांची तथा त्रिलोक कुमार, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी, बोकारो भी शामिल हैं। मत्स्य निदेशालय के निदेशक डॉ.एचएन द्विवेदी ने सभी मत्स्य पालकों को सुखद यात्रा एवं सफल प्रशिक्षण की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि किसान आन्ध्र-प्रदेश से मछलीपालन की उन्नत तकनीक सीखकर अपने राज्य में व्यावसायिक खेती कर सकेंगे तथा राज्य को मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर ले जा सकेंगे। इस अवसर पर मत्स्य किसान प्रशिक्षण केंद्र, शालीमार के मुख्य अनुदेशक प्रशांत कुमार दीपक एवं मंजूश्री तिर्की, मत्स्य प्रसार पदाधिकारी ने मिलकर रांची रेलवे स्टेशन से किसानों को रवाना किया। सभी मत्स्य पालकों ने विभागीय मंत्री तथा निदेशक मत्स्य के साथ साथ एनएफडीबी का आभार प्रकट किया।

बोकारो का संतुलित विकास: उड़ान के साथ पुनर्वास और संवाद की जरूरत

धर्मेंद्र सिंह

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो आज एक नये विकास अध्याय की ओर बढ़ रहा है। शहर के एयरपोर्ट विस्तार और सौंदर्यीकरण की योजनाओं ने जहां विकास की उम्मीदें जगाई हैं, वहीं विस्थापितों और बाजार प्लॉट धारकों के बीच असमंजस और असंतोष की स्थिति भी पैदा कर दी है। मामला अब प्रशासन, बोकारो स्टील प्लांट और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के बीच समन्वय की परीक्षा बन गया है।

विस्थापितों की उम्मीदें और विकास की अनिवार्यता

बोकारो इस्पात संयंत्र के लिए जमीन देने वाले विस्थापित परिवार एयरपोर्ट विस्तार को अपने त्याग का परिणाम मानते हैं। उनके लिए उड़ान सेवाओं का प्रारंभ न केवल शहर की प्रगति का प्रतीक है, बल्कि उनके योगदान की मान्यता भी है। वे मानते हैं कि विकास के मार्ग में अतिक्रमण हटाना जरूरी है, ताकि बोकारो राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान मजबूत कर सके।

सांसद का हस्तक्षेप और संवाद की पहल

स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए सांसद ढुल्लू महतो ने बाजार के लोगों से मुलाकात कर आश्वासन दिया है कि बिना उचित पुनर्वास योजना के कोई अतिक्रमण नहीं हटाया जायेगा। उनका रुख साफ है - विकास जरूरी है, लेकिन वह मानवीयता और सर्वसम्मति के साथ होना चाहिए। यह हस्तक्षेप प्रशासन और इरछ के लिए संकेत है कि किसी भी निर्णय से पहले सामाजिक संतुलन का ध्यान रखा जाये।

व्यापारियों का पक्ष: आजीविका का संकट : वहीं दूसरी ओर दशकों से बाजार क्षेत्रों में व्यापार कर रहे प्लॉट धारक और निवासी हैं, जो खुद को ह्यअतिक्रमणकारीह्न कहलाने से आहत महसूस करते हैं। उनका कहना है कि वर्षों से उन्होंने अपनी मेहनत से कारोबार खड़ा किया है, जो अब उनके अस्तित्व से जुड़ा है। वे प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि किसी भी कार्रवाई से पहले पुनर्वास की ठोस व्यवस्था की जाए, ताकि उनकी आजीविका प्रभावित न हो।

संतुलित समाधान की जरूरत

बोकारो का विकास तभी सार्थक होगा जब इसमें सभी पक्षों की भागीदारी हो। प्रशासन और इरछ को ऐसी नीति बनानी होगी, जो विस्थापितों की उम्मीदों और व्यापारियों की जरूरतों के बीच संतुलन स्थापित करे। शहर को उड़ान भरनी है, लेकिन यह उड़ान तभी स्थायी और ऊंची होगी जब इसके पंखों में विकास के साथ मानवीय संवेदनाओं की भी हवा हो।

कटुअल कला के बेटे ने किया कमाल, पिता स्व रामायण सिंह के सपने को किया पूरा, जेएसएससी में लहराया परचम

आजाद सिपाही संवाददाता

चैनपुर(पलामू)। प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत कटुवल गांव निवासी अविनाश कुमार सिंह किसान परिवार का बेटा अपनी मेहनत के बल पर सीजीएल की नौकरी में सफलता हासिल कर ऊंचाई को छूने में कामयाब हुआ है। बताते चले कि पूर्व समाजसेवी स्वं रामायण प्रसाद सिंह का पुत्र है। वें जेएसएससी की ओर से आयोजित सीजीएल प्रतियोगिता में सफलता को हासिल कर श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी के पद पर चयनित हुए है। इनकी सफलता से ग्रामीण क्षेत्र में रहकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी करने वाले युवाओं में भी खुशी की लहर दौड़ गयी है। स्थानीय ग्रामीणों ने कहा कि गांव में ही रहकर मेहनत एवं लगन से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। जिसको अविनाश ने कर दिखाया है। इनकी सफलता इस क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। जिनसे सीख लेकर अन्य छात्रों को भी आगे बढ़ने की जरूरत है। पतरिया खुर्द पंचायत की मुखिया रानी सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवेश में रहकर भी मेहनत के बल पर इन्होंने अपनी सफलता पायी है।

इससे पूर्व भी यह पीजीटी प्लस टू की परीक्षा में सफलता हासिल कर पलामू जिले के पड़वा में शिक्षक के पद पर कार्यरत हैं। अपनी कड़ी मेहनत एवं लगन से इन्होंने झारखंड राज्य में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में सफलता पाकर गांव सहित पूरे परिवार का नाम रोशन किया है। वहीं अविनाश सिंह ने अपनी सफलता के बारे में बताया कि माता पिता का आशीर्वाद एवं साहित्य की किताबों से मिली प्रेरणा ने इन्हें प्रेरित कर आगे बढ़ने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया है। आधुनिक युग में मोबाइल से दूर रहकर किताबों से प्यार किया है। आज भी किताबों के गहरे अध्ययन से हम आगे बढ़ सकते हैं। आगे भी अन्य परीक्षाओं की तैयारी करते रहेंगे। मौके पर अविनाश सिंह को बधाई देने वालों में कई सामाजिक कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण पूर्व मुखिया विवेक सिंह,विक्रमा सिंह,उमाशंकर सिंह,केशरी सिंह,योगेंद्र सिंह ने शामिल है उनके उज्वल करियर की कामना की।

महुदा इंटर कॉलेज में उबाल: भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़क से आमरण-अनशन तक भड़का जनाक्रोश

अनियमित बर्खास्तगी से फूटा गुस्सा, ग्रामीणों ने विधायक-सचिव का पुतला फूंककर चेताया होश में आओ

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा । महुदा इंटर महाविद्यालय में वर्षों से पल रहे भ्रष्टाचार, मनमानी नियुक्तियों और दमनात्मक रवैये के खिलाफ क्षेत्र की जनता अब आर-पार की लड़ाई के मूड में आ चुकी है। व्याख्याता, द्वारपाल और एक महिला सफाईकर्मी की कथित नियम-विरुद्ध बर्खास्तगी ने जनता के सब्र का बाँध तोड़ दिया है। धरना तीसरे दिन आमरण अनशन में बदल गया और आंदोलन का तापमान लगातार चढ़ता जा रहा है। महुदा इंटर महाविद्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार और तानाशाहीपूर्ण प्रबंधन के खिलाफ उठी आवाज अब प्रचंड आक्रोश का रूप ले चुकी है। कॉलेज प्रशासन द्वारा मनमाने ढंग से व्याख्याता, द्वारपाल और एक महिला सफाई कर्मी की बर्खास्तगी ने पूरे क्षेत्र में असंतोष भड़का दिया है। इसी अन्याय के खिलाफ शुरू हुआ शांतिपूर्ण धरना बुधवार को तीसरे दिन आमरण अनशन में तब्दील हो गया। अनशनस्थल पर मेडिकल टीम ने सुरेश रजक और गौतम महतो की स्वास्थ्य जाँच कर बताया कि दोनों की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। टीम में डॉ. शोभा सिन्हा, सुनीता देवी (सीनियर एएनएम) और शंकर चंद्र नाथ मेडिकल स्टाफ शामिल थे। डॉक्टरों ने बताया कि सुरेश रजक को लगातार भूखे रहने से कमजोरी और सिरदर्द की शिकायत है, वहीं गौतम महतो ने सीने में तेज दर्द की बात कही।

> महुदा इंटर महाविद्यालय में चल रहे व्यापक भ्रष्टाचार और सचिव दीपनारायण शर्मा की तानाशाही का हर स्तर पर विरोध तेज हो गया है। सचिव द्वारा नियम-विरुद्ध तरीके से प्रोफेसरों व कर्मचारियों का शोषण और मनमानी बर्खास्तगी किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं। आज शासी निकाय अध्यक्ष एवं सचिव का पुतला दहन कर जनाक्रोश स्पष्ट कर दिया गया। हमारी बातचीत पर एसडीओ ने प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर मामले का संज्ञान लेने, निष्पक्ष जाँच कराने और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की आश्वस्ति दी है। यदि जल्द न्याय नहीं मिला, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप लेगा।
>
> -गिरिधारी महतो: सांसद प्रतिनिधि

> महुदा इंटर महाविद्यालय में फैले भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के लिए हम बाघमारा विधायक शत्रुधन महतो को जिम्मेदार ठहराते हैं। हमारे आरोप हैं कि उनके संरक्षण में सचिव दीपनारायण शर्मा मनमानी, अनियमित नियुक्तियाँ और कर्मचारियों के शोषण जैसे गंभीर कृत्य कर रहे हैं। संस्थान को निजी अड्डा बनाकर भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की इस मिलीभगत के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी।
>
> -निर्मल रवानी: अधिवक्ता सह समाजसेवी।

> अखबार के माध्यम से मामला संज्ञान में आया हैं, मुख्यमंत्री जी को मामले से अवगत करा चूका हूं, कल धनबाद उपायुक्त इस पर कार्रवाई की दिशा में कार्य करेंगे।
>
> -अनूप सिंह: बेरमो विधायक।

डॉक्टरों ने दवा लेने और अनशन समाप्त करने की सलाह दी, परंतु दोनों अनशनकारियों ने अपनी मांगों से एक कदम भी पीछे हटने से साफ इंकार कर दिया। धरना स्थल पर महिलाओं और युवाओं की भारी भीड़ ने आंदोलन को नई ऊर्जा दी है। उधर शाम को गुस्साए ग्रामीणों, युवाओं और जनप्रतिनिधियों ने संस्थान के सचिव दीपनारायण शर्मा, प्राचार्य सिकंदर रवानी और बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो का पुतला दहन कर जोरदार नारेबाजी की– बाघमारा विधायक होश में आओह्व, तेरी तानाशाही नहीं चलेगी भ्रष्टाचार मुदार्बादह्व। ग्रामीणों का आरोप है कि महाविद्यालय में फैली अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को विधायक का संरक्षण प्राप्त है, जिसके कारण वर्षों से शिकायतें दबाई जाती रही हैं। जनता का साफ संदेश है–जब तक दोषियों पर कठोर कार्रवाई नहीं होती और कॉलेज में पारदर्शिता की पुनर्स्थापना नहीं की जाती, आंदोलन किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगा।

संजय सेठ को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का बैच लगा कर किया गया सम्मान

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। सैनिक कल्याण निदेशालय, राँची के पदाधिकारियों ने झारखंड राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर देश के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ को सशस्त्र सेना झंडा दिवस का बैच लगाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर निदेशालय के निदेशक ब्रिगेडियर (से. नि.) निरंजन कुमार, कर्नल (से. नि.) एस. पी. गुप्ता, लेफ्टिनेंट कर्नल (से. नि.) पी. के. झा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान रक्षा राज्य मंत्री ने देश की सशस्त्र सेनाओं के वीर जवानों के शौर्य और बलिदान को नमन किया तथा सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष में अपना योगदान दिया। उन्होंने कहा कि यह दिवस देश की एकता, साहस और समर्पण की भावना का प्रतीक है।

इसके बाद निदेशक ब्रिगेडियर (रि.) निरंजन कुमार ने पूर्व सैनिक संघ के सदस्यों एवं सैनिक बाजार के दुकानदारों के साथ एक आमसभा कर सशस्त्र सेना झंडा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी से देश सेवा और सैनिक कल्याण में सहयोग देने का आह्वान किया।

सभा में बड़ी संख्या में दुकानदार उपस्थित थे, जिनमें प्रमुख रूप से सोनी मेहता, रजनीकांत, मोहम्मद सकील अहमद, मोहम्मद रिजवानुल हक (बाबू भाई) और मोहम्मद फिरोज खान शामिल थे। इस अवसर पर निदेशक ने आने वाले समय में नए शॉपिंग मॉल के निर्माण की जानकारी भी साझा की। इस पर उपस्थित लोगों ने उत्साह व्यक्त करते हुए मॉल के शीघ्र निर्माण की इच्छा जताई।

बैठक के अंत में निदेशक ने सभी पूर्व सैनिकों और उनके परिवारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा सैनिक एकता और सम्मान की भावना को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

तीन साल पहले शुरू हुआ था महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण

एक साल में पूरा काम करना था, पर अभी तक है अधूरा

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। उग्रवाद प्रभावित इलाके में विकास के कई कार्य हुए हैं। सड़कों का जाल भी बिछाया गया है। कई सड़क के निर्माण में सीधे तौर पर अनियमितता बरती गई। चिरकी-पलमा मुख्य पथ से पांडेयडीह सड़क निर्माण में भी गड़बड़ी का मामला सामने आया है। तीन साल में भी इस सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं किया गया।

जैसे-तैसे बनाया गया गार्डवाल

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत वर्ष 2022 में सड़क का निर्माण कार्य शुरू किया गया। लगभग 4.27 किमी लंबी इस सड़क को 2.16 करोड़ में बनाने का काम नवंबर 2022 में शुरू किया गया। कार्य को एक साल के अंदर पूर्ण करना था, इसके पांच साल तक सड़क का देखभाल का जिम्मा भी धनबाद की एजेंसी को दिया गया। लेकिन तीन वर्ष बाद भी सड़क पूरी तरह से बनी नहीं है। कई जगह सड़क अधूरा है तो गार्डवाल भी जैसे तैसे बनाया गया जो अभी भी अधूरा है। गार्डवाल में लगाया गया पत्थर भी लोकल प्रतीत हो रहा है। अधिकांश गार्डवाल को जैसे तैसे न सिर्फ जोड़ा गया बल्कि उसका प्लास्टर भी नहीं किया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस सड़क के निर्माण के वक्त विभागीय अधिकारियों ने विशेष ध्यान नहीं दिया, यही कारण है कि निर्माण में गड़बड़ी की गयी।

उग्रवाद उन्मूलन के लिए महत्वपूर्ण रही सड़क

चिरकी-पलमा पथ से पांडेयडीह तक बनी (अपूर्ण) सड़क कई मायने ने महत्वपूर्ण है। दरअसल यह सड़क उन इलाके से गुजरी है, जहां नक्सलियों की समानांतर व्यवस्था कभी कायम थी। यह सड़क उन गावों से गुजरी है, जहां हार्डकोर नक्सलियों का घर था। यह सड़क इनामी नक्सली के गांव तक गई है। ऐसे में इस सड़क के निर्माण को प्रशासन ने अपनी प्रमूखता में रखा था।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस विषय पर ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता (पीरटांड प्रखंड) मेघलाल कुमार ने बताया कि सड़क का निर्माण कार्य 2023 में ही पूर्ण होना था। कुछ काम बचा है उसे पूर्ण करने का दबाव संवेदक पर बनाया जा रहा है। वहीं जहां भी गड़बड़ी है उसे दुरूस्त किया जायेगा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	24.9 °c	8.2 °c
सूर्यास्त (आज) :		17.03 बजे
सूर्योदय (कल) :		06.19 बजे

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025
www.azadsipahi.in

झारखंड विधानसभा में सिदो-कान्हू कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड की चतुर्थ बैठक संपन्न

किसानों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को झारखंड विधानसभा में सिदो-कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफेड) के निदेशक मंडल की चतुर्थ बैठक आयोजित हुई। बैठक में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र के सुदृढ़ीकरण, किसानों की आय वृद्धि, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा प्रशिक्षण एवं विपणन तंत्र को सशक्त बनाने से संबंधित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गयी और कई प्रस्तावों को स्वीकृति दी गयी। बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य में कृषि एवं वनोपज क्षेत्र में अत्यधिक संभावनाएं हैं। किसानों को आधुनिक और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है।

फसलों का मूल्य समय पर मिले, किसानों का मनोबल बढ़े : मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य किसानों को खेती के प्रत्येक चरण – उत्पादन, भंडारण, प्रसंस्करण से लेकर विपणन तक – पूर्ण सहयोग प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज, सिंचाई की बेहतर सुविधा और बाजार तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार काम कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य का भुगतान समय पर मिलना चाहिए, ताकि उनका मनोबल बढ़े, वे आर्थिक रूप से सशक्त हों और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि खेती-किसानी राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, इसलिए किसानों की समृद्धि ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने जलस्त्रोतों के संरक्षण और चेक डैमों की मरम्मत एवं देखरेख की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। साथ ही सुझाव दिया कि इन जल संरचनाओं की देखरेख की जिम्मेदारी किसानों के समूहों या जलसहिया समितियों को सौंपी जाये, ताकि स्थानीय स्तर पर स्वामित्व और जवाबदेही दोनों सुनिश्चित हो सकें। इससे न केवल जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि ग्रामीण आजीविका को भी स्थायी आधार प्राप्त होगा।

किसानों के लिए स्पेशल मोबाइल ऐप एवं कृषि पोर्टल विकसित करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों के हित में एक विशेष मोबाइल एप्लीकेशन विकसित किया जाये। इस एप के माध्यम से राज्य के विभिन्न जिलों के किसान अपनी फसलों, आवश्यक कृषि सामग्रियों, विपणन स्थिति और बाजार संबंधी जानकारी को सीधे डिजिटल माध्यम से साझा कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस डिजिटल पहल से किसानों को न केवल अपने उत्पादों के बेहतर मूल्य निर्धारण में सहायता मिलेगी, बल्कि उन्हें बाजार की वास्तविक स्थिति की अद्यतन जानकारी भी प्राप्त होगी। साथ ही निर्देश दिया कि कृषि विभाग का एक स्थानीय पोर्टल विकसित किया जाये, जिसके माध्यम से उपभोक्ता सीधे किसानों से जुड़कर कृषि उत्पादों की खरीद कर सकें। इस व्यवस्था से किसानों और उपभोक्ताओं के बीच एक पारदर्शी एवं लाभकारी संपर्क स्थापित होगा, जिससे बिचौलियों की भूमिका घटेगी और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने राज्य में लाह, इमली, कोदो, कुटकी, चिरौंजी, महुआ, करंज, रेशम और तसर जैसे झारखंड के विशिष्ट वनोपजों के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस दिशा में कार्ययोजना तैयार कर समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि राज्य के किसानों और वनोपज संग्राहकों को इसका सीधा आर्थिक लाभ मिल सके।

किसान पाठशाला और वीडियो आधारित प्रशिक्षण से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नयी दिशा

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार राज्य के वनोपज उत्पादों को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के लिए ठोस एवं निर्णायक पहल कर रही है। सरकार का उद्देश्य न केवल इन उत्पादों के विपणन और मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देना है, बल्कि राज्य के किसानों, विशेषकर ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के कृषकों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने कहा कि सरकार खेतिहर समुदाय को वैकल्पिक कृषि, प्रशिक्षण, तकनीकी सहयोग और विपणन के बेहतर अवसर उपलब्ध करा रही है, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा और गति दी जा सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को ज्ञान और तकनीक के माध्यम से समृद्ध बनाने के लिए किसान पाठशाला जैसी पहल को सुदृढ़ किया जाये। किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों, संरक्षण तकनीकों तथा नवाचारों से जोड़ने के लिए वीडियो आधारित प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किये जायें, ताकि वे संबंधित मूल्य संवर्धन की तकनीकों को व्यवहारिक रूप से अपना सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पहलों के माध्यम से ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों को उनकी परंपरागत आजीविका से जोड़ते हुए आधुनिक आर्थिक तंत्र में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और परिणामोन्मुख दृष्टिकोण अपनाया जाये, ताकि झारखंड के किसान वर्ग को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हो और राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हो।

बजट और कार्य योजनाओं पर विस्तृत चर्चा

बैठक में सिद्धो-कान्हो कोऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड (सिद्धकोफेड) द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के लिए विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों, बजट एवं कार्ययोजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान लाह, बीज, तसर सहित राज्य के प्रमुख कृषिझ्वनोपज उत्पादों के उत्पादन, संकलन, प्रसंस्करण एवं विपणन को बढ़ावा देने से संबंधित नीतिगत निर्णय लिये गये। बैठक में कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, सचिव अबु बकर सिद्दीक, प्रशांत कुमार, कृपानंद झा, अरवा राजकमल सहित संबंधित विभागों के वरीय पदाधिकारी और आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे।

झारखंड के 374 बालू घाटों पर 100 रुपये प्रति ट्रैक्टर बालू दिया जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मंत्री सुदिव्य कुमार ने सदन में बताया कि राज्य सरकार अपने बयान पर अडिग है। उन्होंने फिर दुहराया कि राज्य के 374 बालू घाटों पर 100 रुपये प्रति ट्रैक्टर बालू दिया जायेगा। सरकार न पहले झूठ बोली थी, न अब बोल रही है और न हीं सदन को गुमराह कर रही है। इसके लिए बालू लेने वालों को अपना ट्रैक्टर, किराये का ट्रैक्टर लेकर ग्रामसभा के पास जाना होगा। रांची के विधायक सीपी सिंह ने सूचना के माध्यम से सदन में यह सवाल उठाया कि एक दिन पहले भाजपा के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता ने बालू की कालाबाजारी पर सवाल उठाया था, तो मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सदन को आश्वस्त किया था कि 374 बालू घाटों पर 100 सीएफटी बालू 100 रुपये में दिया जा रहा है। विधायक सीपी सिंह ने मंत्री योगेंद्र प्रसाद के उक्त बयान को सदन को गुमराह करने वाला बयान बताया था। इस पर मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने सदन में अपनी बात फिर दोहराया कि उन्होंने न कल सदन को गुमराह किया था और न ही अब गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने फिर दोहराया कि राज्य के 374 घाटों पर 100 रुपये में एक ट्रैक्टर बालू मिलेगा। उनके इस बयान को संशोधित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि 100 रुपये में एक ट्रैक्टर बालू मिलेगा, इसके लिए ग्राहक को ग्राम सभा में अपना ट्रैक्टर लेकर जाना होगा।

नीरा यादव ने मातृत्व अवकाश के समय वेतन का उठाया मामलाकोडरमा से भाजपा की विधायक डॉ नीरा यादव ने सूचना के माध्यम से मेडिकल छात्राओं के वेतन का मामला उठाया। उन्होंने सदन को बताया कि छात्राओं को मातृत्व अवकाश में वेतन नहीं दिया जाता है। हालांकि बाद में पूरी राशि दी जाती है, जबकि मातृत्व अवकाश के वक्त वेतन की आवश्यकता होती है। उन्होंने सदन से मांग की कि छात्राओं को मातृत्व अवकाश के समय भी वेतन दिया जाये।

दिल्ली स्थित झारखंड भवन और ऊर्जा विभाग के गेस्ट हाउस की सूची मंगायें: बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को विपक्ष ने दिल्ली स्थित झारखंड भवन और ऊर्जा विभाग के गेस्ट हाउस में ठहरने से जुड़े नियमों और व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल उठाये। इसके साथ ही नल-जल योजना और अबुआ आवास से जुड़े मुद्दे भी सदन में उठे। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड भवन में ठहरने से संबंधित नियमों को गलत बताते हुए कहा कि कैबिनेट निगरानी विभाग का यह निर्णय कि केवल विधायकों के सगे संबंधी ही झारखंड भवन में रह सकते हैं, उचित नहीं है और इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डॉ रामेश्वर उरांव ने आलोक दूबे और लाल किशोर नाथ शाहदेव को ठहराने के लिए संबंधी बनाकर अनुशंसा की।

मरांडी ने विधानसभा अध्यक्ष से पांच वर्षों का रजिस्टर मंगाने की मांग की, ताकि स्पष्ट हो सके कि झारखंड भवन में वास्तव में कौन-कौन ठहरता रहा है। मरांडी ने कहा कि दिल्ली स्थित ऊर्जा विभाग के गेस्ट हाउस के लिए राज्य सरकार हर महीने पांच लाख रुपये किराया देती है, जहां, 8 स्टाफ तैनात हैं, 4-5 वाहन उपलब्ध हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या इस गेस्ट हाउस में अब तक कोई विधायक ठहरा भी है या नहीं? इसकी जानकारी के लिए इस गेस्ट हाउस के रजिस्टर, ठहरनेवालों की सूची, संचालन व्यवस्था, पदस्थ इंचार्ज और आवंटन प्रक्रिया की जानकारी सदन के सामने लाने की मांग की।

बाबूलाल मरांडी के सवालों पर राज्य के संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि यह एक गंभीर मामला है और सरकार इस पर गंभीरता से कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह का कोई भी निर्णय कैबिनेट की स्वीकृति के बिना नहीं लिया जा सकता और नेता प्रतिपक्ष की उठायी गयी मांगों की जांच करायी जायेगी।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष	कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।
वृष	बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।
मिथुन	आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।
कर्क	काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।
सिंह	कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।
कन्या	आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।
तुला	समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।
वृश्चिक	चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।
धनु	आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।
मकर	नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।
कुंभ	रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।
मीन	किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

पूर्णिमा साहु ने टाटा कमांड एरिया में रजिस्ट्री का मुद्दा उठाया

रांची (आजाद सिपाही)। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन विधायक पूर्णिमा साहु ने टाटा कमांड एरिया में संपत्ति की रजिस्ट्रीं का मामला तारांकित प्रश्न के जरिये उठाया। राजस्व निबंधन और भूमि सुधार विभाग के मंत्री दीपक बिरूवा ने जबाव देते हुए कहा कि टाटा कमांड एरिया में संपत्ति की रजिस्ट्रीं बंद होने की सामुहिक शिकायत मिलने पर सरकार जरूर कार्रवाई करेगी। यह मामला लीज से संबंधित है। इसलिए जब तक विभाग को मामले को लेकर शिकायत नहीं मिलेगी कार्रवाई करना संभव नहीं होगा। इस संबंध में विभाग के पास कोई शिकायत नहीं मिली है। ऐसे में कैसे कार्रवाई की जा सकती है। इस पर विधायक पूर्णिमा साहु ने कहा कि मामले में जो उन्हें उत्तर प्राप्त हुआ है, उसमें अस्वीकारात्मक लिखा है। इसका अर्थ है कि संपत्ति की रजिस्ट्री बंद नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि टाटा कमांड एरिया में पिछले 60-70 वर्षों से संपत्ति की रजिस्ट्री हो रही थी, लेकिन बताया जा रहा है कि अब रजिस्ट्री नहीं हो रही है। विधायक ने कहा कि इससे राजस्व की हानि हो रही है। उन्होंने मंत्री से मामले की जांच कराने की मांग की। वहीं मामले में जमशेदपुर पश्चिमी के जदयू विधायक सरयू राय ने कहा कि मामले में अधिकारियों की ओर से दिया गया प्रश्न का उत्तर गुमराह करनेवाला है। उन्होंने मामले में सरकार को स्थिति स्पाष्ट करने की मांग की।

विधानसभा में झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन (संशोधन) विधेयक-2025 पास

निजी विश्वविद्यालयों के चार पुराने विधेयक वापस

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन बुधवार को दोपहर की कार्यवाही महत्वपूर्ण रही। सदन ने चार निजी विश्वविद्यालयों से संबंधित पुराने विधेयक वापस लिए और बहुचर्चित झारखंड पर्यटन विकास और निबंधन (संशोधन) विधेयक-2025 को बहस के बाद पास कर दिया। सदन को बताया गया कि निजी विश्वविद्यालय स्थापना मापदंडों और प्रक्रियाओं में हुए व्यापक बदलाव की पृष्ठभूमि में यह फैसला लिया गया है। राज्य सरकार की ओर से वापस लिये गये विधेयकों में दो अगस्त 2023 को विधानसभा की ओर से पारित सीवी रमण ग्लोबल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 और आरोग्यम इंटरनेशनल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 हैं। इसके अलावे 21 मार्च 2023 को पारित जैन विश्वविद्यालय विधेयक-2023 और 20 दिसंबर 2023 को पारित शाईन नेशनल विश्वविद्यालय विधेयक-2023 के नाम शामिल हैं।

वापस लिये गये इन सभी विधेयकों को सरकार अब नयी प्रक्रिया के अनुरूप फिर से तैयार करना चाहती है। विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने कहा कि पांच दिसंबर से अबतक बारह निवेदन स्वीकृत हुए हैं, जिन्हें संबंधित विभागों को भेजा जायेगा। इससे पहले विधानसभा की कार्यवाही दूसरी पाली में दोपहर 2:09 बजे जैसे शुरू हुई, पर्यटन संशोधन विधेयक पर चर्चा के दौरान विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों के विधायकों ने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक राज सिन्हा ने धनबाद के भटिंडा फॉल का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले वहां शूटिंग होती थी। बड़ी संख्या लोगों की आवाजाही थी। सूर्योदय और सूर्यास्त देखने के लिए लोग यहां जमा होते थे। यहां पर्यटन की परंपरा संभावनाएं हैं, लेकिन आज उसकी बदहाली से लोग रोज डूब रहे हैं। उन्होंने स्थानीय गोताखोरों को सहयोग और बंद खदानों के सौंदर्यीकरण की मांग की और कहा कि संशोधन विधेयक को प्रवर समिति में भेजना चाहिए। विधायक नवीन जायसवाल ने कहा कि जिस क्षेत्र में पर्यटन स्थल है, उस विधानसभा क्षेत्र के विधायक को समिति में नामित किया जाये, ताकि प्रबंधन और विकास योजनाओं को जमीन पर बेहतर तरीके से लागू किया जा सके।

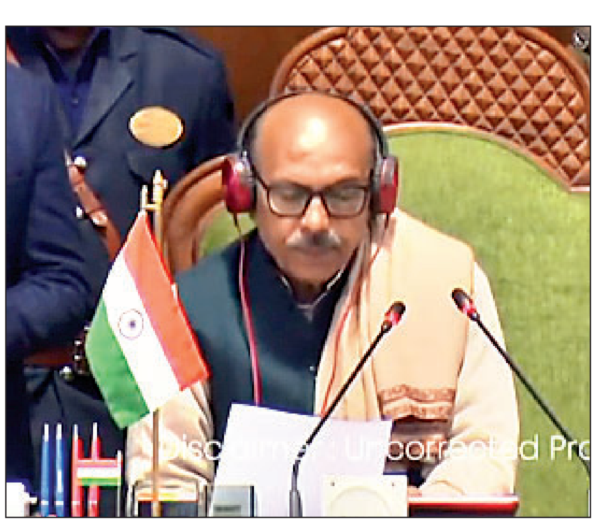

इसी बीच विधायक जयराम महतो ने भी सदन में संशोधन मंतव्य रखा। उन्होंने कहा कि संबंधित पर्यटन क्षेत्र यदि दो जिला क्षेत्रों में आता है, तो ऐसी बातों को देखते हुए संशोधन आवश्यक है। विधायकों के सभी सुझावों को सुनने के बाद विधेयक पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रभारी मंत्री सुदीव्य कुमार ने स्पष्ट किया कि सरकार का मानना है कि एक छोटी और सक्षम समिति के साथ पर्यटन प्रबंधन अधिक प्रभावी होगा और झारखंड के पर्यटन उद्योग को एक नयी दिशा मिलेगी। इसी विचार को ध्यान में रखते हुए, यह विधेयक लाया गया है, जिसमें एक पर्यटन प्राधिकरण का गठन किया गया है, जो मुख्य रूप से प्रबंधन के लिए बनाये गये पर्यटन क्षेत्र के रखरखाव और सुरक्षा की जिम्मेदारी निभायेगा।

उन्होंने कहा कि जिले के उप आयुक्त अध्यक्ष होंगे और जिला आयुक्त आयुक्त होंगे। प्रस्तावित संशोधन के तहत, पर्यटन स्थलों में एक विशेष प्रशासनिक इकाई क्षेत्र में प्रवेश करने वाले वाहनों से कर वसूलेगी, जिससे राजस्व बढ़ाने में मदद मिलेगी। वे पर्यटन क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने और पार्किंग सुविधाओं का विकास करने सहित अन्य जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। नियमों के उल्लंघन पर आर्थिक दंड का भी प्रावधान है। इसलिए, इस मामले को चयन समिति के पास भेजने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसके साथ ही विधानसभा अध्यक्ष ने सदन पटल से विधेयक पास किया और सदन की कार्यवाही अगले दिन 11 दिसंबर 2025 सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

सरकार अबुआ आवास योजना के लाभुकों को दो किस्तों में राशि देने पर करेगी विचार : दीपिका सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार 'अबुआ आवास योजना' के तहत लाभुकों को दो किस्तों में राशि देने पर विचार कर रही है। यह जानकारी राज्य की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बुधवार को झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में दी।

मंत्री भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक शत्रुघ्न महतो के अल्पसूचित प्रश्न का जवाब दे रही थीं। विधानसभा में विधायक ने बताया कि हजारों लाभुकों को योजना की पहली किस्त मिल गयी है, लेकिन दूसरी किस्त जारी नहीं होने से आवास निर्माण अधूरा है। इसके कारण लोग कड़ाके की ठंड में खुले में रात बिताने को मजबूर हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत एक बार फंड मिला था, लेकिन उसके बाद धनराशि नहीं मिली। इसी वजह से राज्य सरकार अबुआ आवास की दूसरी किस्त जारी करने में सक्षम नहीं है।

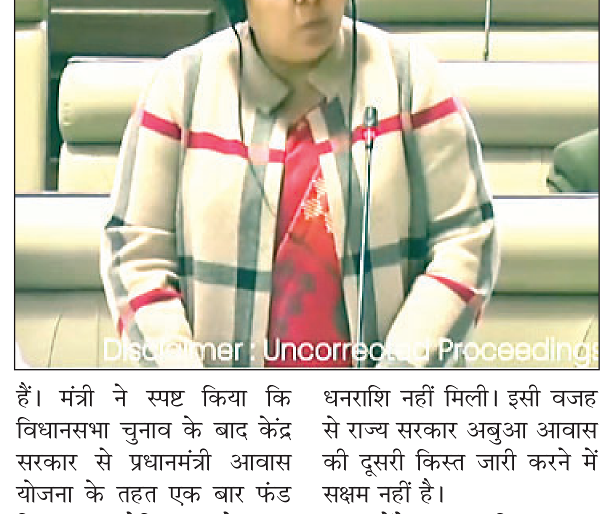

उन्होंने बताया कि सरकार को 24 लाख आवेदन प्राप्त हुए हैं और तीन हजार करोड़ रुपये की व्यवस्था की गयी है, जिसमें से 12 अरब रुपये जिलों को वितरित किये जा चुके हैं। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सुझाव दिया कि लाभुकों को दो किस्तों में राशि दी जाये, ताकि उनका घर समय पर पूरा हो सके। उन्होंने इंदिरा आवास योजना का उदाहरण देते हुए कहा कि कई किस्तों में भुगतान की शिकायतें पहले भी रही हैं। मंत्री ने कहा कि सरकार इस सुझाव पर गंभीरता से विचार करेगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि यदि केंद्र सरकार पीएम आवास योजना की राशि बढ़ा कर दो लाख रुपये कर दे, तो यह जनता के हित में बेहतर कदम होगा।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025
www.azadsipahi.in

कोडरमा थाना के समीप चलाया गया अभियान

कोडरमा (आजाद सिपाही)। बुधवार को कोडरमा पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह के निर्देशानुसार विभिन्न थाना क्षेत्रों में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी कड़ी में रांची पटना मार्ग स्थित कोडरमा थाना के समीप बुधवार को कोडरमा थाना प्रभारी विकास पासवान के नेतृत्व में अभियान चला कर दर्जनों वाहनों की चेकिंग कर ट्रैफिक नियम पालन करने की बात कही गयी। वहीं बिना हेलमेट और ट्रिपल लोड बाइक सवारों से जुर्माना वसूला गया। मौके पर कोडरमा थाना प्रभारी और पुलिस बल के जवान मौजूद थे।

नाटक प्रतियोगिता का आयोजन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। मॉडर्न पब्लिक स्कूल झुमरीतिलैया में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर छात्रों को मौलिक अधिकारों की जानकारी देते हुए उनके बीच अंतर सदन नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें प्रत्येक सदन के छात्रों ने मनुष्य को जन्म से लेकर जीवन के अंतिम चरणों तक के अधिकारों की जानकारी छात्रों ने अपने नाटक के जरिये दी। छात्रों ने अपने अभिनय कला के माध्यम से समानता, शिक्षा, धार्मिक स्वतंत्रता, शोषण के विरुद्ध अधिकार को दर्शाया। चारों सदनों की प्रस्तुत सराहनीय रही। लेकिन भाभा सदन के छात्रों ने अपनी अभिनय कला से इस प्रतियोगिता में प्रथम, स्थान द्वितीय रमन सदन और तृतीय स्थान में न्यूटन, आइंस्टीन सदन के छात्र रहे। भाभा सदन से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों में भाग्यश्री राज, राजश्री यादव, शानवी, आरुषि कुमारी, पर्व जैन, किमसी, अंजली यादव, अवध्या नित्य कुमारी, रितिका गुप्ता और मासूम राज सिंह, रमन सदन के द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों तनुश्री, आदया चौधरी, आकर्षि कपसीमे, काव्य, सारांश अग्रवाल, रोशन कुमार, शिवम राणा, श्रव्य शाहा हैं। छात्रों को मानवाधिकार के महत्व बताते हुए विद्यालय प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने कहा कि मानवाधिकार वे मूलभूत अधिकार है, जिनसे जाति, धर्म, लिंग, शिक्षा आदि के आधार पर वंचित नहीं किया जा सकता। विद्यालय निदेशिका संगीता शर्मा ने भी छात्रों को मानव के अधिकारों से अवगत कराते हुए प्रतियोगिता में भाग लिए सभी छात्रों के प्रदर्शन की सराहना की।

विधायक डॉ नीरा यादव ने खनिज विकास निगम के कर्मियों के मामले को विधानसभा में उठाया

कोडरमा (आजाद सिपाही)। कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने विधानसभा में जेएसएमडीसी में कार्यरत और सेवानिवृत्त हुए कर्मियों के नियमितीकरण का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लि में कार्यरत सभी दैनिक वेतन भोगी कर्मियों का झारखंड उच्च न्यायालय रांची के याचिका डब्ल्यूपी 549/2019 में पारित न्यायादेश और ज्ञापांक 988 में तथा कार्यालय आदेश ज्ञापांक 913 के द्वारा कोडरमा में कार्यरत कर्मियों को समिति गठित कर नियमतिकरण करने का निर्देश दिया गया था। निगम के सभी दैनिक वेतनभोगी कर्मियों को नियमतिकरण का लाभ दिया गया, साथ ही कोडरमा के 2 दैनिक वेतनभोगी कर्मियों का वर्ष 2009 से नियमतिकरण कर निगम का लाभ दिया गया। परंतु शेष 6 कर्मियों को न्यायालय के आदेश के बाद भी आज तक नियमतिकरण का लाभ नहीं दिया गय। उन्होंने सरकार से जानना चाहा कि क्या सरकार शेष 6 कर्मियों, जिनमें मूरत राम, सुखदेव यादव, रामेश्वर पंडित, बालेश्वर शर्मा, लालदेव राम और दिलीप कुमार सोनी शामिल हैं, उन्हें नियमतिकरण का लाभ देने का विचार रखती है। इसके साथ ही विधायक डॉ नीरा यादव ने जेटेट की परीक्षा नहीं होने के मामले को रखते हुए सरकार से जेटेट की परीक्षा जल्द कराने की भी मांग की।

शिक्षा विभाग के साथ स्टीयरिंग कमेटी की हुई बैठक

सतगावां (आजाद सिपाही)। बुधवार को प्रखंड सभागार में प्रखंड विकास पदाधिकारी ओम प्रकाश बड़ाईक की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के साथ स्टीयरिंग कमेटी की बैठक आहूत की गयी। जिसमें मुख्य रूप से स्थिति की जानकारी दी गई कि कई स्कूलों में छात्र उपस्थिति नहीं के बराबर हो रही है। प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा टीम गठित कर उन चिन्हित विद्यालय में जांच करते हुए अनियमित बच्चों के अभिभावकों के साथ गोष्ठी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही निदेश दिया गया कि किसी भी परिस्थिति में किसी भी विद्यालय में मध्याह्न भोजन बाधित न हो और आइएफए की गोली बच्चे नियमित रूप से सेवन करें। सभी शिक्षकों को अध्यनरत छात्रों को जन्म प्रमाण पत्र और आधार निर्माण कराने का निर्देश दिया गया गया। साथ ही साथ स्वास्थ्य विभाग को नियमित रूप से विद्यालय में छात्र स्वास्थ्य जांच करने का निर्देश दिया गया। पोषण वाटिका सभी विद्यालय में होना चाहिए। सभी बीआरपी, सीआरपी को नियमित रूप से विद्यालय का अनुश्रवण करने का निर्देश दिया गया। उपस्थित आंगनबाड़ी पर्यवेक्षिका मीणा केसरी को जर्जर आंगनवाड़ी केंद्रों को प्राथमिक विद्यालय में अभिलंब स्थापना करवाने का निर्देश दिया गया। मौके पर शिक्षा कार्यक्रम पदाधिकारी अशोक कुमार उपाध्याय, आर टी बजरंगी सिंह, सुजीत कुमार, बीआरपी मो शहजाद आलम, बीरेंद्र प्रसाद, सीआरपी संतोष कुमार, राजेंद्र प्रसाद, एमडीएम ऑपरेटर करण कुमार, शिक्षक शाहिद सलीम आदि कर्मी उपस्थित थे।

मॉडर्न पब्लिक स्कूल में आयोजित होगा मेगा एजुकेशन फेयर

कोडरमा (आजाद सिपाही)। झुमरीतिलैया स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में 12 दिसंबर को मेगा एजुकेशन फेयर का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें देश के लगभग 25 विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं। इस फेयर में विद्यार्थियों को विभिन्न विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। फेयर में भाग लेने वाली विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि विद्यार्थियों को अपनी संस्थानों के बारे में जानकारी देंगे और उन्हें विभिन्न कोर्सेज, स्कॉलरशिप, और अन्य ऑफर्स के बारे में बतायेंगे। इसके अलावा, विद्यार्थियों को अपने करियर के बारे में मार्गदर्शन और परामर्श भी प्राप्त होगा। विद्यालय के प्राचार्य गुरु चरण वर्मा ने बताया कि इस फेयर का उद्देश्य विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के अवसरों के बारे में जागरूक करना और उन्हें अपने भविष्य के बारे में सही निर्णय लेने में मदद करना है। उन्होंने बताया कि इस फेयर में जिले के विभिन्न विद्यालयों के सैकड़ों छात्र भाग लेंगे। इस आयोजन में भाग लेने से विद्यार्थियों को विभिन्न विश्वविद्यालयों के बारे में जानकारी प्राप्त करने और अपने सपनों को पूरा करने का अवसर मिलेगा। मेगा एजुकेशन फेयर 12 दिसंबर को आयोजित किया जायेगा और यह सुबह 10:30 से शाम 4:30 तक चलेगा।

पंचमुखी हनुमान मंदिर में चोरी, दान पेटी तोड़ी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। शहर के प्राचीनतम पंचमुखी हनुमान मंदिर में मंगलवार देर रात्रि चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है । देर रात्रि करीब 1 बजकर 10 मिनट पर चोर मंदिर के अंदर घुसे और 1:36 पर मंदिर से बाहर निकल गये। सीसीटीवी में तीन चोर मंदिर के अंदर घुसते और बाहर निकलते देखे जा रहे हैं। मंदिर के मुख्य पुजारी आशुतोष पांडे ने बताया कि वह 9 बजे रात यहां से अपने घर चले गये थे पर सुबह पांच बजे पहुंचे तो देखा कि मंदिर में दान पेटी का ताला टूटा हुआ है और दान पेटी में कुछ नोट पड़े हुए हैं और कुछ बाहर फेंका हुआ है। उन्होंने बताया कि संभवत जिस प्रकार से दान पेटी तोड़कर चोरी की गयी है उसमें बड़े नोटों को दान पेटी से निकाल कर अपने साथ ले गये हैं। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत स्थानीय लोहसिंघना थाना प्रभारी और स्थानीय लोगों को भी दी। स्थानीय रिटायर्ड डीएसपी अनिल पांडे ने बताया की जिस प्रकार से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है। चोरों में भय देखने को नहीं मिल रहा है और अब मंदिर भी सुरक्षित नहीं है। उन्होंने आशंका जाहिर किया कि इसमें नशा करने वाले लोगों का हाथ हो सकता है। घटना की सूचना पाकर लोहसिंघना थाना प्रभारी निशांत केरकेट्टा मंदिर पहुंचे और जांच पड़ताल शुरू की। उन्होंने सीसीटीवी कैमरे के फुटेज को भी देखा है और चोर जिस ओर से निकल रहे हैं उस तरफ के भी सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। थाना प्रभारी ने कहा कि सूचना के बाद जांच के लिए पहुंचे हैं आवेदन मिलते ही कार्रवाई की जायेगी और जल्द ही चोरी करने वाले चोरों को गिरफ्तार किया जायेगा।

हालांकि प्राचीनतम मंदिर में चोरी से स्थानीय लोगों में काफी नाराजगी है और लोग इस क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने की मांग की है। बताते चलें की शहर में इन दिनों चोरी की घटनाओं में इजाफा हुआ है और हर दिन कहीं ना कहीं चोर घटना को अंजाम दे रहे हैं।

दिव्यांग युवक बना श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी

रिजल्ट वाले दिन बहन का निधन

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकट्ठा। मंजिल उन्हीं को मिलती है जिनके सपनों में जान होती है, पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है। इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है बरकट्ठा निवासी संदीप कुमार दास ने जो दोनों पैरो, और हाथों से दिव्यांग होने के बावजूद भी उन्होंने गरीबी और लाचारी को कामयाबी में बदल दिया और अंतिम रूप से श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बनकर माता पिता और क्षेत्र का नाम रौशन किया है। पिता अर्जुन रविदास पेशे से राज मिस्त्री हैं। जीवन में उन्हें जितनी कठिनाइयां मिलीं, शायद उतनी कठिनाई के बाद एक साधारण इंसान टुट जाता है, बावजूद संदीप कभी टूटे नहीं गिरे, संभले, फिर उठे, और अपनी मेहनत से इतिहास लिख दिया। दिन-रात मेहनत कर, लोगों के तानों को सहकर, समाज के कटाक्षों को जहर का घूंट समझकर पीते हुए भी संदीप ने अपना लक्ष्य नहीं छोड़ा और अंततः जेएसएससी सीजीएल में श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी बनकर बता दिया कि सपनों पर विश्वास और मेहनत से कोई भी मंज़िल दूर नहीं। लेकिन किस्मत ने उसी दिन एक बड़ा दर्द भी दे दिया। रिजल्ट प्रकाशित के दिन ही उसी शाम उनकी दिव्यांग बहन की मौत हो गयी। एक तरफ जहां आंखों में गम के आंसू थे तो वहीं दूसरी ओर आखों से खुशी की आंसू छलक पड़े। ऐसा दर्द और ऐसा गौरव एक साथ शायद ही किसी के हिस्से आता होगा। फिर भी संदीप ने खुद को संभाला और अपनी बहन की याद को अपनी ताकत बनाकर आगे बढ़ते रहे। उन्होंने बताया कि उनकी प्रारंभिक शिक्षा मध्य विद्यालय बरकट्ठा, माध्यमिक शिक्षा हाई स्कूल बरकट्ठा, बारहवीं संत कोलंबस कालेज व ग्रेजुएशन की पढ़ाई घर बैठे इग्नू से पूरा किया, उन्होंने बताया कि सीजीएल की तैयारी वह घर बैठे स्वाध्याय कर सफलता अर्जित की है। आगे बताया कि उनकी सफलता में सबसे बड़ा योगदान उनके माता-पिता,व पूरे परिवार, समाज और उनके शिक्षकों का है। इन्हीं की मेहनत, आशीर्वाद और संस्कारों ने उन्हें यहां तक पहुंचाया है। संदीप कुमार दास की कहानी सिर्फ सफलता की कहानी नहीं, यह साहस, संघर्ष और आत्मविश्वास का ऐसा उदाहरण है जिसे पढ़कर हर युवा प्रेरणा ले सकता है।

बढ़ी ठंड सीएसआर मौन, कंबल का वितरण नहीं

जयनगर(आजाद सिपाही)। डीवीसी द्वारा संचालित सीएसआर के द्वारा विस्थापित प्रभावित गांवों में कंबल वितरण नहीं किये जाने से विस्थापितों में नाराजगी देखी जा रही है। जबकि कनकनी और शीतलहर बढ़ता जा रहा है। फिलहाल तापमान न्यूनतम 8 डिग्री तक पहुंच गया है। मगर सीएसआर मौन है। ज्ञात जो कि प्लांट स्थापना काल में डीवीसी ने कहा था कि विस्थापित प्रभावित गांवों में प्रबंधन मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायेगी। इस संबंध में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए परसा टोला निवासी बासुदेव यादव ने डीवीसी प्रबंधन से कंबल वितरण की मांग की है उन्होंने प्रबंधन पर वादा खिलाफी का आरोप लगाया है, जबकि बुलाकी यादव ने कहा कि बिचौलियों के इशारे पर प्लांट चलाने के बजाए प्रबंधन जनहित का ध्यान रखे। विस्थापितों ने जमीन देकर प्लांट बसाया है, हमें हमारा अधिकार मिलना चाहिए।

14 को सुदेश महतो हजारीबाग में, कई लोगों को दिलायेंगे पार्टी की सदस्यता

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। झारखंड में आजसू पार्टी की सक्रियता लगातार बढ़ रही है। जनहित के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठाने के साथ-साथ संगठनात्मक विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी क्रम में 14 दिसंबर को नगर भवन, हजारीबाग में आजसू पार्टी द्वारा सदस्यता सह मिलन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया जायेगा, जिसमें बड़ी संख्या में सामाजिक, राजनीतिक और युवा कार्यकर्ता पार्टी से जुड़ेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हजारीबाग परिसदन भवन में आजसू पार्टी की जिला समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव और पूर्व लोकसभा प्रत्याशी संजय मेहता उपस्थित रहे। उन्होंने आगामी समारोह को ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि हजारीबाग में संगठन के प्रति बढ़ती रुचि और विश्वास यह साबित करता है कि आजसू पार्टी झारखंड की नई राजनीतिक दिशा तय करने में अहम भूमिका निभा रही है। संजय मेहता लगातार आयोजन की सफलता को लेकर बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। संजय मेहता ने बताया कि समारोह में आजसू पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो स्वयं उपस्थित रहेंगे और अपने हाथों से नव-सदस्यों को पार्टी की सदस्यता प्रदान करेंगे। जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो, केंद्रीय सदस्य विजय वर्मा, सुहानी एक्का, प्रदीप मेहता, सिदार्थ शंकर राय, जिले के सभी प्रखंड अध्यक्ष तैयारी में लगे हैं। युवा आजसू प्रदेश संयोजक विकास सिंह, प्रताप सिंह, शिवम मिश्रा, सत्यम सिंह, विकाश साव, संदीव वर्मा, शिव यादव, गिरीश पांडेय, ऋतिक यादव, राहुल यादव, दीपक शर्मा, अंकित कुमार, अभिमन्यु सिंह, रंजन, सुमन यादव, अंकित, आदित्य, प्रियांशु राज, कुणाल मेहता, अरविंद उरांव, चंदन यादव, शुभम राणा, विशाल प्रजापति समेत अन्य कार्यकर्ता कार्यक्रम को सफल बनाने में जुटे हैं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों के आवास जर्जर, डरकर रहते हैं कर्मी

आजाद सिपाही संवाददाता

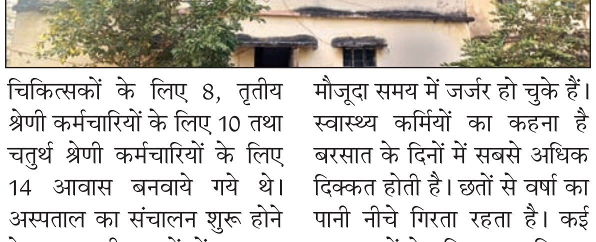

सतगावां। प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कर्मियों का आवास जर्जर है। लगभग 15 वर्ष पहले बने स्वास्थ्य कर्मियों के आवास बेहद खराब हालत में पहुंच चुके हैं। 15 वर्षों से इनकी मरम्मत नहीं हुई। मौजूदा समय में विभाग के पास इनकी मरम्मत का बजट भी नहीं है। चिकित्सक समेत विभिन्न पदों पर सेवाएं दे रहे स्वास्थ्य कर्मी जान जोखिम लेकर इन आवासों में रहने को मजबूर हैं। मालूम हो कि वर्ष 2009-10 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कर्मचारी बिल्डिंग तैयार हुई थी। एक साल बाद ही यहां पर चिकित्सकों के लिए 8, तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए 10 तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए 14 आवास बनवाये गये थे। अस्पताल का संचालन शुरू होने के बाद सभी कमरों में स्वास्थ्य कर्मी रहने लगे। अधिकांश स्वास्थ्य कर्मी परिवार के साथ रहते हैं। चिकित्सक आवास समेत सभी सरकारी आवास मौजूदा समय में जर्जर हो चुके हैं। स्वास्थ्य कर्मियों का कहना है बरसात के दिनों में सबसे अधिक दिक्कत होती है। छतों से वर्षा का पानी नीचे गिरता रहता है। कई जगह छतों से सरिया बाहर निकल चुकी हैं। बाहर बने छज्जे असमय गिरते रहते हैं। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए बने 14 आवास बुरी तरह जर्जर हालत में पहुंच चुके हैं। वहीं सरकारी कमरों में जर्जर होने के बावजूद 108 एंबुलेंस स्टाफ इनमें रुकता है। तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए बने आवास जर्जर होने के बावजूद फार्मासिस्ट स्टाफ, नर्स, डाटा इंट्री आपरेटर, कोल्ड चैन हैंडलर और रसोइया आदि पदों पर सेवाएं दे रहे स्वास्थ्य कर्मी इनमें रहते हैं। वहीं सरकारी आवास में रहने वाले कर्मचारियों का कहना है बरसात के दिनों में अक्सर मरम्मत करानी पड़ती है। सरिया बाहर निकलने से जोखिम बढ़ गया है। कुछ कमरों में बाहरी हिस्सा गिरने लगा है। बीते पंद्रह वर्षों से कर्मचारी आवासों का मरम्मति कार्य नहीं हुआ है।

कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचायें : केशव महतो कमलेश

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटी और वार्ड कांग्रेस कमेटी के गठन, बूथ लेवल एजेंट (बी एल ए) चयन और फॉर्म-2 भरने की प्रगति की समीक्षा हेतु एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। आयोजित बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री सह जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि संगठन सुदृढ़ीकरण के लिए बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने, समयबद्ध तरीके से कमेटियों के गठन को पूरा करने और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी कांग्रेसियों का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन 2025 में संगठन को युद्ध स्तर पर मजबूत कर आने वाले लोकसभा के चुनाव में राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाना कांग्रेस पार्टी का लक्ष्य है। और ये लक्ष्य तब ही पुरा हो सकता है जब हम सभी भेद-भाव को भूला कर ईमानदारी से कांग्रेस पार्टी का कार्य करते रहें। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने किया। मौके पर प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सह जिला प्रभारी जलेश्वर महतो, प्रदेश से आए पदाधिकारी अमूल निरज खलको, सुर्य कांत शुक्ला विशिष्ट रूप से उपस्थित हुए। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, प्रदेश सचिव अवधेश कुमार सिंह, बिनोद सिंह, शशि मोहन सिंह, पूर्व सदर विधानसभा के प्रत्याशी मुन्ना सिंह, एससी सेल प्रदेश अध्यक्ष केदार पासवान, निसार खान, सेवादल अध्यक्ष गुड्डू सिंह, नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, कांग्रेस नेत्री रेणु कुमारी समेत कई कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झारखंड कुशवाहा महासभा के धरना में शामिल होने हजारीबाग से रवाना हुए सैकड़ों लोग

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड कुशवाहा महासभा के नेतृत्व में सोमवार को लोकभवन रांची में ओबीसी के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर विशाल महाधरना का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने हजारीबाग से बड़ी संख्या में लोग रवाना हुए। हजारीबाग के सिदो-कान्हू चौक पर माल्यार्पण कर रांची रवाना हुए। इस दौरान झारखंड कुशवाहा महासभा के संगठन सचिव बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि राष्ट्रीय किसान दिवस के अवसर पर ओबीसी आरक्षण की लड़ाई और मजबूत हो गयी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि 27 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन अनवरत जारी रहेगा और सरकार को इसे लागू करना ही होगा। लोकभवन रांची में हुए इस महाधारणा में पूरे राज्य से हजारों लोगों ने भाग लिया। आंदोलनकारियों ने अपनी मांगों को राज्यपाल के माध्यम से सरकार तक पहुंचाया और शीघ्र समाधान की अपील की। कार्यक्रम में रवाना होने वालों में बटेश्वर मेहता के अलावा, हजारीबाग से जिला परिषद अध्यक्ष उमेश मेहता, जिला अध्यक्ष मुटुकधारी महतो, जयनारायण मेहता, टेकनारायण मेहता, मधुसूदन मेहता, गौतम कुमार, ओम प्रकाश मेहता, इंद्रदेव मेहता, राधाकृष्ण मेहता सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हैं।

बड़कागांव से हजारों की संख्या में लोग रांची के धरना-प्रदर्शन में हुए शामिल

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। झारखंड कुशवाहा महासभा द्वारा आयोजित ओबीसी आरक्षण 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत पुनः लागू करने को लेकर (राजभवन) लोकभवन के समक्ष एकदिवसीय धरना-प्रदर्शन में केंद्रीय कुशवाहा समाज कर्णपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल मेहता के नेतृत्व में बड़कागांव और केरेडारी से हजारों की संख्या में कुशवाहा बंधु शामिल हुए। रांची रवाना होने से पूर्व मंगल बाजार नयांटाड में एकत्रित हुए और जमकर नारेबाजी की और अपने हक अधिकार को लेकर आवाज बुलंद किया। रांची रवाना होने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक लोकनाथ महतो, केंद्रीय कुशवाहा समाज कर्णपुरा क्षेत्र के अध्यक्ष सोहनलाल मेहता, सचिव गिन्नी वर्मा, कोषाध्यक्ष सबुर महतो, पुर्व प्रमुख टुकेशवर प्रसाद, मुखिया संघ अध्यक्ष रंजीत कुमार, डॉ बालेश्वर महतो, संदीप कुशवाहा, तापेश्वर कुमार तापस, भीखन महतो, मिथलेश कुमार, बालेश्वर महतो, घनश्याम कुमार, उमेश दांगी, जितेंद्र कुमार, मिडिया प्रभारी ज्ञानचंद कुमार उर्फ ज्ञानी, उपेंद्र प्रसाद, बिनोद कुमार, भवानी प्रसाद दांगी, शंकर महतो, मनोज दांगी, अजित प्रसाद, हेमंत महतो, गिरधारी महतो, ईश्वरी महतो, देवनारायण महतो, रूपेश कुमार, त्रिवेणी महतो, नरेश महतो, कृतिआनंद महतो, गुरुदयाल महतो जिज्ञासु, लालदेव महतो, ओमप्रकाश महतो, बिनोद प्रसाद दांगी, कौलेश्वर महतो, दामोदर प्रसाद मेहता, उदय कुमार, शिबू मेहता, देव प्रसाद, सिकंदर महतो, चमन महतो, संजय कुमार, खिरोधर कुमार, श्याम नंदन कुमार, दीपक कुमार, अवध किशोर कुमार समेत हजारों लोग शामिल हुए।

सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के पद पर चयनित चौकीदार को सीओ ने किया सम्मानित

केरेडारी (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सलगा गांव की बेटी पायल चौधरी का चयन झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता परीक्षा में झारखंड सचिवालय के लिए सहायक प्रशाखा पदाधिकारी के रूप से हुआ है। इस उपलब्धि से पायल चौधरी के घर वाले और उनके आस पास के लोग काफी खुश हैं। इसे केरेडारी जैसे सुदूर प्रखंड के सलगा गांव के लिए एक प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है। अभाव में भी लगातार मेहनत कर पायल ने झारखंड पब्लिक सर्विस कमीशन जैसे महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में भी साक्षात्कार तक पहुंची लेकिन उनका चयन अंतिम रूप से नहीं हो पाया। वे वर्तमान में केरेडारी अंचल कार्यालय में चौकीदार के रूप में कार्यरत हैं। पायल ने अपनी सफलता का श्रेय माता पिता और चाचा राजेंद्र कुमार महतो और लगातार मेहनत और कभी हार नहीं मानने की जिद्द को दिया। इनकी इस सफलता पर अंचल अधिकारी राम रतन कुमार वर्णवाल ने अपने कार्यालय कर्मियों के साथ उनको पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर अंचल अधिकारी ने केरेडारी प्रखंड के छात्र छात्राओं को पायल चौधरी से प्रेरणा लेते हुए प्रतियोगिता परीक्षा में अंतिम रूप से चयनित होने हेतु लगातार मेहनत करने की सलाह दिए।

आंगनबाड़ी में किया गया स्वेटर वितरण

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र कुंदरू कलां पंचायत अंतर्गत संचालित सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के बीच स्वेटर का वितरण किया गया, सर्दी का मौसम और बढ़ती हुई जोरदार कड़ाके की ठंड को देखते हुए, झारखंड सरकार के द्वारा सभी आंगनबाड़ी केंद्र पर स्वेटर की आपूर्ति की जा रही है, कुंदरू कला में सभी केंद्रों पर ठंड से निजात पाने के लिए कई दर्जन बच्चे बच्चियों को स्वेटर दिया। वितरण कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामगढ़ जिला परिषद सदस्य धनेश्वर महतो कुंदरू कलां मुखिया किशुन मुंडा के द्वारा संयुक्त रूप से वितरित किया गया, इस मौके पर सभी आंगनबाड़ी केंद्रों के सेविका- सहायिका की उपस्थिति मे वितरण हुआ, मौके पर कुसुम देवी, मंजू देवी, दसमी देवी, नलिनी महतो, कुंती देवी, सुरती देवी, लीला देवी, शीला देवी, सुशीला देवी, शम्मा बेगम तबस्सुमजहां सहित केंद्र के नन्हें बच्चे-बच्चियां और अभिभावक मौजूद थे।

कुशवाहा समाज के सैकड़ों लोग अपनी मांगों को लेकर रांची के लिए रवाना

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। अपनी विभिन्न मांगों को लेकर कुशवाहा समाज के सैकड़ों लोग बुधवार को भुरकुंडा के मतकमा चौक से रांची में आयोजित महाधरना में शामिल होने के लिए रवाना हुए। इस दौरान निम्मी, लादी, चिकोर और पीरी गांव सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में समाज के सदस्य एकत्रित हुए। धरना में शामिल होने से पहले समाज के लोगों ने एकजुटता का परिचय देते हुए अपने अधिकारों की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि रांची के लोकपाल भवन (राज्यपाल भवन) के समक्ष होने वाला यह महाधरना समाज की आवाज को बुलंद करने और अधिकारों की प्राप्ति के लिए ऐतिहासिक कदम साबित होगा। रवाना होने वालों में सुरेश कुमार दांगी, देवानंद कुमार, कृष्णा कुमार दांगी, योगेश दांगी, झमन कुमार, धर्मदेव कुमार, सोहन महतो, भूपति महतो, द्वारिका महतो, अनीश कुमार, राजेश कुमार, नारायण महतो, जितेंद्र कुमार, नरेश महतो, रघुनंदन महतो, शिबू महतो, रामू महतो, प्रकाश महतो, टिकेश्वर महतो, होरिल महतो, अमृत महतो, गोतम महतो, मनोज महतो, संदीप कुमार, बीटू कुमार, अजित कुमार, कमलेश कुमार, गणपत महतो, सतलाल महतो, प्रीतम कुमार, सुकर महतो, सतीश कुमार महतो, बंधन महतो, योगेश्वर महतो, चंद्रदेव महतो, सुजीत कुमार, रवि महतो, साईनाथ महतो, रोहन कुमार, जेठू महतो, पप्पू महतो, मुकेश कुमार, सरजू महतो, संतोष कुमार, रोहित महतो, रोशन कुमार, सत्यनारायण महतो, आनंद महतो समेत दर्जनों लोग शामिल थे।

परवरिश स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षिक भ्रमण

कुजू (आजाद सिपाही)। परवरिश स्कूल, कुजू के विद्यार्थियों ने बुधवार को शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान बच्चों ने ओरमांझी स्थित भगवान बिरसा जैविक उद्यान में प्रकृति की खूबसूरती व सुंदरता का आनंद लेते हुए पालतू जानवरों व पक्षियों के बारे में जाना। साथ ही, उनके रहन-सहन, खान पान समेत अन्य जानकारियों से अवगत हुए। साथ ही, मौसम अनुकूल परिस्थितियों में उनकी जीवनी शैली को उत्सुकता पूर्वक जानकारी लीं। वहीं, बच्चों ने भ्रमण के दौरान विभिन्न खेलो में भाग लेकर खूब मस्ती की। साथ ही, सामूहिक स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेते हुए गीत संगीत के बीच फोटोग्राफी की। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक शैलेंद्र कुमार, प्रबंधक निदेशक विकास कुमार सिंह और कन्वीनर प्रकाश रंजन ने बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से बच्चे क्षेत्र की ऐतिहासिक और भौगोलिक विशेषताओं से अगवत होते हैं। साथ ही, मनोरंजन कार्यक्रम के साथ बच्चों को सर्वांगीण विकास में सहायक करता है। वहीं, सामूहिक गतिविधियों से अनुशासन की सीख देता है। इस अवसर पर विद्यालय समन्वयक रश्मि कुजूर, शिक्षक अर्चना कुमारी, संगीता कुमारी, शांति कुमारी, नंदनी झा, प्रियंका यादव, आकांक्षा मिश्रा, चंचला सिंह, हर्षिता कुमारी, नीति सोनी, पूजा सिंह, रिया कुमारी, ज्योति कुमारी शामिल रहे।

जिले के खाद्य उत्पादनकर्ताओं को दिया गया प्रशिक्षण

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। खाद्य सुरक्षा विभाग और इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर टेक्निकल टीचर के द्वारा रामगढ़ जिले के खाद्य उत्पादनकर्ताओं को एडवांस मैन्युफैक्चररर्स का प्रशिक्षण बुधवार को थाना चौक स्थित स्पाइस गार्डन रेस्टोरेंट में दिया गया। इस प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से मैन्युफैक्चर यूनिट्स के संचालक और संबंधित लोग उपस्थित हुए। प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह ने संबोधित करते हुए सभी खाद्य व्यवसाईयों को दिशा निर्देश दिये। कहा गया कि सभी खाद्य व्यवसाईयों को खाद्य सुरक्षा के नियमों का अनुपालन करना आवश्यक है। प्रशिक्षण में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी अदिति सिंह, पैन इंडिया कोऑर्डिनेटर विकास कुमार, खाद्य सुरक्षा कार्यालय के लुकेश रवानी उपस्थित थे।

आधारभूत संरचनाओं, एफआरए और विभिन्न परियोजनाओं को लेकर डीसी ने समीक्षा

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। आधारभूत संरचनाओं, एफआरए और विभिन्न परियोजनाओं को लेकर बुधवार को डीसी फैज अक अहमद मुमताज ने जिला समाहरणालय के सभागार में समीक्षा बैठक कर कई निर्देश दिये। बैठक के दौरान डीसी ने सीसीएल, पथ निर्माण विभाग, पीवीयूएनएल सहित अन्य परियोजनाओं के अधिकारियों से उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए एफआरए, एनओसी, जमीन अधिग्रहण सहित लंबित मामलों की जानकारी लेने के उपरांत जल्द से जल्द कार्रवाई करते हुए उनके निष्पादन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। डीसी ने अंचलवार अंचल अधिकारियों से उनके उनके क्षेत्रों में चल रही परियोजनाओं में भूमि सहित अन्य मामलों के तहत हो कार्यों की जानकारी लेने के उपरांत मामलो पर कार्रवाई करते हुए ससमय उनका निष्पादन करने का निर्देश दिया। इसके अलावा डीसी ने सभी परियोजनाओं के अधिकारियों को किए जा रहे कार्यों के दौरान आने वाली समस्याओं से जिला प्रशासन को नियमित रूप से अवगत कराने का निर्देश दिया। बैठक में अपर समाहर्ता कुमारी गीतांजलि, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, भूमि सुधार उप समाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर सहित विभिन्न परियोजनाओं के महाप्रबंधक, जिला स्तरीय अधिकारियों, अंचल अधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

12 लाख नगद और जेवर चोरी करने वाला धराया

4.12 लाख नगद और लाखों रुपए के जेवर पुलिस ने किया बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। जेल रोड में रहने वाले मनोज कुमार साहू के घर से लाखों रुपये की चोरी करने वाला चोर गिरफ्तार हो गया है। इसकी जानकारी एसपी अजय कुमार ने बुधवार को प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार चोर सनी करमाली उर्फ सनी लोहरा ने अपने साथियों के साथ मिलकर इस बड़ी घटना को अंजाम दिया था। उसकी निशानदेही पर 4.12 लाख रुपये नगद और लाखों रुपये के जेवर बरामद कर लिए गये हैं। एसपी ने बताया कि 7 दिसंबर को दिन दहाड़े सनी करमाली अपने साथियों के साथ मिलकर मनोज कुमार साहू के घर में घुसा था। वहां से उसने 12 लाख रुपये नगद और लाखों रुपए के सोने चांदी के जेवर चुरा लिए थे।

कई दिनों से मनोज के घर की कर रहा था रेकी : घटना की सूचना मिलते ही एसपी ने चोरों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी बनायी। एसआइटी ने तत्काल इस मामले में जांच शुरू की और चोरों की पहचान कर ली। सनी करमाली उर्फ सनी लोहरा मूल रूप से बोकारो जिले का रहने वाला है। रामगढ़ में जेल रोड में ही वह रह रहा था। उसने मनोज कुमार साहू के घर को पहले से ही टारगेट कर रखा था। रविवार को जैसे ही मनोज कुमार साहू अपने बच्चों को ट्यूशन छोड़ने के लिए गये, इसी दौरान सनी उनके घर में अपने साथियों के साथ घुस गया। मनोज कुमार साहू के घर से लगभग 500 मीटर की दूरी पर ही रह कर सनी ने रेकी की थी। इसलिए उसे मनोज साहू के आने जाने में लगने वाले समय का पता था।

चोरी कर अय्याशी करता था सनी, महिलाओं को छुपाने के लिए दी थी रकम : 24 वर्ष का बेहद शातिर चोर सनी करमाली का आपराधिक इतिहास है। बोकारो जिले में उसके खिलाफ दो मामले पहले से दर्ज हैं। रामगढ़ में भी अप्रैल महीने में उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। हर बार की तरह इस बार भी उसने चोरी की रकम महिलाओं को रखने के लिए दी थी। पुलिस ने जब सनी को गिरफ्तार किया तो उसने छुपाई गयी रकम और जेवर का जो ठिकाना बताया, वह जानकर पुलिस भी हैरान रह गयी। कई महिलाओं के पास रुपये और जेवर मिले। एक मोटी रकम सनी ने अय्याशी करने में ही दो दिनों में उड़ा दिये। सनी जिस घर में चोरी की थी वहां उसे लगभग 12 लाख रुपये नगद मिले थे। लेकिन पुलिस सिर्फ 4.12 लाख ही बरामद कर पायी।

बोकारो में रखा गया था चोरी का सामान

एसपी ने बताया कि सनी ने चोरी के जेवरात और रुपये छुपाने के लिए बोकारो का ही ठिकाना चुना था। पुलिस ने जब छापेमारी की तो उसके पास से 4 लाख, 12 हजार 350 रुपये बरामद हुए। इसके अलावा चार पीस कानबाली, एक जोड़ी झुमका, एक मांगटीका, एक नथिया, दो पीस चांदी का लॉकेट, एक पीस चांदी का चैन, दो जोड़ी चांदी का बिछिया और एक मोबाइल बरामद हुआ।

छापेमारी दल में ये थे शामिल

छापेमारी दल में रामगढ़ एसडीपीओ परमेश्वर प्रसाद, रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर नवीन प्रकाश पांडेय, सब इंस्पेक्टर सुमंत कुमार राय, अनिल कुमार, एएसआई मनोज कुमार, रिजर्व गार्ड गोराई महतो, ओमप्रकाश, रविशंकर कुमार शामिल थे।

टेंपो लूटकांड में शामिल चार अपराधी गिरफ्तार

टेम्पो, दो बाइक और पांच मोबाइल बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। पुलिस ने 3 दिसंबर 2025 की देर रात संघरी घाटी में हुए टेम्पू लूटपाट मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों के पास से लूटा गया टेम्पू, पांच मोबाइल फोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल जेएच 02 भी एच/8265 नंबर की होंडा शाइन और जेएच 13 ए/ 6546 नंबर की काले रंग का लीलो मोटरसाइकिल बरामद किया गया हैं। सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन ने प्रेस कांफ्रेंस आयोजित कर बताया कि नितेश कुमार यादव ने सदर थाना में शिकायत दर्ज कराया था कि बीते 3 दिसंबर की रात्रि में जब वह प्रतापपुर से चतरा आ रहा था, तभी सदर थाना क्षेत्र के संघरी घाटी के पास मोटरसाइकिल पर सवार 3-4 अपराधकर्मियों ने उनका टेम्पू और दो मोबाइल फोन लूट लिया था। इस संदर्भ में सदर थाना कांड संख्या-389/25 दर्ज किया गया था। एसडीपीओ ने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि लूटपाट करने वाले अपराधी टेम्पू को बेचने या छिपाने की नीयत से हंटरगंज से जोरी होते हुए चिलोई गांव की तरफ आ रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक द्वारा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया। जिसमें पुलिस निरीक्षक सह सदर थाना प्रभारी विपिन कुमार और अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक राहुल सिंह भी शामिल थे। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भुइयांडीह में घात लगाकर लुटेरों का इंतजार किया। इसी दौरान सामने से आ रहे अपराधियों , लूटा गया टेम्पू, और घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को पुलिस टीम ने घेर लिया। छापेमारी में लूट की घटना में शामिल चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से लूटा हुआ पियागो टेम्पो, लूटा हुआ Jio LYF का की पैड मोबाइल, लूटा हुआ Redmi का स्मार्ट मोबाइल और तीन अपराधियों का स्मार्टफोन और घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलें (होंडा साइन और होंडा लीवो) बरामद किया गया। गिरफ्तार किये गये अपराधियों में एक अपराधी बिरजू कुमार बिहार के गया जिले के बाराचट्टी थाना क्षेत्र का निवासी है, जबकि अन्य तीन अपराधियों में चतरा शहर के दिभा मुहल्ला निवासी सुनील पांडेय का पुत्र विशाल पांडेय, जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के पेलतौल कला गांव निवासी शत्रुघ्न पांडे का पुत्र कमलेश कुमार, जो वर्तमान में दिभा मुहल्ला में ही रहता है और शहर से सटे सजना गांव निवासी स्वर्गीय राजू सिंह का पुत्र चंदन कुमार शामिल है।

रोटरी रामगढ़ सिटी ने किया निःशुल्क ई-रिक्शा का वितरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सिटी ने बुधवार को जरूरतमंदों को सशक्तिकरण के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल करते हुए रामगढ़ निवासी कुंदन को पूर्णतः निःशुल्क ई रिक्शा प्रदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नॉमिनी मुकेश तनेजा ने कहा कि रोटरी रामगढ़ सिटी का यह प्रोजेक्ट समाज में वास्तविक बदलाव लाने वाला है और यह पहल लोगों के जीवन में सकारात्मक असर डालती है। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में रीजनल डायरेक्टर विवेक अग्रवाल और पूर्व असिस्टेंट विवेक अजमेरा उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि रोटरी रामगढ़ सिटी बहुत ही अच्छा काम कर रही है और रोटरी का लक्ष्य ही सेवा है। क्लब के अध्यक्ष आदर्श चौधरी ने कहा कि रोटरी का उद्देश्य समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। सचिव रोहित पंसारी ने बताया कि रोटरी रामगढ़ सिटी ऐसे प्रोजेक्ट लगातार करती रहेगी जो सीधे आमजन के जीवन में बदलाव लायें। कार्यकर्म में आनंद चौधरी, हरीश चौधरी, उमेश राजगढ़िया, रूपेश गुप्ता, अनिल गोयल, विकास अग्रवाल, अजय अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, दीपक अग्रवाल, दीपक खंडेलवाल, राहुल बरेलिया, सचिन अग्रवाल, पंकज जैन, राजकुमार अग्रवाल, राजू अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, सूरज अग्रवाल, प्रकाश अग्रवाल,शरद चौधरी, उमंग चौधरी, मधु चौधरी, कनिका चौधरी, सुमन चौधरी, निधि चौधरी, स्वाति पंसारी, नेहा अग्रवाल, विनीता गुप्ता आदि मौजूद थे।

राजस्थान के घर में सज रही थी बारात युवक ने रामगढ़ में आकर की खुदकुशी

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ थाना क्षेत्र के चुट्टूपालू घाटी के काजू बागान में जिस युवक का शव मिली, वह राजस्थान का रहने वाला था। उसकी पहचान राजस्थान राज्य के राजसमंद जिले के टणका गांव निवासी केसर सिंह के 27 वर्षीय पुत्र महावीर सिंह चुंडावत के रूप में हुई है। 11 दिसंबर को महावीर की शादी तय थी। जिस दिन वह दूल्हा बनने वाला था, उससे पहले ही उसकी मौत की खबर न घरवालों पर बिजली गिरा दी। अपने घर से लगभग 1500 किलोमीटर दूर आकर उस युवक ने रामगढ़ शहर के जंगल में घुसकर आत्महत्या कर ली। उसने सल्फास खाकर अपनी जीवन लीला समाप्त की। मृतक के घर वाले बुधवार को रामगढ़ पहुंचे हैं। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम होगा।

काजू बगान के जंगल में जिस जगह पर महावीर का शव मिली वहां ऐसा कोई भी सामान या दस्तावेज नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। महावीर का शव के पास बेहद बुरी हालत में टूटा-फूटा मोबाईल पुलिस को मिला था। टूटे मोबाइल के क्यूआर कोड से पुलिस ने ना सिर्फ युवक की पहचान की, बल्कि उसके परिवार वालों तक भी पहुंच गई। महावीर के पिता केसर सिंह और भाई मनवीर सिंह चंडावत से पुलिस ने संपर्क किया। क्यूआर कोड से मोबाइल का आईएमईआई नंबर पुलिस को मिला। उस आधार पर सिमकार्ड का नंबर भी पुलिस ने निकाल लिया।

बी-टेक की पढ़ाई करने के साथ महावीर सिंह चंडावत ने इंदौर में काम करना शुरू किया। 30 नवंबर को वह इंदौर से राजस्थान जाने के लिए निकला था। घर परिवार में बात कराने के बाद उसका मोबाइल ऑफ हो गया। इसके बाद उसका मोबाइल कभी भी ऑन नहीं हुआ। परिवार वालों ने इंदौर में गुमशुदगी की रिपोर्ट लिखवाई। वहां भी पुलिस ने खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। आठ दिन बाद उसका शव रामगढ़ में मिला। लगभग 1400 किलोमीटर की दूरी महावीर ने कैसे तय की और वह रामगढ़ ही क्यों पहुंचा, यह एक बड़ा रहस्य बन गया है।

रियलमी सर्विस सेंटर के मालिक को एसपी ने किया सम्मानित : एसपी अजय कुमार ने अज्ञात शव के पहचान में सहयोग करने के लिए रियलमी सर्विस सेंटर बिजुलिया के मालिक पीयुष खेडेलवाल को प्रशिस्त पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर का आयोजन

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। जिला विधिक सेवा प्राधिकार चतरा के तत्वावधान में बुधवार को हंटरगंज के नावाडीह स्थित प्रखंड कार्यालय परिसर मे जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निर्देश पर आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व हंटरगंज प्रखंड कार्यालय के पीएलवी कुमार विवेक रंजन और सरयू यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को बताया कि किसी भी इंसान की जिंदगी में आजादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार ही मानवाधिकार है। भारतीय संविधान इस अधिकार की न सिर्फ गारंटी देती है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को दंड की भागीदारी बनाती है। पीएलवी कुमार विवेक रंजन, सरयू यादव अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के घटना पर विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए बताया कि भारत में 28 सितंबर 1993 से मानवाधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर, 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, एड्स, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत शामिल है। साथ ही लोगों से अपने अधिकार के लिए सजक रहने की अपील की गयी। इस मौके पर पीएलवी अजय दास के अलावा काफी संख्या में लोग मौजूद थे। इसके अलावा केदली कला पंचायत सचिवालय के पीएलवी के द्वारा भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पतरातू के आदित्य को आइआइटी मुंबई ने किया आमंत्रित

पतरातू (आजाद सिपाही)। पीटीपीएस पतरातु रोड नंबर 2 विकास सिंह के पुत्र आदित्य जो 11वीं का छात्र है उन्होंने कम उम्र में ही कई सॉफ्टवेयर बनाया है। इसलिए आइआइटी बॉम्बे के इ सेल द्वारा स्मार्टअप बिल्डरस के संदर्भ में आमंत्रित किये हैं। आदित्य शीर्ष उद्मियों सीइओ और वोट कंपनी के संस्थापक अमन गुप्ता से मिलकर अपनी बात रखेंगे। आदित्य को पूर्व में भी राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान भारत के द्वारा इंस्पायर माणक अवार्ड मिल चुका है।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 2418, Date : 09.12.2025. I, Ghouli Das W/o Rameshwar Ravidas aged about 54 yrs by faith Hindu Resident of village- Bedokala, P.O.-Bedokala, P.S.- Barkatha, Dist- Hazaribag, State- Jharkhand, Pin code- 825323. Do hereby solemnly affirm and declare as follows :- 1.That my actual name in PAN Card Ghouli Das. But Aadhar Card my name mention in Masomat Ghauli. 2.That my PAN No. – AXZPD2331B & Aadhar No.- 5080 7636 5833.That Ghouli Das and Masomat Ghauli both name are me. 3. That I am submitting this affidavit to correct my name in the Aadhar Card. 4. That above noted statement true and correct name is the best of my knowledge. If I found wrong, legal action can be taken against me. Hence this affidavit.

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. CAOCRSPBBS-30-2025

कार्य का नाम : खोरधा रोड मण्डल के अधीन झाडुपूडि रेलवे स्टेशन-इच्छापुरम रेलवे स्टेशन मेन लाइन के बीच कि.मी. 636/3-5 पर समपार-336 के बदले में प्रस्तावित रोड ओवर ब्रिज के रेलवे अंश के लिए 1 X 36.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर + 4 X 24.0 मीटर कम्पोजिट गर्डर के रोड ओवर ब्रिज (ROB) का निर्माण।

विज्ञापित मूल्य : ₹ 56,14,68,250.07, EMD : ₹ 29,57,400/-, पूरा होने की अवधि : 24 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 23.12.2025

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 06.01.2026 को 1500 बजे।

ऐसी निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है एवं इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध है।

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण)/ RSP/भुवनेश्वर

PR-183/CI/25-26

पूर्व मध्य रेल

खुली निविदा

बैच संख्या–10/2025 , दिनांक : 08/12/2025

आईआरईपीएस www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल "पार्टिसिपेशन इन थ्रू" सामग्री की आपूर्ति के लिए ई–निविदा सूचना। निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा बंद करने का समय 14.00 बजे है :– (1) **निविदा सं ० :** 30255248, **सामग्री का संक्षिप्त विवरण :** रूफ मौटेड एयर कंडिशनिंग सिस्टम विदाउट "ट्रौ " टू स्पेक्न नंबर. आरडिएस ओ/2007/ईल/स्पेक्न/0055, रिवियू 2 ऑर लेटैस्ट. (01 सेट = 02 नंबर्स) ईच सेट। कनसिसटिंग ऑफ 02 यूनिट्स ऑफ कैब एसी., **मात्रा:** 160 सेट्स, **निविदा जारी करने की तिथि एवं समय :** 06 दिसम्बर 2025 10:43 बजे, **निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 08 जनवरी 2026 14:00 बजे, प्रतिभागियों को अपना प्रस्ताव समापन तिथि और समय से पहले आईआरईपीएस–www.ireps.gov.in के वेब पोर्टल के माध्यम से केवल ऑन–लाइन जमा करना होगा।। उपरोक्त पोर्टल पर निविदा सूचना में प्रेषिती के संबंध में अन्य विवरण और भंडार का विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज में उपलब्ध है।

सहायक सामग्री प्रबंधक (क. च. स्टॉक)
ने. सु. च. बोस. जं० गोमोह, पूर्व मध्य रेल

पीआर/1426/जीएमओ,सीएसडी/एसटीआरई/टी/25–26/28

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या : 11-MC-BVZI-BVCM-25-26, धनबाद, दिनांक : 09.12.2025

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Single Packet System में IREPS Portal में आमंत्रित की जाती है।

1. कार्य का नाम : BVZI/BVCM वैगनों के नवीनीकरण के लिए आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और फिटमेंट, मात्रा–100 संख्या, 2. संविदा की अवधि : 12 महीना, 3. कार्य–स्थान : BRWD या टेंडर डॉक्यूमेंट के अनुसार कोई भी जगह, 4. अनुमानित बोली मूल्य : ₹1,42,96,226/– (एक करोड़ ब्यालीस लाख छियानवे हजार दो सौ छब्बीस रूपये) मात्र, 5. निविदा दस्तावेज मूल्य : ₹0.00 (शून्य), 6. बयाना राशि (निविदा सुचना के तदनुसार) : ₹2,21,500/– (दो लाख इक्कीस हजार पाँच सौ रूपये) मात्र, 7. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय : तारीख 15.12.2025 से 29.12.2025 को 11:30 बजे तक, 8. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय : 29.12.2025 को 11:45 बजे, 9. वेब साईट विवरण : http://www.ireps.gov.in(ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)/ पूमरे/धनबाद

पीआर/1430/डीएचएन/यां/टी/25–26/36

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/चक्रधरपुर/दक्षिण पूर्व रेलवे नीचे उल्लिखित निविदा संख्या जिन्हें **30.12.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** खोला जाना निर्धारित है, के तहत ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। इन निविदाओं के तहत मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है और प्राप्त ऐसे किसी भी मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। **क्र.सं.:** 1। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-88, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** जारोली-पदपहाड़-डांगोवापोसी-बलानी खादान-गुआ खंड में टीटीआर (टीडब्ल्यूएस)-248 सेट के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 9,50,87,029.55। **बयाना राशि:** ₹ 6,25,400। **पूरा करने की अवधि:** 18 (अठ्ठारह) महीना। **क्र.सं. :** 2। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-89, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** बंडामुंडा जंक्शन-राउरकेला, पंपोश-झारसुगुड़ा खंड में टीआरआर(पी) के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 81,85,985.52। **बयाना राशि:** ₹ 1,63,700। **पूरा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) महीना। **क्र.सं.:** 3। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-90, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** नुआगांव और बांगुरकेला स्टेशनों के बीच आईबीएसएस के प्रावधान के सम्बन्ध में एस एंड टी कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,25,15,638.09। **बयाना राशि:** ₹ 2,62,600। **पूरा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) महीना। **क्र. सं.:** 4। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-91, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** चक्रधरपुर मंडल में डिजिटल एक्सल काउंटर द्वारा बाकी बचे एनालॉग एक्सल काउंटर का प्रतिस्थापन। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,97,43,381.71। **बयाना राशि:** ₹ 3,48,700। **पूरा करने की अवधि:** 15 (पंद्रह) महीना। **क्र.सं.:** 5। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-92, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** सिग्नल को सुरक्षित रखने के लिए सैक्रिफिशियल मास्ट सहित उल्लंघन किया गया सिग्नल के सामानांतर स्पेयर सिग्नल फाउंडेशन का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,92,01,134.24। **बयाना राशि:** ₹ 2,46,000। **पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना। **क्र.सं.:** 6। **निविदा सूचना संख्या: एसटी-सीकेपी-ओटी-25-26-93, दिनांक: 08.12.2025। कार्य का नाम:** (i) राजखरसावां-राजखरसावां पश्चिम/आउटर के बीच जॉइंट लाइन में ट्रैक सर्किट की शुरुआत द्वारा डुअल डिटेक्शन। (ii) चक्रधरपुर मंडल में एसएसडीएसी एवं यूएफएसबीआई के लिए ऑटो मीडिया चेंज ओवर सिस्टम का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,04,32,611.90। **बयाना राशि:** ₹ 2,52,200। **पूरा करने की अवधि:** 12 (बारह) महीना। निविदा का विवरण वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदादाता/ बोलीदाताओं के पास क्लास-III डिजीटल सिग्नेचर प्रमाणपत्र अवश्य होना चाहिए और उन्हें आईआरईपीएस पोर्टल पर अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। सिर्फ पंजीकृत निविदादाता/ बोलीदाता ही ई-निविदा में भाग ले सकते हैं। ई-निविदा प्रपत्र निःशुल्क जारी किये जाएंगे। (PR-938)

इंडिगो संकट के दौरान यात्रियों से बुरा बर्ताव

इंडिगो संकट ने एक बड़ी सच्चाई खोलकर रख दी है कि यात्रियों के पास कोई ताकत नहीं है। भारत लंबे समय से इस सच की अनदेखी करता आ रहा था। हालांकि एयरलाइंस इंडस्ट्री को इस बारे में अच्छे से पता है। मौजूदा संकट उसी सिस्टम का नतीजा है, जिसमें गलती होने पर भी एयरलाइंस पर पेनल्टी नहीं लगती। इंडिगो में हुई गड़बड़ी उसी तरह है, जैसी दुनिया की दूसरी एयरलाइंस में होती रहती है। 2017 की सर्दियों में Ryanair एयरलाइंस के पास बहुत कम रिजर्व पायलट थे। इस बीच रोस्टरिंग में गलती हुई और समस्या इतनी बढ़ी कि 6 महीने के भीतर करीब 20 हजार फ्लाइट कैंसल करनी पड़ीं। कंपनी के पास नये नियमों के हिसाब से तैयारी करने के लिए 18 महीने थे। जिन एयरलाइंस के पास अतिरिक्त क्रू होता है या जिनकी व्यवस्था ज्यादा लचीली होती है, वे नियम बदलने पर इतनी आसानी से नहीं डगमगातीं। लेकिन, जब कोई कंपनी कम में ज्यादा काम करने की कोशिश करती है, तो हल्का-सा झटका भी मुसीबत खड़ी कर देता है। इंडिगो के केस में एक और अंतर है - यूरोप या अमेरिका की तरह भारत में एयरलाइंस की वजह से होने वाली देरी पर यात्रियों को कोई आर्थिक मुआवजा नहीं मिलता। ऊपर की घटनाओं में एयरलाइंस ने पैसे तो दिए ही, यात्रियों के रुकने-खाने का भी इंतजाम किया था। भारत का पैसेंजर राइट्स चार्टर बहुत कमजोर है। कानून के बजाय यह गाइडलाइंस जैसा लगता है। इसमें रिफंड और भोजन का प्रावधान है, लेकिन वह भी एयरलाइंस की इच्छा पर। मार्केट में कम कंपनियां होने और लापरवाही पर कोई सजा नहीं मिलने से यात्रियों के पास विकल्प नहीं बचता। भारत में इंडिगो का 65% मार्केट पर कब्जा है और टाटा ग्रुप का 27% पर। भारत के उलट, अमेरिका और चीन के एचएचआइ स्कोर बहुत कम हैं, जबकि वहां ज्यादा बड़ी एयरलाइंस हैं। यात्रियों के पास जब दूसरा विकल्प न हो, तो उनकी नाराजगी का एयरलाइन पर कोई असर नहीं पड़ता। यूरोप ने बहुत पहले यह बात समझ ली थी और इयू261 नियम बनाये। वहां एयरलाइंस को अपनी लापरवाही का खामियाजा भुगतना पड़ता है। इससे सुधार आया, कंपनियों ने ज्यादा स्टाफ और विमान रखे। जबकि भारत में सरकार ने इंडिगो को नये नियमों में थोड़ी ढील दे दी। नये नियम लाये गये, ताकि पायलटों को थकान से बचाया जा सके। दुनियाभर में हादसों की एक वजह यह भी है। लेकिन नियम से समझौता कर लिया जाये, तो सवाल उठता है। पिछले 15 बरसों में देश में तीन बड़ी विमान दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। हवाई हादसों की जांच इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के नियमों के तहत की जाती है। इसमें साफ है कि जांच का मकसद किसी को दोषी ठहराना नहीं - यह समझना है कि गलती कहां हुई, ताकि आगे उससे बचा जा सके। आपराधिक जांच पुलिस का काम है, पर हवाई हादसे में जिम्मेदारी तय करना भी आसान नहीं। इसमें कई वजहें एक-दूसरे जुड़ी होती हैं। इसलिए पुलिस अक्सर कुछ महीनों में केस बंद कर देती है। इस तरह, एक जांच हादसे की वजह समझाती है पर दोषी नहीं बताती और दूसरी जांच दोषी तो बता सकती है पर उसे भी नहीं पता कि किसको। इसकी कीमत पायलट और यात्री ही चुकाते हैं।

> **हवाई हादसों की जांच इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन के नियमों के तहत की जाती है। इसमें साफ है कि जांच का मकसद किसी को दोषी ठहराना नहीं - यह समझना है कि गलती कहां हुई, ताकि आगे उससे बचा जा सके।**

अभिमत
आजाद सिपाही

हम 8 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नयी जगहों, नये बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

परिवर्तन से गुजरती परंपरा: भारतीय हस्तशिल्प गढ़ रहे हैं आधुनिक डिजाइन की पहचान

पबित्रा मार्गेरिटा

परिवर्तन को दर्ज करने वाला क्षण : ग्रामीण असम में शिल्पकारों की एक बस्ती की हाल की यात्रा के दौरान एक सामान्य से दृश्य में भारत के हस्तशिल्प तंत्र में आ रहे गहरे बदलाव की झलक दिखाई दी। अनेक शिल्पकार सूखी हुई जलकुंभी को बुन रहे थे। लेकिन ये शिल्पकार वे परंपरागत टोकरियां नहीं बना रहे थे जिन्हें उनका समुदाय सदियों से बुनता आ रहा है। इसके बजाय वे कॉरपोरेट बैठकों के लिए खूबसूरत ऑफिस फोल्डर बना रहे थे। उनके हाथ पीढ़ियों से जारी कला को आगे बढ़ाते हुए चिरपरिचित लय में चल रहे थे। लेकिन उनके उत्पाद और उद्देश्य, दोनों ही पूरी तरह से बदल चुके हैं।

हम 8 से 14 दिसंबर, 2025 तक राष्ट्रीय हस्तशिल्प दिवस मना रहे हैं। ऐसे में, यह दृश्य भारत के हस्तशिल्प परिदृश्य में एक मूक क्रांति का प्रतीक है। हमारी जीवंत हस्तशिल्प परंपराओं में एक महत्वपूर्ण बदलाव आ रहा है। उनका नयी जगहों, नये बाजारों और नूतन भविष्य में विस्तार हो रहा है। मूल विशेषताओं की शुद्धता बरकरार रहने के बावजूद माध्यमों और स्वरूपों में जो विकास हो रहा है उसकी कल्पना एक दशक पहले शायद ही की जा सकती थी।

> भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए।

जीवंत ज्ञान प्रणाली के रूप में हस्तशिल्प : इस विकास को समझने के लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय हस्तशिल्प सिर्फ सुंदरता की वस्तु नहीं रहे हैं। वे सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक परंपराओं में गहराई से रची-बसी जीवंत ज्ञान प्रणालियां हैं। मधुबनी में महिलाएं परंपरागत तौर पर त्यौहारों, शादियों और जीवन संस्कारों के दौरान ताजा लेपी गयी दीवारों पर चावल के पेस्ट से पेंटिंग बनाती थीं। इन चित्रों में मछली को जनन क्षमता और मोर को प्रेम का प्रतीक माना जाता था। चित्रण अपने मूल में व्यक्तिगत के बजाय सामूहिक हुआ करता था। गोंड समुदाय के लिए पेंटिंग उसके जीव संबंधी विश्वासों तथा जंगलवासी प्राकृतिक शक्तियों और रक्षा करने वाली आत्माओं से जुड़ी है। उनकी कला सिर्फ सुंदर ही नहीं, बल्कि वाचक परंपरा में जड़ों वाला अनुष्ठानिक ब्रह्मांड विज्ञान भी है।

स्वरूपों को हमेशा उपयोग ने गढ़ा है। असम में जलकुंभी को सुखाने के बाद बुन कर घर में काम आने वाली टोकरियां बनायी जाती हैं। कर्नाटक में लाख के लेप वाले चन्नपटना काष्ठ खिलौने बच्चों के खेलने के काम आते हैं। उन्हें पीढ़ियों से खराद पर बनाया जाता रहा है। माध्यम, स्वरूप और आकृति को एकदूसरे से अलग नहीं किया जा सकता। वे विशिष्ट अनुष्ठानिक और कार्यात्मक संदर्भों से आबद्ध हैं।

परंपरा का आधुनिक अभिव्यक्ति में विस्तार : आज जो हो रहा है, वह परंपरा से अलग नहीं, बल्कि उसका विस्तार है। मूलभाव, पैटर्न और तकनीकें अभी भी पहचानी जा सकती हैं, लेकिन उनके प्रयोग आश्चर्यजनक रूप से समकालीन हो गये हैं। यह बदलाव केवल एक आयामी नहीं, बल्कि बहु-आयामी है। मधुबनी की मछली, जो कभी एक बड़ी प्रजनन कथा का हिस्सा हुआ करती थी, अब तकिए, टोट बैग और फोन कवर पर दिखाई देती है, जिसे आज के समय के अनुसार इस्तेमाल के लिए नया रूप दिया गया है। गोंड के गहरे रंगों वाले जानवर और पौधे और ज्यामिति डिजाइन आज अपने पौराणिक संदर्भ से बाहर भी सराहे जाते हैं।

हालांकि, सबसे बड़ा परिवर्तन माध्यम में आया है। जलकुंभी आज कॉर्पोरेट फोल्डर और डिजाइनर हैंडबैग का रूप ले रही है। मधुबनी कला मिट्टी की दीवारों से हट कर लकड़ी के फर्नीचर, वस्त्रों और चमड़े के सहायक उपकरणों पर की जाने लगी है। चन्नपटना शिल्प, जो कभी केवल खिलौनों में ही दिखता था, अब सजावटी नक्शों, झूमरों, गृह सज्जा और डिजाइनर फर्नीचर में दिखाई देता है। पारंपरिक लाख का अभी भी इस्तेमाल हो रहा है, लेकिन उसका रूप पूरी तरह आधुनिक हो गया है। यह बदलाव आज के अनुकूल है, न कि उसका कमजोर पड़ना। भारतीय शिल्प पर आधारित फैशन की वैश्विक स्तर पर एक प्रमुख पहचान बन गयी है, जिसमें पारंपरिक कढ़ाई को 'पेरिस हौते कॉउचर वीक' में प्रदर्शित किया गया था। नेशनल गैलरी ऑफ विक्टोरिया जैसे संग्रहालयों में अब ट्रांसफॉर्मिंग वर्ल्ड्स जैसी प्रदर्शनियां गोंड और मधुबनी कला और उनके आधुनिक रूपों को उनकी संस्कृति या समाज के संदर्भों के बजाय समकालीन कला के तौर पर चित्रित कर रही हैं।

नेतृत्व और सरकारी हस्तक्षेप परिवर्तन को गति दे रहे हैं : इस परिवर्तन को राष्ट्रीय नेतृत्व और रणनीतिक सरकारी हस्तक्षेपों से महत्वपूर्ण समर्थन मिला है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व ने इस आंदोलन को असाधारण गति दी है। उनका 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' का बार-बार किया गया आह्वान कारीगरों के प्रति उनके गहरे लगाव को दर्शाता है। वह हमेशा नागरिकों से स्थानीय उत्पाद खरीदने का आग्रह करते हैं, जैसा कि उन्होंने स्वयं कहा है कि जब हम ऐसा करते हैं, तो हम केवल सामान नहीं खरीदते हैं; हम एक परिवार के लिए आशा लाते हैं, एक कारीगर की कड़ी मेहनत का सम्मान करते हैं, और एक युवा उद्यमी के सपनों को पंख देते हैं। उन्होंने अपने नवीनतम मन की बात संबोधन में बताया कि वह विश्व के नेताओं के साथ मुलाकातों के दौरान जानबूझकर हाथ से बने भारतीय उत्पादों को ही उपहार के रूप में क्यों देते हैं। ऐसा करके वह यह सुनिश्चित करते हैं कि वह जहां भी जायें, उनके साथ साथ भारत की समृद्ध शिल्प विरासत भी जाये। उन्होंने कहा की कि यह केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि यह उनकी ओर से भारत की कलात्मक विरासत को प्रदर्शित करने का एक तरीका है, ताकि हमारे कारीगरों की प्रतिभा को दुनिया भर के सामने लाया जा सके।

विभिन्न सरकारी पहलें इस परिवर्तन को गति दे रही हैं। वस्त्र मंत्रालय, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) के माध्यम से, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम के तहत कारीगरों को कौशल विकास, क्लस्टर-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम, विपणन सहायता, अवसंरचना और प्रौद्योगिकी सहायता और ऋण उपलब्ध कराकर सीधे सहायता प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (निफ्ट) ने भारत भर में अपने 19 परिसरों के माध्यम से, शिल्पकारों और समकालीन डिजाइनरों के बीच सेतु का निर्माण किया है ताकि आधुनिक डिजाइनों में हमारी परम्परा की झलक भी मिल सके।

भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री ने 366 से अधिक हस्तशिल्पों को संरक्षित किया है। इससे सामुदायिक प्रतिभा की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और उन्हें सही में मान्यता मिलती है।

मैं असम राज्य से हूं, वहां के कई पारंपरिक हस्तशिल्पों जैसे कि सथेबॉरी मेटल क्राफ्ट, माजुली मास्क, बिहू ढोल, जापी, पानी मेतेका, आशारिकांदी टेराकोटा और बोडो समुदाय के कई अन्य हस्तशिल्पों को हाल ही में भौगोलिक संकेत (जीआई टैग) पंजीकरणों की मान्यता मिली है जो कि बहुत लंबे समय से अपेक्षित थी। प्रत्येक पंजीकरण यह दशार्ता है कि कैसे असम या पूरे भारत के हर कोने में विविधता की झलक मिलती है जो दशकों तक उपेक्षित रहने के बाद, आज राष्ट्रीय मंच पर एक नया स्थान पा रही है।

विकसित भारत के लिए एक गतिशील और विकसित होती विरासत : भारत के हस्तशिल्प विकास में सबसे बड़ा सबक यह है कि परंपरा स्थिर नहीं है बल्कि यह अनुकूलित होती है, अवशोषित होती है और आगे बढ़ती है। जलकुंभी की घरेलू टोकरियों से लेकर अन्य वैश्विक सामानों तक की यात्रा हमारे कारीगर समुदायों के व्यवहारिकता और रचनात्मकता का प्रतीक है। जैसे-जैसे भारत 2047 तक विकसित भारत के अपने दृष्टिकोण को साकार करने की ओर बढ़ रहा है, वैसे ही हस्तशिल्प क्षेत्र विरासत और नवोन्मेष, ग्रामीण आजीविका और वैश्विक आकांक्षा, पहचान और आधुनिकता के एक शक्तिशाली चौराहे पर खड़ा है।

यह आंदोलन जैसे-जैसे मजबूत होता जा रहा है, हम सबकी भी ज़िम्मेदारी बनती है कि हर कारीगर को सशक्त बनाया जाये और हमारी प्रत्येक परंपरा फलती-फूलती रहे। भारत की हस्तशिल्प विरासत सिर्फ. एक याद बनकर नहीं रहनी चाहिए, बल्कि हमारी पहचान एक जीवित अभिव्यक्ति के रूप में फलनी-फूलनी चाहिए। हर बार जब कोई परिवार स्थानीय चीजें चुनता है या हर बार जब कोई डिजाइनर किसी हस्तशिल्प समूह के साथ भागीदारी करता है, तो वह आत्मनिर्भर भारत की भावना को ही आगे बढ़ाता है। ये वही सधे हुए सृजनशील और सदियों की समझदारी से संजोये हुए हाथ है जो भारत की आने वाली पीढ़ियों का मार्ग दर्शन करेंगे।

(लेखक : कपड़ा और विदेश राज्य मंत्री हैं।)

कोल्हान की खबरें

रंभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस हर्ष उल्लास के साथ मना

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। रंभा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तहत अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। बुधवार को कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं प्रोग्राम ऑफिसर डॉ भूपेश चंद्र ने मानवाधिकारों के महत्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा मानवाधिकार प्रत्येक व्यक्ति को जन्म से ही प्राप्त होते हैं। लेकिन इनके प्रति सजग रहना और दूसरों के अधिकारों का सम्मान करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।इस अवसर पर विद्यार्थियों को वर्ष 2024 के थीम ह्लदैनिक आवश्यकताह्व के बारे में जानकारी दी गयी। साथ ही मानवाधिकार विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों में मानवाधिकारों की उपयोगिता, संरक्षण और इनके व्यक्तिगत एवं सामाजिक विकास में योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक सत्र में छात्राओं में मनीषा, मोनालिसा और सरोजिनी ने हम होंगे कामयाब गीत प्रस्तुत कर वातावरण को प्रेरणादायी बना दिया। प्रतियोगिता में सक्रिय भागीदारी करने वाले विद्यार्थियों में सरोजिनी बारी, पार्वती लिंयागी, दीपक कुमार, लक्ष्मी हेंब्रम, संजीत, विवेक दराईबुरु, गायत्री पिंगुवा, सरिता पूर्ति और संजुक्ता पूर्ति प्रमुख रहे।

टाटा डीएवी स्कूल में मना मानवाधिकार दिवस

नोवामुंडी (आजाद सिपाही)। टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल नोवामुंडी में मानवाधिकार दिवस समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। बुधवार को कार्यक्रम की शुरूआत संगीत शिक्षक अरविंद ठाकुर के नेतृत्व में छात्रों द्वारा वंदे मातरम गीत प्रस्तुत कर की गई।मौके पर कक्षा 11 के छात्र अश्विनी गिरी ने मानवाधिकार विषय पर प्रभावी भाषण दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ शिक्षक डीके देव ने मानवाधिकार दिवस के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।उन्होंने कहा यह दिवस दुनियाभर में मानवाधिकारों की सुरक्षा और संवर्धन के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। प्राचार्य प्रशांत कुमार भूयान ने कहा मानवाधिकार दिवस समानता, स्वतंत्रता और मानव गरिमा के प्रचार का प्रतीक है। इस अवसर पर प्रश्नोत्तरी, पोस्टर, स्लोगन और भाषण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में तकनीकी सहयोग अनंत मेहर और जयप्रकाश साहू ने प्रदान की। अनुशासन व्यवस्था में हर्ष धनवार और सचिन चंद्र साव ने अहम भूमिका निभायी। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ शिक्षक सुरेश पंडा ने की। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और राष्ट्रगान के साथ हुआ।

पुलिस ने चोरी कांड का किया खुलासा चार गिरफ्तार, आभूषण और नगद बरामद

आजाद सिपाही संवाददाात

जमशेदपुर। सीतारामदेरा थाना अंतर्गत बाराहारी स्थित अनित सोलंकी के घर से बीते 7 दिसंबर को हुई चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर करीब 14 लाख रुपये मूल्य के चोरी गए आभूषण, नकदी, मोबाइल एवं स्कूटी बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में सीतारामदेरा के 20 वर्षीय आलोक मुखी उर्फ सावन, आदित्यपुर के 25 वर्षीय धीरज कुमार तांती, आदित्यपुर के 25 वर्षीय ज्योति मुखी और गम्हरिया के सुनील कुमार प्रसाद शामिल है। बुधवार को घटना का खुलासा करते हुए सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने बताया जिले के एसएसपी पीयूष पांडेय के निर्देश पर पुलिस अधीक्षक (नगर) की निगरानी और नगर पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गयी थी। टीम ने सीसीटीवी फुटेज और गोपनीय सूचना के आधार पर तड़ित कारवाई करते हुए मुख्य आरोपी आलोक मुखी उर्फ सावन मुखी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने चोरी की बात स्वीकार कर लिया और बताया कुछ आभूषण उसने बहन ज्योति मुखी और जीजा धीरज तांती को बेचने के लिए दिया गया। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। उन्होंने भी अपराध स्वीकार किया। आलोक की निशानदेही पर पुलिस ने आदित्यपुर स्थित एक ज्वेलर्स दुकान से ग्राहक बनकर सोने का हार बरामद किया। साथ ही धीरज और ज्योति के पास से 70 हजार नकद, सोने-चांदी के कई आभूषण, स्कूटी और मोबाइल बरामद किया।

स्वर्णरेखा नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए चलायी जा रही है ट्रीटमेंट प्लांट परियोजना

जमशेदपुर/ रांची (आजाद सिपाही)। विधानसभा में बुधवार को जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने स्वर्णरेखा नदी में रांची और जमशेदपुर का कूड़ा-कचरा और दूषित जल गिराए जाने का मुद्दा उठाया। सरकार ने जवाब में बताया नदी को प्रदूषण मुक्त करने के लिए व्यापक स्तर पर सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट परियोजनाएं चलायी जा रही हैं।सरकार ने जानकारी दी रांची की हरमू और जुमार नदी और जमशेदपुर की स्वर्णरेखा और खरकई नदी के प्रदूषण को दूर करने के लिए कार्य जारी है। हरमू नदी जीर्णोद्धार परियोजना के तहत बने एसटीपी का पाँच वर्षों तक संचालन एवं रखरखाव संवेदक द्वारा किया गया और आगे की व्यवस्था प्रक्रियाधीन है। बड़गाई में 37 एमएलडी क्षमता का एसटीपी तैयार होकर क्रियाशील है, जिसका ट्रीटेड पानी बड़ा तालाब में छोड़ा जा रहा है। जमशेदपुर और मानगो क्षेत्र के स्वर्णरेखा में गिरने वाले नालों को प्रदूषण मुक्त करने के लिए भी योजनाएं लागू हैं। मानगो नगर निगम के 9 नालों और जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र के 12 नालों के लिए अलग-अलग स्थानों पर एसटीपी निर्माण की परियोजनाएं स्वीकृत की गयी। प्रथम चरण में 1.2 एमएलडी क्षमता वाले एसटीपी की निविदा जारी की जा चुकी है। इसके अलावा 44 एमएलडी क्षमता वाले बड़े एसटीपी के लिए अंतिम डीपीआर भी प्रस्तुत कर दिया गया। सरकार ने आश्वस्त किया नदी प्रदूषण रोकने की दिशा में आगे की कार्रवाई तेजी से जारी है।

ऑटो प्रोफाइल यूनिट-3 के मजदूरों की हड़ताल से उत्पादन ठप, हड़ताल जारी

आजाद सिपाही संवाददाता

आदित्यपुर। सरायकेला खरसावां जिला के आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित ऑटो प्रोफाइल यूनिट-3 में मजदूरो ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के नेतृत्व में हड़ताल पर उतर आये। बुधवार को मजदूरों ने हड़ताल के दौरान स्पष्ट कहा प्रबंधन द्वारा उनकी मांगें मानने तक हड़ताल जारी रहेगी। मिली जानकारी के अनुसार सरायकेला विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी प्रेम माड़ी ने बीते दिनों मजदूरों की समस्याओं और मांगों को लेकर कंपनी प्रबंधन को एक मांग पत्र सौंपा था। मांग पत्र में चेतावनी दी गयी थी यदि 9 तारीख तक मजदूरों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 10 तारीख से यूनिट के मजदूर हड़ताल पर चले जाएंगे। निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बावजूद प्रबंधन द्वारा कोई कदम नहीं उठाए जाने पर बुधवार से यूनिट-3 के सभी मजदूरों ने काम बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। हड़ताल के कारण यूनिट में उत्पादन पूरी तरह ठप हो गया। उधर स्थिति को देखते हुए कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर हैं। मजदूरों का कहना है उनके हक और अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर ठोस निर्णय के बिना आंदोलन वापस नहीं लिया जायेगा। उधर कंपनी प्रबंधन से इस मामले पर पक्ष जानने की कोशिश की गयी। लेकिन प्रबंधन ने इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। फिलहाल हड़ताल जारी है।

वन अधिकार समिति के अध्यक्ष मोगो अगरिया और सचिव सुनील अगरिया बने

मनोहरपुर (आजाद सिपाही)। चिड़िया पंचायत के लोडो गांव में बुधवार को वनाधिकार अधिनियम 2006 के तहत वन अधिकार समिति के पुनर्गठन के लिए विशेष ग्राम सभा आयोजित की गयी। ग्राम मुंडा मंगल सुरीन की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में फीया फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने अधिनियम से जुड़ी प्रक्रियाओं की जानकारी दी और बताया कि तीन माह के भीतर प्रस्ताव अनुमंडलीय समिति को भेजा जायेगा। पुनर्गठन के दौरान 15 सदस्यों का चयन किया गया, जिसमें सर्वसम्मति से मोगो अगरिया अध्यक्ष और सुनील अगरिया सचिव चुने गये। ग्राम सभा में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

मेडिकल कैंप में सैकड़ों ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच, मुफ्त दवा का वितरण

मनोहरपुर (आजाद सिपाही)। टीमरा ग्राम स्थित 197 बटालियन कैंप परिसर में बुधवार को सीआरपीएफ 197 बटालियन द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम व मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत टीमरा, लोड़ो, सौदा, गंपू, बिनुवा और अंकुवा के ग्रामीणों के बीच साड़ियां, बेडशीट, बर्तन, मच्छरदानी और पानी की बाल्टी सहित आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। मेडिकल कैंप में सैकड़ों ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई और मुफ्त दवाएं दी गयी। कमांडेंट सुरेश कुमार ने ग्रामीणों से सतर्क रहने और नक्सलवाद के खिलाफ एकजुट होने की अपील की। उन्होंने बच्चों को शिक्षा और खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मौके पर कमांडेंट प्रमेन्द्र नारायण, द्वितीय कमान अधिकारी रुस्तम अली, पीएन यादव, चिड़िया ओपी प्रभारी वाहिद अंसारी समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

विवादित जमीन में धान की फसल को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के पतहरिया गांव में विवादित जमीन में धान की फसल को लेकर दो पक्ष आमने-सामने हो गये। मंगलवार को एक पक्ष द्वारा धान की कटनी कराई गई तो दूसरे पक्ष के लोगों ने बल पूर्वक काटी गई धान को अपने खलिहान में डंप करवा लिया। इसे लेकर एक पक्ष के विक्रमा राम द्वारा मेराल थाना में आवेदन देकर दूसरे पक्ष के आधा दर्जन लोगों पर धान का बोझा उठा कर ले जाने, महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए मारपीट करने एवं आगजनी करने का लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गयी है। आवेदन में गांव के ही कुलदीप महतो, भगवान महतो, पप्पू महतो, शिवनाथ साव, मनि प्रसाद गुप्ता और सोना महतो पर उपरोक्त आरोप लगाते हुए कार्रवाई करने की मांग की है। आवेदन में कहा गया कि कुलदीप महतो के कहने पर उनके खेत से धान का बोझा उपरोक्त लोग उठा कर ले जाने लगे। मना करने पर पत्नी लक्ष्मीनीया देवी को डायन कहकर मारपीट करने लगे और शरीर का का कपड़ा फाड़ दिया। इसके अलावा नाक की नथीया, मंगल सूत्र भी छिन लिया और 300 बोझा धान उठा ले गये। इसके बाद खेत में बनी झोपड़ी में भी आग लगा दी। बतातें चलें कि मंगलवार की देर शाम में दोनों पक्ष थाना में सुलह समझौता (पंचायती) कर बुधवार को मामला सुलझाने पर राजी हुए थे। खबर लिखे जाने तक किसी पक्ष का थाना में प्राथमिकी दर्ज नहीं हुआ है। उधर, इस संबंध में थाना प्रभारी बिष्णु कांत ने कहा कि धान का बोझा बल पूर्वक उठाकर ले जाने संबंधित आवेदन प्राप्त हुआ है, पुलिस मामले की जांच कर रही है। कानून हाथ में लेने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री से मिले प्रभात दुबे, क्षेत्र के अधूरे विकास कार्यों को पूरा करने की मांग

कांडी (आजाद सिपाही)। कांग्रेस के युवा नेता प्रभात उर्फ बडू दुबे ने झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह से मुलाकात कर बिश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं से अवगत कराया। उन्होंने क्षेत्र में जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण योजनाओं को स्वीकृति दिलाने का आग्रह किया। मंत्री ने जल्द समाधान और आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। मांग पत्र में कांडी प्रखंड अंतर्गत बेलहत से पतीला, भया, सेमौरा से होते हुए कांडी मुख्य पथ सड़क चौड़ीकरण एवं निर्माण कार्य, साथ ही कांडी पथ पर दिनेश चौबे के घर से रामबांध होते हुए गवर्नर रोड तक सड़क निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त राणाडीह स्थित गवर्नर रोड के सामने कोयल नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण की मांग भी प्रमुख रही। इस संबंध में प्रभात दुबे ने कहा कि क्षेत्र के विकास को गति देना उनका मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि उनके स्वर्गीय बाबा ददई दुबे ने इस क्षेत्र के लिए कई कल्याणकारी कार्य किए, किंतु कुछ सपने अभी अधूरे हैं। उन अधूरे विकास कार्यों को पूरा करना मेरा धर्म है। प्रभात दुबे बिना पद और दिखावे के, सिर्फ जनसेवा को अपना ध्येय मानकर हर समय क्षेत्रवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहते हैं। जनता से जुड़ाव और सरल स्वभाव के कारण वे युवाओं और ग्रामीणों के बीच एक भरोसेमंद नेता के रूप में पहचान बना चुके हैं।

15 को मझिआंव में होगा धरना-प्रदर्शन

मझिआंव/गढ़वा (आजाद सिपाही)। नगर पंचायत अंतर्गत ग्राम बिरबंधा और खजुरी में क्रांतिकारी किसान मजदूर यूनियन की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता झारखंड प्रदेश अध्यक्ष विन्देश्वरी पाल उर्फ.अशोक पाल ने की। उन्होंने कहा कि झारखंड सरकार किसानों और मजदूरों के हित में काम नहीं कर रही है। धान क्रय केंद्र व पैक्स की दुकानें बंद पड़ी हैं, जिसके कारण व्यापारी किसानों से कम दाम पर धान खरीद रहे हैं। खेती किसानों के लिए घाटे का सौदा बन गया है। केंद्र सरकार की ओर से किसानों की आय दोगुनी करने की घोषणा अब तक सिर्फ घोषणा बनकर रह गई है। कहा कि करोड़ों रुपये खर्च कर खजुरी सिंचाई जलाशय योजना का निर्माण तो हुआ, लेकिन नाहर का काम अधूरा छोड़ दिया गया, जिससे किसानों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है। खजुरी पंचायत के चारों गांव बिरबंधा, भुसुआ, आमर और खजुरी पूरी तरह खेती-किसानी पर निर्भर हैं, लेकिन मझिआंव नगर पंचायत में शामिल किए जाने से किसानों पर नगरपालिका टैक्स का अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। विंदेश्वरी पाल ने बटाईदारी कानून के अभाव को भी बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि झारखंड में बटाईदारी कानून न होने से खेती करने वाले बटाईदार किसान बिना जमीन की रसीद दिखाए धान बेचने का रजिस्ट्रेशन नहीं करा पा रहे हैं। इसलिए झारखंड में भी बिहार की तर्ज पर बटाईदारी कानून बनना आवश्यक है। इन सभी मुद्दों को लेकर ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि 15 दिसंबर को झारखंड सरकार और गढ़वा जिला प्रशासन के खिलाफ सैकड़ों की संख्या में धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद मझिआंव सीओ के माध्यम से मांग पत्र भी सौंपा जाएगा। बैठक में फुलेश्वर चौधरी, पूर्व उपाध्यक्ष रामचंद्र चौधरी, वार्ड पार्षद भरत कुमार कुशवाहा, पूर्व वार्ड पार्षद इबरार खान, शहीद खान, प्रमोद पाल, अशोक साह, भोला महतो, किशुन साह, देवधारी महतो आदि उपस्थित थे। सभी ने अपनी-अपनी बातें रखीं और प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए मजबूती से शामिल होने की सहमति दी।

मुखिया ने किया विद्यालयों का निरीक्षण

सगमा (आजाद सिपाही)। प्रखंड अंतर्गत कटहर कलां पंचायत की मुखिया कलावती देवी एवं बीडीसी प्रतिनिधि पवन सिंह ने शारदा मध्य विद्यालय और प्राथमिक विद्यालय परहिया टोला शारदा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय परिसर, कक्षाओं, शिक्षण व्यवस्था और मध्यान भोजन से जुड़ी सभी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। मुखिया कलावती देवी ने साफ शब्दों में कहा कि पढ़ाई की गुणवत्ता और विद्यालय परिसर की स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने उपस्थित शिक्षकों को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आने वाले दिनों में किसी प्रकार का सुधार नहीं दिखा, तो संबंधित अधिकारियों के पास लिखित रूप में प्रतिवेदन भेजा जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य से किसी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। निरीक्षण के क्रम में मुखिया ने स्वयं मध्यान भोजन का स्वाद चखकर इसकी गुणवत्ता की जांच की। उन्होंने बताया कि सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले भोजन और संसाधनों का उद्देश्य बच्चों को बेहतर सुविधा देना है।

सड़क पर उतरे सदर एसडीएम : कार्रवाई से मचा हड़कंप

बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे 12 ट्रैक्टर पकड़ाये, 2.05 लाख का लगा जुर्माना

कहा- ट्रैक्टरों से हो रही दुर्घटनाओं पर संज्ञान लेकर खुद करूंगा जांच

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। सदर एसडीएम संजय कुमार ने बुधवार को बिना नंबर प्लेट के सड़कों पर दौड़ रहे ट्रैक्टरों को पकड़ने के लिए अभियान चलाया। परिवहन विभाग के समन्वय से चलाए गए इस अभियान में एसडीएम ने बिना नंबर प्लेट के दौड़ रहे कुल 12 ट्रैक्टरों को पकड़ा। इन सभी वाहन मालिकों पर दो लाख रुपये से अधिक का मौके पर ही जुर्माना काटा।

अधिकांश के पास नहीं मिला ड्राइविंग लाइसेंस

अभियान के दौरान ज्यादातर मामलों में ड्राइवर के पास लाइसेंस नहीं था। सभी ट्रैक्टरों में ट्रॉली लगी थी, जो प्राथमिक दृष्टि में मिट्टी एवं बालू के अवैध खनन और परिवहन से जुड़े पाए गए। एसडीएम ने बताया कि क्षेत्र में तेज रफ्तार, बिना नंबर और नियमविहीन तरीके से चल रहे ट्रैक्टरों की शिकायत लंबे समय से मिल रही है। शिकायतों के अनुसार दिन ही नहीं रात में भी इन ट्रैक्टरों ने आम लोगों का जीना मुहाल किया हुआ है। शिकायतों के बाद जब वह रात में जांच को निकलते हैं तो लगभग सभी ट्रैक्टरों में नंबर प्लेट नहीं होने के कारण उन पर विधिक कार्रवाई आसानी से नहीं हो पाती है। इसलिए अनुमंडल क्षेत्र के सभी ट्रैक्टरों में नंबर प्लेट सुनिश्चित करवाने के लिए अभियान शुरू किया गया है। कहा कि जब एक घंटे के अभियान में एक ही इलाके में बिना नंबर वाले 12 ट्रैक्टर पकड़ में आ गए, तो पूरे अनुमंडल में यह संख्या हजारों में हो सकती है। बताया कि न केवल ट्रैक्टरों, बल्कि विधि विरुद्ध चल रहे ऐसे अन्य वाहनों के विरुद्ध लगातार एवं सख्त अभियान नियमित रूप से चलाया जाएगा। बतातें चलें कि जिन लोगों के ट्रैक्टरों पर कार्रवाई हुई उनमें परवेज आलम लोटो, फिरोज खान, सद्दाम हुसैन रॉकी मोहल्ला, छोटू मेहता करमडीह, मिथलेश कुशवाहा कल्याणपुर, जनार्दन राम बीरबंधा, राम जी कुशवाहा कल्याणपुर, प्रवीण जायसवाल नवादा, रामप्रवेश साव मेराल व दुबे मरहटिया निवासी बृजेश दुबे आदि शामिल है।

जांच अभियान के दौरान पकड़े गये ट्रैक्टर चालक से पूछताछ करते सदर एसडीएम।

दुर्घटनाओं की जांच होगी

एसडीएम ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन से जुड़े संगठित अपराधियों का मनोबल तोड़ने के लिए सख्ती की जा रही है। इनके अवैध वाहनों से होने वाले किसी भी दुर्घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच वे अपने स्तर से खुद करेंगे।

एक रुपये में करायें रबी की फसल का बीमा : राजकुमार

मेराल (आजाद सिपाही)। प्रखंड परिसर में बुधवार को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना करने को लेकर एचडीएफसी बैंक की ओर से जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को शाखा समन्वयक राजकुमार साह की ओर से गेहूं, सरसों, चना आलू फसल का बीमा करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि ऋणि एवं गैर ऋणि किसान एक रुपया का टोकन देकर बीमा करा सकते हैं। इस अवसर पर किसानों को आधार कार्ड, बैंक पासबुक की छाया प्रति, भूमि स्वामित्व संबंधित प्रमाण पत्र, बटाई प्रमाण पत्र, फसल बुवाई प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर के साथ फसल बीमा करने आदि जानकारी दी गयी। उन्होंने बताया कि 31 दिसंबर तक बीमा की अंतिम तिथि निर्धारित है। इस अवसर पर प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी रामनाथ चौधरी, बीटीएम प्रवीण कुमार मिश्रा, 20 सूत्री प्रखंड अध्यक्ष शंभू प्रसाद, किसान मित्र वीरेंद्र महतो, रामाशंकर चौबे, चंदेश्वर राम सहित कई किसान थे।

एसडीएम ने फुटवियर व्यवसायियों के साथ किया संवाद, सुनी समस्याएं

गढ़वा (आजाद सिपाही)। सदर एसडीएम के नियमित साप्ताहिक संवाद 'कॉफी विद एसडीएम' के तहत बुधवार को अनुमंडल क्षेत्र के फुटवियर (जूता-चप्पल व्यवसाय से जुड़े) डीलरों, उद्यमियों एवं दुकानदारों के साथ संवाद किया गया। इस दौरान व्यवसायियों ने स्थानीय बाजारों में दुकान संचालन, फुटपाथ अतिक्रमण, भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में आने वाली चुनौतियों एवं व्यापारिक गतिविधियों से जुड़ी व्यावहारिक समस्याओं को एसडीएम के सामने रखा। एसडीएम ने सभी मुद्दों को गंभीरता से सुनते हुए नागरिक सुविधाओं को सुचारू रखने, बाजार क्षेत्रों में बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा प्रशासन-व्यवसायी समन्वय को मजबूत करने पर जोर दिया। कहा कि प्रशासन का उद्देश्य स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहित करना, सुरक्षित एवं स्वच्छ बाजार वातावरण विकसित करना तथा संवाद के माध्यम से साझा समाधान निकालना है। कार्यक्रम के दौरान व्यापारी हित, लाइसेंसिंग, पार्किंग, सफाई व्यवस्था, सुरक्षा और फुटपाथ प्रबंधन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में पहुंचे ट्रेडर्स ने सामाजिक प्रशासनिक समन्वय से चल रही संवेदनशील पहल 'आइये खुशियां बांटें' की प्रशंसा करते हुए इस अभियान में अपनी भागीदारी की पेशकश की। व्यवसायियों ने कहा कि वे लोग भी इस मुहिम के तहत जरूरतमंदों तक जूता और चप्पल आदि पहुंचाना चाहते हैं। एसडीएम ने उपस्थित सभी व्यापारियों, होलसेलरों एवं ट्रेड प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी सहभागिता से न केवल सामाजिक संवेदनशीलता का माहौल बनता है, बल्कि प्रशासनिक-सामाजिक समन्वय भी मजबूत होती है। बैठक में जामिया फुटवियर के प्रोपराइटर मोहम्मद मिशब उल हक, समाजसेवी राकेश पाल, गरीब नवाज शू स्टोर के प्रोपराइटर मोहम्मद इरफान, मोहम्मद अहसान, मोहम्मद अरमान, अजहरुद्दीन आदि आदि मौजूद रहे।

अवैध गिट्टी और बालू खनन के खिलाफ दो स्थानों पर छापामारी

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। श्रीबंशीधर नगर एसडीओ प्रभाकर मिर्धा ने बुधवार को थाना प्रभारी रजनी रंजन के साथ संयुक्त रूप से दो जगहों पर छापामारी अभियान चला कर अवैध गिट्टी और बालू खनन एवं जमाखोरी पर बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन को लंबे समय से सूचना मिल रही थी कि क्षेत्र में अवैध रूप से बालू और गिट्टी का बाहर से लाकर स्टॉक कर ट्रैक्टरों के माध्यम से अलग-अलग स्थानों पर बेचा जा रहा है। इसी सूचना की पुष्टि के बाद एसडीओ ने पुलिस टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाया। छापामारी के दौरान खरौंधी मोड़ के समीप बड़े पैमाने पर अवैध गिट्टी और बालू का स्टॉक पकड़ा गया, जहां बिना किसी लाइसेंस और अनुमति के खनिज जमा कर बेचा जा रहा था। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद स्टॉक को जब्त कर कानूनी प्रक्रिया शुरू की। इसके अलावा एक बालू लदा ट्रैक्टर भी पकड़ा, जिसे तुरंत भवनाथपुर थाना पुलिस को सौंप दिया गया। आगे की कार्रवाई के लिए गढ़वा खनन विभाग को भेज दी गई है। वहीं, कोयला लदे एक ट्रक को भी पकड़ा गया, जहां कोयला से संबंधित कागजात की जांच की जा रही है। अचानक हुई इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध खनन कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। एसडीओ ने स्पष्ट कहा कि शासन के निर्देश पर अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस प्रकार की कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। इस पूरे अभियान में थाना प्रभारी रजनी रंजन, एसआई परवेज आलम, नारायण प्रसाद और दिनेश सिंह सक्रिय रूप से शामिल रहे। प्रशासन ने लोगों से भी अपील की है कि अवैध खनन की जानकारी तुरंत अधिकारियों को दें।

गढ़वा में 15 से खुलेंगे सरकारी धान क्रय केंद्र

सरकारी खरीद से पहले ही विशुनपुरा में धड़ल्ले से बाहर भेजे जा रहे धान

बिचौलियों की बढ़ी सक्रियता, प्रतिदिन दर्जनों ट्रक धान दूसरे राज्यों की ओर हो रहे रवाना

राजू सिंह

विशुनपुरा/गढ़वा (आजाद सिपाही)। झारखंड सरकार ने 15 दिसंबर से पूरे राज्य में 700 से अधिक अधिप्राप्ति केंद्रों पर धान खरीद शुरू करने की घोषणा की है। बावजूद इसके विशुनपुरा प्रखंड में सरकारी क्रय प्रारंभ होने से पहले ही धान की बड़े पैमाने पर निकासी शुरू हो गई है। ग्रामीणों और किसानों की मानें, तो बिचौलियों की सक्रियता इन दिनों अचानक बढ़ गई है। आरोप है कि प्रतिदिन दर्जनों ट्रक भरकर धान औने-पौने दाम पर खरीदकर दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है। इसका सीधा नुकसान किसानों को हो रहा है, जिन्हें सरकार की ओर से निर्धारित 2450 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य मिलने से पहले ही मजबूरी में बेचने को विवश होना पड़ रहा है। किसानों ने कहा कि अगर प्रशासन तत्काल सख्त व्यवस्था नहीं करता है, तो सरकारी क्रय केंद्र खुलने से पहले ही क्षेत्र का अधिकांश धान बाहर चला जाएगा। किसानों ने ट्रकों की जांच, बिचौलियों पर रोक और क्रय केंद्रों को समय से चालू करने की मांग की है। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार की अधिप्राप्ति व्यवस्था जमीन पर मजबूत रूप से लागू हो, ताकि किसान वाजिब दाम पा सकें और बिचौलियों के शोषण से बचें। इस बाबत सीओ खगेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा की इसकी जांच की जाएगी। इसके बाद आगे की कार्रवाई होगी।

टांगी से काटकर शराबी पति ने की पत्नी की हत्या

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार/गढ़वा। जिले के केतार थाना अंतर्गत अंजनिया गांव में मंगलवार की देर रात शराबी पति द्वारा अपनी पत्नी की टांगी से काटकर हत्या करने के बाद फरार होने का मामला सामने आया है। मृतका की पहचान तेतरी देवी (50) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार तेतरी देवी की लड़की का कुछ दिन पहले ही भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल में प्रसव हुआ था। हालांकि बच्चे का जन्म प्रमाण नहीं बन पाया था। जन्म प्रमाणपत्र बनवाने के लिए कई बार सामुदायिक अस्पताल का तेतरी लगातार चक्कर लगा रही थी। सोमवार को सामुदायिक अस्पताल में एक बार फिर गयी थी, लेकिन विभाग की उदासीन रवैया के चलते फिर एक बार तेतरी के नाती का जन्म प्रमाणपत्र नहीं बन पाया। वहां देर हो जाने पर तेतरी अपने मायके बेलपहाड़ी में ही रात में रुक गई। इसी बीच उसका पति सुरेश साह ने पत्नी तेतरी के मोबाइल पर फोन कर मायके में रुकने पर गाली गलौज करते हुए घर नहीं आने की धमकी दी। इस पर तेतरी रोने लगी और मंगलवार को अपने भाई-भतीजे को साथ लेकर अंजनिया गांव पहुंची। महिला के भाई-भतीजे ने सुरेश साह से बातचीत कर तेतरी को वहां छोड़ अपने घर चले गए। तब माहौल एकदम शांत था। इसके बाद खाना खाकर तेतरी अपने नातिन के साथ चारपाई पर सोई हुई थी। इसी बीच रात करीब 12 बजे उसका पति उसके पास पहुंचा और सोयी हुई पत्नी पर टांगी से ताबड़तोड़ कर वाई कर दिया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गयी। कुछ देर बाद घर के अन्य लोगों ने खून से सना शव पाया। आसपास के लोगों ने बताया कि सुरेश शराब के नशे में धुत था। उधर, घटना की सूचना पाकर थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी दल बल के साथ मौके पर पहुंच गये। शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी सुरेश की तलाश में है। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

डुमरसोता में ठंड से वृद्धा की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरपुर। ओपी क्षेत्र के डुमरसोता गांव में गरीबी और बीमारी से जूझ रही कांति देवी नामक वृद्ध महिला की ठंड लगने से मंगलवार की देर रात मौत हो गई। कांति देवी लंबे समय से बीमार थी। परिजन कुछ दिनों पहले ही विश्रामपुर स्थित चंद्रवंशी अस्पताल में भर्ती कराये थे, जहां एक दिन इलाज के बाद डॉक्टरों ने बेहतर उपचार के लिए बड़े अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। पर आर्थिक तंगी के कारण परिवार उन्हें बड़ा अस्पताल नहीं ले जा सका। बतातें चलें कि कांति देवी के पति मदन मोहन मिश्रा का पहले ही निधन हो चुका है। कांति अपने पीछे दो बेटा और तीन बेटियों सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गईं। हालांकि विडंबना है कि बड़ा बेटा शंकर मिश्रा हाल ही में सड़क दुर्घटना में घायल हो गया है। उसका इलाज भी विश्रामपुर में ही चल रहा है। यही कारण है कि वह मां के अंतिम संस्कार में भी शामिल नहीं हो सका। उधर, मृतका के छोटे बेटे अवधेश मिश्रा ने मुखाग्नि दी। उधर, ग्रामीणों ने प्रशासन से तुरंत कल्याण कोष एवं आपदा मद से आर्थिक सहयोग, आवश्यक खाद्यान्न उपलब्ध कराने और घायल पुत्र का उपचार मुख्यमंत्री स्वास्थ्य कोष से करवाने की मांग की है। उधर, कांति देवी के मौत की सूचना मिलते ही भाजपा किसान मोर्चा के सदस्य रामलाला दुबे, मंडल अध्यक्ष विनोद बिहारी दुबे और शशि रंजन दुबे मौके पर पहुंची और परिवार से मिलकर संवेदना व्यक्त की।

मृतक कांति देवी की फाइल फोटो।

Government of Jharkhand
Directorate of Food & Consumer Affairs
3rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Ranchi -834002

Letter No.-kha.up.ni.-24/chini-01/25-2012 Date : 09-12-2025

Tender Cancellation Notice

Tender Reference No. Kha.Up.Ni.-24/Chini-01/25-1753 Dated:17-10-2025 (GeM Bid No.–GEM/2025/B/6804921 Dt. 17-10-2025) for supply of Free Flow White Crystal Sugar (Grade-S-30/M-30) (As per FSSAI Notms) for 1st Quarter (April 2025 to March 2025) of Financial Year 2025-26 through e-Tender Followed by e-Reverse Auction on Gem Platform with reference to Directorate Letter No. -1755 Dated 17-10-2025 PR No. 364483 is hereby cancelled on account of unavoidable reasons.

Fresh tender will be invited soon.

Sd/-
Director
(Directorate of Food & Consumer Affairs)

PR 368151 Directorate of Food and Consumer Affairs (25-26)_D

कार्यपालक पदाधिकारी का कार्यालय
नगर पंचायत कोडरमा

(तृतीय) अति अल्पकालिन ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या – 14/2025–26 दिनांक 10.12.2025

क्र0 सं0	वार्ड सं0	कार्य का नाम	निविदा की राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
जिला अनाबद्ध निधि						
1	08	Construction of RCC Drain from Godayti Ahar to Approach Nala Near Tiranga Chowk, Under nagar Panchayat Koderma.	3943100.00	79000.00	10000.00	04 माह
A	Date of Publication of Tender on website				12-12-2025 (10:00 AM)	
B	Last Date / Time for receipt bid on online				19-12-2025 (05:00 PM)	
C	Date of opening Tender				20-12-2025 (11:00 AM)	
D	Name & Address of office inviting tender			Executive Officer Nagar Panchayat Koderma		
E	Helpline No.			+91-9229932626		

Note :-
- Only E-Tenders will be accepted.
- Further details can be seen on website- http://jharkhandtenders.gov.in
- E-procurement में Tender Fee एवं EMD की राशि ऑनलाईन सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई–गवर्नेस विभाग, झारखण्ड, रॉची का आदेश ज्ञापांक – 120 दिनांक – 03.10.2023 एवं नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड रॉची का पत्रांक 05/विविध (e-tender)–12/2023/न0वि0–4847 (अनु0) दिनांक – 11.10.2023 के तहत् ली जायेगी।

ह0/–
प्रशासक
नगर पंचायत कोडरमा

PR 368187 Urban Development (25-26)_D

क्रिसमस-नववर्ष के लिए चर्च के आसपास रहेगी कड़ी सुरक्षा, प्रशासन ने की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिले में अपराध पर नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी सादिक अनवर रिजवी की अगुवाई में क्राइम कंट्रोल की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर, मुख्यालय डीएसपी समीर तिर्की, डीएसपी सुधीर साहू, अंचल निरीक्षक सह डीएसपी बनारसी प्रसाद समेत स्थानीय सभी थाना प्रभारी एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान एसपी सादिक अनवर रिजवी ने जिले के सभी थानों में दर्ज लंबित मामलों की समीक्षा किया। कहा किसी भी कांड को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना पुलिस की प्राथमिकता है। महिला उत्पीड़न, हत्या, चोरी, लूट और गृहभेदन समेत अन्य आपराधिक घटनाओं की थानावार समीक्षा कर सभी मामलों में त्वरित कार्रवाई, लंबित वारंटों का निष्पादन तथा फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। महिला उत्पीड़न और एससी-एसटी अधिनियम से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता के साथ शीघ्र कार्रवाई कर पीड़ितों को समय पर न्याय दिलाने पर एसपी ने विशेष जोर दिया। साथ ही जुआ, अवैध शराब और अन्य असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई का भी निर्देश दिया। क्रिसमस और नव वर्ष को लेकर एसपी ने जिले के सभी पिकनिक स्पॉट्स पर सुरक्षा व्यवस्था चौक-चौबंद रखने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त जिले के सभी गिरजाघरों के आसपास भी पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती कर सुरक्षा व्यवस्था को चौक-चौबंद रखने का आदेश दिया। जिससे धार्मिक आयोजनों के दौरान शांति और सौहार्द बना रहे। ठंड व कुहासा के कारण संभावित सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए विशेष वाहन जांच अभियान चलाने तथा मोटर वाहन अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने को कहा गया। वाहन जांच के दौरान ड्रंक एंड ड्राइव, ओवरस्पीडिंग पर रोक, दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट, चारपहिया वाहनों के लिए सीट बेल्ट तथा वाहनों के कागजातों की सघन जांच के निर्देश दिये गये। एसपी ने स्पष्ट किया कि शराब के नशे में वाहन चलाने या पिकनिक स्थलों पर शराब पीकर हुड़दंग मचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जायेगी। एसपी सादिक अनवर रिजवी ने सभी पुलिस पदाधिकारियों से पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कर्तव्य निर्वहन कर जिले में शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाये रखने का आह्वान किया।

वाहन जांच अभियान में 69 हजार जुर्माने की वसूली

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने के उद्देश्य से उपायुक्त लातेहार के निर्देश पर जिला परिवहन विभाग की ओर से विशेष वाहन जांच अभियान चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी उमेश मंडल के नेतृत्व में 10 दिसंबर 2025 को लातेहार दूध फैक्ट्री के पास दुपहिया और ऑटो वाहनों की सघन जांच की गयी। अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 38 वाहनों पर कार्रवाई की गई, जिसमें 32 दुपहिया वाहन और 6 ऑटो वाहन शामिल थे। बिना हेलमेट ड्राइविंग, वाहन कागजात की कमी, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात नियम उल्लंघन के मामलों में चालान काटा गया। कुल 69,650 की दंड राशि वसूली गयी। डीटीओ उमेश मंडल ने कहा कि जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर है। दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे। उन्होंने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि लापरवाही न केवल चालक बल्कि अन्य लोगों की जान के लिए खतरा बनती है।

अविराम कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड नर्सिंग ने लुकईया गांव में कंबल का किया वितरण

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा के हुटाप में कड़ाके की ठंड को देखते हुए अविराम कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड नर्सिंग, हुटाप चंदवा में समाज सेवा की मिसाल पेश करते हुए ग्राम लुकईया में जरूरतमंदों के बीच कंबल का वितरण किया। यह कार्यक्रम कॉलेज के सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय मूल्यों को दर्शाता है। इस अवसर पर कॉलेज की फामेर्सी और नर्सिंग शाखाओं के प्राचार्य विशेष रूप से उपस्थित हो कर उन्होंने अपने हाथों से ग्रामीणों को कंबल प्रदान किये। ठंड से प्रभावित गरीब और असहाय लोगों को राहत पहुंचाना ही मानवीय धर्म है। इस अवसर पर अविराम कॉलेज ऑफ फामेर्सी और नर्सिंग के प्राचार्य एवं अन्य स्टाफ कॉलेज प्रबंधन ने इस पहल पर कहा कि वे भविष्य में भी इस प्रकार के सामाजिक कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेते रहेंगे।

पीडीएस डीलरों के बीच 4जी पॉस मशीन का वितरण

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। राशन वितरण प्रणाली को अधिक पारदर्शी और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से बुधवार को प्रखंड कार्यालय सभागार में जन वितरण प्रणाली केंद्रों के संचालकों के बीच उन्नत 4जी इ-पॉस मशीन का वितरण किया गया। यह वितरण जिले के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर किया गया। कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर, प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज, विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू, बीस सूत्री अध्यक्ष प्रेम सिंह पिंटू, उप प्रमुख वीरेंद्र जायसवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।मशीनें देने के बाद प्रशिक्षण दल द्वारा सभी डीलरों को मशीन के संचालन से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। संबोधन में जिला परिषद सदस्य संतोषी शेखर ने कहा कि 4जी इ-पोस मशीन से गरीब परिवारों को उनका पूरा हक का राशन मिल सके, यह सुनिश्चित करना डीलरों और आपूर्ति विभाग दोनों की जिम्मेदारी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी रेशमा रेखा मिंज ने कहा कि यह अत्याधुनिक मशीन राशन वितरण की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाएगी और किसी भी तरह की गड़बड़ी की संभावना समाप्त होगी। विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह नें कहा कि मशीन के माध्यम से वितरण का कार्य सरल हो और पारदर्शिता के साथ हो यह जबाबदेही के साथ काम करना होगा। मौके पर प्रभारी आपूर्ति पदाधिकारी राजेश कुमार, ज्वाला प्रसाद, इकबाल सिंह, भगवान दास, अशोक राम, रोक तिग्गा, कैलाश राम, अजय प्रसाद समेत कई लोग मौजूद थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर की लापरवाही से प्रसूता की मौत

ताला बंद अस्पताल के सामने तड़पती रही महिला

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। 24 घंटे सेवा देने का दावा करने वाले आयुष्मान आरोग्य मंदिर, ग्राम बिंदी के स्वास्थ्यकर्मियों की कथित लापरवाही के कारण एक प्रसूता की मौत हो गयी। घटना सदर प्रखंड के बिंदी पंचायत के ठेकीटार टोला की है, जहां 7 दिसंबर की रात प्रसूता चिरागों देवी गंभीर परसव पीड़ा में तड़पती रही, लेकिन स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं हो सकी। मृतका के पति संदीप उरांव ने बताया कि रात में पत्नी की स्थिति बिगड़ने पर उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर बिंदी की एएनएम लीलावती देवी से फोन पर संपर्क किया। उनके निर्देश पर वे पत्नी को अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन अस्पताल में ताला लगा हुआ मिला। करीब एक घंटे तक

गंभीर पीड़ा में तड़पने के बाद एएनएम सुबह लगभग 4:30 बजे स्कूटी से पहुंची और ताला खोलकर प्रसव कराया। प्रसव के दौरान एक बेटी जन्मी। इसके बाद प्रसूता की हालत बिगड़ने पर एएनएम ने उसे तत्काल सदर अस्पताल लातेहार रेफर किया। यहां घंटे भर चले इलाज के बाद उसे रांची रिम्स भेजा गया, जहां पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले पर लातेहार सिविल सर्जन डॉ रामदास खलखो ने कहा कि घटना गंभीर है। पूरे मामले की जांच करायी जायेगी और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

बालूमाथ में केंद्रीय विद्यालय और अस्पताल खोलने के लिए भूमि आवंटन की मांग

बालूमाथ (आजाद सिपाही)। लातेहार जिला परिषद की उपाध्यक्ष अनीता देवी ने बालूमाथ प्रखंड के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए केंद्रीय विद्यालय एवं अस्पताल की स्थापना को लेकर सीसीएल अधिकारियों से निरंतर संवाद किया है। उनके अनुसार, सीसीएल प्रबंधन बालूमाथ में केंद्रीय विद्यालय और अस्पताल खोलने के लिए पूरी तरह इच्छुक और तैयार है। बशर्ते कि जिला प्रशासन द्वारा उपयुक्त भूमि उपलब्ध करा दी जाये। बालूमाथ क्षेत्र में कई कोलियरी परियोजनाएं संचालित हैं। जिनमें कार्यरत कर्मचारियों के परिवारों सहित स्थानीय ग्रामीण और विस्थापित आबादी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। उपाध्यक्ष अनीता देवी ने उपायुक्त को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शीघ्र भूमि चिन्हांकन एवं हस्तांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ की जाये

उपायुक्त ने मनिका में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की, स्कूलों का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

मनिका/ लातेहार। लातेहार जिला के उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने मनिका प्रखंड का व्यापक दौरा कर विभिन्न विकासात्मक योजनाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों का स्थल निरीक्षण किया। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य योजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और पारदर्शिता की वास्तविक स्थिति का आकलन करना था। सबसे पहले उपायुक्त ने कस्तूरबा विद्यालय मनिका, आरके +2 विद्यालय एवं राजकीयकृत +2 विद्यालय में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने परिसर की स्वच्छता, आवास प्रणाली, भोजन व्यवस्था, विद्युत, जल आपूर्ति और स्वच्छ शौचालय की स्थिति का गहन मूल्यांकन किया। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को निर्देश दिया कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुरक्षित वातावरण और स्वच्छ परिसर सुनिश्चित हों। मिड-डे मील की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और नियमित निगरानी रखने का निर्देश भी दिया गया। उपायुक्त ने विद्यालयों के विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और आईसीटी लैब का निरीक्षण करते हुए उपलब्ध संसाधनों की गुणवत्ता और उपयोग की स्थिति की जानकारी ली। संबंधित पदाधिकारियों को शिक्षा वातावरण को और प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए गए। इसके बाद उन्होंने मनिका प्रखंड अंतर्गत आम बागवानी, अबुआ आवास योजना सहित अन्य संचालित विकास योजनाओं का निरीक्षण किया। लंबित योजनाओं में तेजी लाने के लिए प्रखंड विकास पदाधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि योजना क्रियान्वयन में किसी भी तरह की वित्तीय अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जायेगी। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने मनिका लैंप्स का भी दौरा किया और संस्थान की गतिविधियों, कार्यप्रणाली तथा संसाधनों की उपलब्धता का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक प्रभात रंजन चौधरी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

डालसा ने स्कूलों में बच्चों को मूलभूत अधिकारों की दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। झालसा रांची के निदेर्शानुसार एवं पीडेजे सह डालसा अध्यक्ष राजकमल मिश्रा और डालसा सचिव राजेश कुमार के निर्देश पर लोहरदगा के विभिन्न विधालयों में बुधवार को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्कूली विधार्थियों को मूलभूत अधिकार के बारे में जानकारी दी गयी। जिसमें बताया गया कि मानवधिकार के खिलाफ आवाज उठाना और न्याय के लिए प्रेरित करना है। साथ ही मानवाधिकार दिवस के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गयी। इस मौके पर गुरूकुल शांति आश्रम में पीएलवी गौतम लेनिन ने कहा कि से जन्म से ही व्यक्ति को मूलभूत अधिकार होता हैं जिसमें स्वतंत्रता, जीवन, शिक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता शामिल है। मौके पर मानवधिकार दिवस क्यों मनाया जाता है इसके बारे में भी जानकारी दी गयी और बताया गया कि 10 दिसम्बर 1948 को सयुंक्त राष्ट्र महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। इस मौके पर झारखंड प्रशासनिक सेवा सेवानिवृत पदाधिकारी बालकिशोर शाहदेव उपस्थित थे। मौके पर बच्चों के शिक्षण समाग्री का वितरण किया गया। बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्व मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाता है और यह दिन मानवाधिकारों की रक्षा और जागरूकता बढ़ाने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। विश्व मानवाधिकार के उद्देश्यों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि हमें समानता, स्वतंत्रता और मानव गरिमा को बढ़ावा देना। मानवाधिकारों के उल्लंघन के खिलाफ आवाज उठाना और जागरूकता फैलाना।

औराटोली में जर्जर स्कूल में बच्चे पढ़ने को मजबूर, ग्रामीणों में रोष

महुआडांड़ (आजाद सिपाही)। महुआडांड़ प्रखंड के औराटोली गांव का प्राथमिक विद्यालय पूरी तरह जर्जर स्थिति में है और किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है। दीवारों में दरारें, कमजोर छत और गिरता प्लास्टर बच्चों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुके हैं। असुरक्षित कक्षाओं के कारण बच्चों को खुले बरामदे में पढ़ना पड़ रहा है, जहां मौसम से बचाव का कोई इंतजाम नहीं। बरसात में कक्षाओं में पानी टपकने और फर्श पर कीचड़ जमने से स्थिति और खराब हो जाती है। किचन शेड भी खतरनाक हो चुका है, जिससे मध्यान्ह भोजन योजना प्रभावित हो रही है। प्राचार्य के अनुसार दो वर्षों से मरम्मत प्रस्ताव अधिकारियों के पास लंबित हैं। अभिभावक नाराज हैं कि बच्चे आज भी जोखिम उठाकर पढ़ने को मजबूर हैं।

क्रिकेट टूर्नामेंट में डोरंडा और गोस्सनर कॉलेज की शानदार जीत

तीसरे दिन के मैच में परमजीत होरा और विशाल बने 'मैन ऑफ द मैच'

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। बलदेव साहू महाविद्यालय में रांची विश्वविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित पांच दिवसीय अंतर महाविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का तीसरा दिन बेहद रोमांचक रहा, जहां कुल दो मुकाबले खेले गये। यह प्रतियोगिता 12 दिसंबर तक जारी रहेगी। दिन का पहला मैच पीपीके महाविद्यालय, बुंडू और डोरंडा महाविद्यालय, रांची के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डोरंडा महाविद्यालय की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 159 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। परमजीत सिंह होरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मात्र 34 गेंदों पर 51 रन बनाये, जबकि युवराज सिंह ने 27 गेंदों पर 35 रन का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए पीपीके महाविद्यालय, बुंडू की टीम 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 138 रन ही बना सकी और 21 रनों से मैच हार गयी। बुंडू की ओर से जयकुमार सिंह ने 43 गेंदों पर 42 रन बनाये, लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये। डोरंडा के मुन्ना सेठ ने किफायती गेंदबाजी करते हुए 21 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं, बुंडू के परमेश्वर महतो ने भी 32 रन देकर 3 विकेट झटके। शानदार अर्धशतक के लिए डोरंडा महाविद्यालय के परमजीत सिंह होरा को दिया गया। दूसरा मैच मारवाड़ी महाविद्यालय और गोस्सनर महाविद्यालय के बीच खेला गया। मारवाड़ी महाविद्यालय की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में सभी 10 विकेट खोकर 144 रन का लक्ष्य दिया। साद ने सर्वाधिक 34 गेंदों में 46 रन बनाए, और प्रणव चौधरी ने 22 गेंदों पर 34 रन का अहम योगदान दिया। गोस्सनर महाविद्यालय की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 18.4 ओवर में ही 4 विकेट खोकर 148 रन बनाकर जीत दर्ज की। गोस्सनर की ओर से विशाल ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 21 गेंदों पर 42 रन बनाकर टीम को जीत दिलायी। जीत के नायक गोस्सनर महाविद्यालय के विशाल को चुना गया। मैच के दौरान रांची विश्वविद्यालय के क्रिकेट चयन समिति के सदस्य चंचल भट्टाचार्य, लोहरदगा क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव आलोक राय, बलदेव साहू महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शशि कुमार गुप्ता, खेल प्रभारी प्रो आनंद मांझी, पीटीआइ सोनू बड़ाईक सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक और शिक्षकेतर कर्मी मौजूद रहे।

जय श्री राम समिति में आंतरिक कलह, जिलाध्यक्ष सुनील ने 'साजिश' रचने वालों पर साधा निशाना

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जय श्री राम समिति, लोहरदगा के जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने संगठन के भीतर चल रही आंतरिक उठापटक और अनुशासनहीनता को लेकर एक कड़ा वक्तव्य जारी किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ असंतुष्ट लोग, जिन्हें संगठन विस्तार में व्यक्तिगत लाभ नहीं मिल सका, वे अब नकारात्मक माहौल बनाने और समानांतर गतिविधियां चलाकर संगठन की छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। अग्रवाल ने खुलासा किया कि अध्यक्ष, सचिव और वरिष्ठ पदाधिकारियों की जानकारी के बिना ही कार्यालय में एक 'कोर कमेटी' बनाकर सदस्यों को भ्रमित किया जा रहा है। उन्होंने ऐसे तत्वों पर सीधा आरोप लगाया कि वे अध्यक्ष और सचिव को हटाने की मंशा से गलत नाम से बायोलॉज बना रहे हैं और समिति को 'जाली' बनाने की हद तक जा चुके हैं। जिला अध्यक्ष ने बल देते हुए कहा, ररसमिति सेवा और पारदर्शिता के सिद्धांतों पर चलती है, न कि पॉकिट मनी या स्वार्थ पर। ऐसे व्यवहार से न हमारी टीम का मनोबल टूटेगा और न ही हमारे सेवा कार्य रुकेंगे। उन्होंने नगर प्रखंड में भी लोगों को गुमराह कर झूठी बातों पर हस्ताक्षर करवाने की बात कहकर गहरी चिंता व्यक्त की। अग्रवाल ने साफ किया कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से चुने गए पदाधिकारियों का सम्मान करना हर सदस्य का दायित्व है। उन्होंने चेतावनी दी कि अध्यक्ष और सचिव को जानकारी दिए बिना कोई भी कार्य करना अनुचित और अनुशासन के विरुद्ध है, जो संगठन की एकता पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा, किसी भी प्रकार की गलत गतिविधि या भ्रम फैलाने वालों पर उचित कार्रवाई की जायेगी। अध्यक्ष ने समय रहते इन तत्वों से अपना सुधार कर लेने और संगठन के कार्यों में बाधा न डालने की अपील की है। अंत में, उन्होंने सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों और सदस्यों से एकजुट होकर सकारात्मक वातावरण बनाए रखने का आह्वान किया, ताकि समिति अपने वास्तविक लक्ष्य और जन सेवा के कार्यों पर केंद्रित रह सके।

भंडरा में वेक्टर जनित रोगों पर नियंत्रण के लिए सहिया और एएनएम को मिला प्रशिक्षण

भंडरा (आजाद सिपाही)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) भंडरा के सभागार में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी संजय कुमार की अध्यक्षता में राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम पर एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षेत्र की सभी सहिया और एएनएम कार्यकर्ताओं के लिए था। एमटीएस इंचार्ज ने प्रशिक्षण के दौरान कार्यकर्ताओं को मलेरिया की रोकथाम और ग्रामीणों को जागरूक करने के महत्व को समझाया। सहियाओं को निर्देश दिये गये कि वे बुखार से पीड़ित रोगियों का रक्त नमूना 24 घंटे के भीतर जांच के लिए लैब भेजें। उन्हें मौके पर ही रक्त नमूना लेने की सही विधि भी सिखायी गयी। एएनएम कार्यकर्ताओं को जांच किये गये सभी रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट रोगियों का रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी दी गयी। फाइलेरिया उन्मूलन लक्ष्य 2026 को ध्यान में रखते हुए, सभी सहियाओं को एक विशेष फाइलेरिया रजिस्टर तैयार करने का निर्देश दिया गया, ताकि कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके। सभी एएनएम को फाइलेरिया रोगियों के लिए आवश्यक एक्सरसाइज (व्यायाम) की विधि बतायी गयी। उन्हें प्रोत्साहित किया गया कि वे अपने सेंटर में भी योगा दिवस के अवसर पर इन अभ्यासों का आयोजन करायें। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम में रामकुमार महतो, राजेश्वर, ताजे उरांव, सुनीता कुजूर, नीता लकड़ा, सुमंती कुमारी, रुकैया, बिमल सहित कई स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित थे।

जेएनवी चयन प्रवेश परीक्षा की तैयारी को लेकर केंद्राधीक्षकों की बैठक

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत जिला के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में बुधवार को चयन प्रवेश परीक्षा 2026 का सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिये जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देशानुसार प्रभारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजीव रंजन की अध्यक्षता में सभी केंद्रधीक्षकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गयी। आयोजित बैठक में जिले के चयनित सभी परीक्षा केंद्रों के केंद्राधीक्षक तथा सभी प्रखंड के प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी भी मौजूद थे। वही बैठक में परीक्षा को सुचारु,पारदर्शी एवं निष्पक्ष संचालन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किया गया। साथ परीक्षा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षार्थियों की सुविधा, परीक्षा केंद्र में परीक्षार्थियों के ससमय प्रवेश, उत्तर पुस्तिकाओं का वितरण एवं संकलन और अनुशासन एवं आपात प्रबंधन से संबंधित बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य अवनीश चंद्र झा द्वारा सभी केंद्रधीक्षकों से परीक्षा संचालन में निर्धारित नियमों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने के लिये किया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि पारदर्शी, त्रुटिरहित और निष्पक्ष परीक्षा संचालन कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक के उपरांत सभी केंद्राधीक्षकों ने समन्वय बनाकर परीक्षा को सफल बनाने का संकल्प लिया। वही बैठक में पीपीटी के माध्यम से सभी शिक्षक धनंजय कुमार, अरविंद कुमार और पवन कुमार के द्वारा सभी केंद्राधीक्षकों को पीपीटी के माध्यम से परीक्षा के सम्बंध में पूरी जानकारी दी गयी। बैठक में प्रभारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजीव रंजन,प्रचार्य अवनीश चन्द्र झा,बीपीओ सेन्हा प्रकाश रजन के अलावे सभी प्रखंड के बीपीओ और केंद्राधीक्षक उपस्थित थे।

जय श्रीराम समिति के नेतृत्व में जगन्नाथ मंदिर में भव्य महाआरती

जगन्नाथ मंदिर में महाआरती का आयोजन

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जय श्रीराम समिति के नेतृत्व में तिवारी दुरा स्थित जगन्नाथ मंदिर में भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। इस धार्मिक कार्यक्रम में कड़ाके की ठंड के बावजूद सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष और बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत कोर कमेटी सदस्य शैलेश कुशवाहा, सुषमा सिंह, अजय सोनी, ओम महतो, महिला जिला अध्यक्ष इंदिरा प्रधान और नगर अध्यक्ष दीपक साहू ने सामूहिक रूप से आरती कर की। पुरोहित देवनारायण पांडे ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ करवाया, जिसमें सभी भक्तों ने एक साथ भाग लिया। इसके उपरांत हनुमान जी, जगन्नाथ महाप्रभु जी और महादेव जी की पारंपरिक ढंग से आरती की गयी। आरती के बाद सभी भक्तों के बीच भोग का वितरण किया गया। शैलेश कुशवाहा ने कहा कि अत्यधिक ठंड होने के बावजूद महाआरती में सैकड़ों लोगों का शामिल होना सनातन धर्म के प्रति उनकी गहरी उत्सुकता और आस्था को दर्शाता है। ओम महतो ने बताया कि समिति का प्रयास है कि इस महाआरती के माध्यम से सनातन समाज में जागृति लायी जा सके। इंदिरा प्रधान ने प्रसाद वितरण के दौरान लगी लंबी कतारों का उल्लेख करते हुए कहा, प्रसाद पाने के बाद लोगों की खुशी हर किसी के चेहरे में दिख रही थी।

हुसैनाबाद हड़ही नदी से नवजात का शव बरामद जांच में जुटी पुलिस

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है, इंसानियत फिर शर्मसार हो गयी है, हुसैनाबाद नगर पंचायत अंतर्गत हड़ही नदी पंपू कुआँ के पास से एक नवजात अज्ञात शिशु का शव बरामद किया गया। इस घटना ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ स्थानीय लड़के नदी में मछली पकड़ रहे थे। तभी उनकी नजर एक झोले पर पड़ी, उन्होंने झोले को बाहर निकाला और खोला, तो उसके अंदर एक नवजात शिशु का शव मिला। इसके बाद उन्होंने तुरंत इसकी सूचना स्थानीय लोगों और पुलिस को दी। सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू चौधरी के निर्देश पर पुलिस दल मौके पर पहुंचा और शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी मिलते ही अंचल अधिकारी पंकज कुमार भी स्थल पर पहुंचे और पूरी स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने नवजात के शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। वहीं, यह पता लगाने के लिए जांच की जा रही है कि बच्चा किसका था और उसे नदी में किसने फेंका।

जिले में धान खरीद की तैयारी पूरी, किसानों को मिलेगी बड़ी सुविधा

42 पैक्स केंद्रों पर होगी खरीद 48 घंटे में भुगतान का प्रावधान

किसानों से बोनस सहित 2450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा जायेगा

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा ने बताया कि जिले में धान खरीद को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस वर्ष कुल 42 पैक्स केंद्रों का चयन किया गया है, ताकि किसान अपने नजदीकी केंद्र पर धान बेच सकें और लंबी दूरी तय न करनी पड़े।

उपायुक्त ने बताया कि धान की सुचारू ढुलाई, मिलिंग एवं सीएमआर की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी पैक्सों को पांच राइस मिलों से टैग किया गया है। निर्देश दिया गया है कि पैक्स को उनके नजदीकी मिल से ही जोड़ा जाये, जिससे परिवहन में किसी प्रकार की समस्या न हो। धान खरीद के लिए इस वर्ष 48.60 करोड़ रुपये की स्वीकृति प्रदान की गयी है। किसानों से बोनस सहित 2450 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा जायेगा। किसानों के लिए भुगतान की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है।

48 घंटे के भीतर 100 प्रतिशत भुगतान

पहले किसानों को 24 घंटे बाद आधा भुगतान और चावल रिसीव होने के बाद शेष राशि दी जाती थी, जिससे कई किसान मजबूर होकर अपना धान खुले बाजार में कम दाम पर बेच देते थे। अब सरकार के नये प्रावधान के अनुसार, धान प्राप्ति के 48 घंटे के भीतर पूरा भुगतान किसान के खाते में भेज दिया जायेगा, ताकि किसान समय पर रवि फसल की बुआई कर सकें।

प्रखंडवार पैक्स केंद्रों की सूची

देवीपुर प्रखंड, टटकियो, घोबाना, अमडीहा, सोनारायठाढ़ी प्रखंड, जरका-1, जरका-2, सोनारायठाढ़ी, ब्रह्मोतरा, दोंदिया, सारवां प्रखंड, सारवां, रक्ति, नारंगी, जियाखाड़ा, देवघर प्रखंड, गिधनी, मानिकपुर, बसवरिया, मोहनपुर प्रखंड, घुटियाबड़ा असहना, बलथर, हरकट्टा, बारा, पोस्तवारी, रढ़िया, मधुपुर प्रखंड, गड़िया, उदयपुरा, गोविंदपुर, सारठ प्रखंड, बड़बाद, मंझलाडीह, सधरिया, ठाढ़ी, करौं प्रखंड, सिरसा, टेकरा, बधनाडीह, मारगोमुंडा, प्रखंड, पिपरा, पंदनियां, रामपुर, पालोजोरी, प्रखंड, बरजोरी, जमुआ, सगराजौर, खागा, बगदाहा, मटियारा, बांधडीह, कांकी आदि है।

पांकी पुलिस ने किया नकली विदेशी शराब का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

पांकी(पलामू)। पांकी थाना क्षेत्र मे बुधवार को पांकी पुलिस ने छपामारी कर अवैध विदेशी नकली शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। छपामारी के दौरान भारी मात्रा मे विदेशी शराब बरामद करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरसात मे भेज दिया गया।

लेस्लीगंज एसडीपीओ मनोज कुमार झा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि पलामू एसपी के निर्देश पर छपामारी दल का गठन किया गया। जिसमें पांकी बलियारी जाने वाले रास्ते मे सफेद रंग के कार को शक के आधार पर रोका गया और वाहन की तलाशी लिया गया तो 28 पेटी ओल्ड मॉक और थ्री एक्स रम पाया गया। उक्त वाहन मे सवार आरिफ अंसारी उर्फ गोल्डन पिता रियाज अंसारी, एजाज आलम पिता सादिक खलीफा दोनों ग्राम पांकी बंगलाडीह पूछताछ के क्रम मे दोनों व्यक्तियों ने बताया कि शराब सालमदीरी के ऐनवा मैंनवा से लोड कर ला रहे है। जिसे बिहार में ले जाकर बेचते हैं। शराब बनाने की फैक्ट्री जिसका संचालन निर्मल यादव पिता वंशी यादव ग्राम सालमदीरी राहुल प्रसाद उर्फ राहुल कुमार पिता बिरेन्द्र प्रसाद ग्राम बरवैया थाना मनिका जिला लातेहार, सुनील प्रसाद पिता अकलू साव ग्राम महूलिया थाना नावाजयपुर जिला पलामू द्वारा किया जाता है। जिसे पकड़ाये गये निशानदेही पर छापामारी कर अनेको कंपनी का नकली शराब स्प्रिट केमिकल और शराब बनाने वाली अन्य सामग्री बरामद कर गिरफ्तार व्यक्तियों को न्यायिक हिरासत में मेदिनीनगर भेज दिया गया।

छापमारी दल में एसडीपीओ मनोज कुमार झा, पुलिस निरीक्षक पूनम टोप्पो, थाना प्रभारी राजेश रंजन, पुअनि आशुतोष रजक, श्याम भगत, रविंद्र राहुल राय, श्याम भगत, अनूप टोपनो, गोपाल कुमार राय, प्रमोद कुमार राय, इंद्रदेव पासवान सहित जवान शामिल थे।

देवघर में सड़क हादसा, आलोक कुमार की मौत, परिवार ने साज़िश का लगाया आरोप

मृतक आलोक का फाइल फोटो।

देवघर (आजाद सिपाही)। नगर थाना क्षेत्र के मॉडर्न पब्लिक स्कूल के पास मंगलवार देर रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें स्कूल परिसर में रहने वाले आलोक कुमार की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार, आलोक रात में किसी कार्य से बाहर निकले थे और गेट खुलने का इंतजार कर रहे थे, तभी तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार लगभग 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अनियंत्रित होकर करीब 40 फीट दूर तक उछली और सीधे आलोक को कुचल दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि गेट, स्कूल की दीवार और बिजली का पोल भी टूट गया। गंभीर रूप से घायल आलोक को तुरंत निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयी। मृतक के भाई और भाजपा नेता आशुतोष कुमार ने इसे साधारण हादसा मानने से इंकार करते हुए साज़िश का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि कार सवार लोग मेहर गार्डन से पार्टी कर लौट रहे थे और घटना के बाद एक झामुमो नेता मौके पर पहुंचकर कार हटाने का प्रयास कर रहा था, साथ ही परिवार को धमकी भी दी गयी। परिजनों का दावा है कि उनके पास सीसीटीवी फुटेज मौजूद है, जिसमें कई महत्वपूर्ण तथ्य दर्ज हैं। उधर, पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। शव को देवघर सदर अस्पताल भेजा गया है, जहां पोस्टमार्टम की प्रक्रिया जारी है और परिजनों व स्थानीय लोगों की भारी भीड़ उमड़ी है।

हुसैनाबाद में प्रखंड विकास समिति की बैठक में प्रमुख ने विकास योजनाओं पर की चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद । हुसैनाबाद प्रखंड कार्यालय के सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास समिति की बैठक आयोजित की गयी। इसकी अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने की। संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने किया। इस बैठक में पंचायत समिति सदस्य के अलावा कई विभाग के कर्मी व पदाधिकारी मौजूद थे। इसमें प्रखंड में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। मनरेगा, पंचायती राज्य विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य विकास योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। बैठक में सांसद प्रतिनिधि अखिलेश्वर मेहता ने अगलगी से पीड़ित किसान को

बीडीसी की बैठक में उपस्थित प्रखंड प्रमुख, पदाधिकारी और अन्य।

विभागीय मुआवजा देने का प्रस्ताव दिया, वहीं देवरी कला के पंसस अजित कुमार सिंह ने देवरी कला से जपला तक 11 हजार केवी के तार में सेफ्टी कवर लगाने का मामला उठाया। मनरेगा विभाग के समीक्षा के क्रम में बीपीओ को जल्द से जल्द पूर्ण आवास में भुगतान करने का निर्देश दिया गया।

मौके पर प्रखंड प्रमुख राजकुमारी देवी ने बताया कि बीडीसी की आयोजित बैठक में पंचायत स्तर पर हो रहे संचालित विकास योजनाओं की समीक्षा की गयी। उन्होंने कहा कि पदाधिकारियों को सकारात्मक सोच के साथ विकास योजनाओं को गति देने की जरूरत है। मौके पर अंचलाधिकारी पंकज कुमार, बिजली एसडीओ रामप्रसाद मेहता, उप प्रमुख इंदु देवी, मुखिया अशोक चौधरी, सरिता कुमारी, श्रवण राम,पंसस अजित कुमार सिंह, राजहंस यादव, प्रदीप पासवान, धनंजय कुमार, प्रखंड कॉर्डिनेटर राजू रंजन, केजीबीवी की शिक्षिका दीपमाला, शारदा भारती समेत विभाग के कई कर्मी और पदाधिकारी मौजूद थे।

अनुमंडल अधिवक्ता संघ का चुनाव कल, तैयारी पूरी

आजाद सिपाही संवाददाता

मधुपुर। अनुमंडल अधिवक्ता संघ, मधुपुर का चुनाव 12 दिसंबर शुक्रवार को होना है। चुनाव में कुल 12 पदों के लिए 23 प्रत्याशी मैदान में हैं। चुनाव पदाधिकारी सतीश चंद्र मंडल, नागेश्वर भैया और पंचम राय द्वारा शांतिपूर्ण चुनाव कराने की पूरी तैयारी किए हुए हैं। अनुमंडल अधिवक्ता संघ, मधुपुर के अध्यक्ष पद के लिए मुरारी प्रसाद सिंह व सुनील कुमार, उपाध्यक्ष पद के लिए विन्देश्वरी प्रसाद शाही व कौशल किशोर दूबे ने दावेदारी की है। महासचिव पद के लिए समीर कुमार यादव व श्याम सुंदर भैया ने दावेदारी जतायी है। संयुक्त सचिव प्रशासन के लिए जितेंद्र

12 पदों के लिए 23 ने की दावेदारी

कुमार और सरोज राम मिश्रा, संयुक्त सचिव पुस्तकालय पद के लिए अनिल कुमार सिंह और संजय कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष पद के लिए छोटेलाल दास और धनंजय प्रसाद शाही, सह कोषाध्यक्ष के लिए अवधेश कुमार ठाकुर और शकील अहमद चुनाव मैदान में है। कार्यकारिणी सदस्य के 5 पद के लिए चंद्र शेखर सिंह, दशरथ प्रसाद पांडेय, गणेश कुमार यादव, मो सोहेल अख्तर अंसारी, मो जिशान अंसारी, राजीव कुमार सिंह, सरोज कुमार कुशवाहा, उमेश प्रसाद शाही और उमेश प्रसाद सिंह ने दावेदारी की है। शुक्रवार को 10.30 बजे से तीन बजे तक मतदान होगा, मतदान के बाद 4.00 बजे से मतगणना पूर्ण होने तक जारी रहेगी।

संघ के 12 पदों के लिए 204 अधिवक्ता मतदाताओं द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इधर चुनाव कमिटी द्वारा चुनाव से संबंधित सभी तरह की तैयारी पूरी करने की बात कही गयी, इससे पूर्व पूरे संघ परिसर की सफाई मधुपुर नगरपरिषद की ओर से आज की गयी, विधि-व्यवस्था के साथ मतगणना कार्य का सीधा प्रसारण प्रोजेक्टर के माध्यम से किया जायेगा और इसके साथ अन्य सभी आवश्यक तैयारी भी करीब-करीब पूर्ण हो चुकी है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन

देवघर (आजाद सिपाही)। बुधवार को परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग, देवघर द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान में आरएल शर्राफ स्कूल के एनसीसी कैडेटों ने सक्रिय भूमिका निभाई और राहगीरों को यातायात नियमों के पालन के प्रति प्रेरित किया। लोगों को दंडित करने के बजाय अधिकारियों और एनसीसी छात्रों ने उन्हें फूल देकर सम्मानपूर्वक जागरूक किया और भविष्य में नियमों का सख्ती से पालन करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि सड़क दुर्घटनाएं अधिकतर लापरवाही की वजह से होती हैं, इसलिए सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करना और यातायात नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है।

अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा विरोधी पखवाड़ा का समापन

मधुपुर (आजाद सिपाही)। स्वयं सेवी संस्था प्रेरणा भारती द्वारा शहर के पथर चपटी मोहल्ला स्थित कार्यालय सभागार आसरा में गत 25 नवंबर से चलाये जा रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला हिंसा विरोधी पखवाड़े का बुधवार को समारोह पूर्वक समापन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित मधुपुर महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या डॉक्टर सुमन लता,अधिवक्ता धनंजय प्रसाद, माया देवी, अरुण निर्झर व प्रतिभागी ग्रामीण महिलाओं ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर डॉ सुमन लता ने कहा कि अधिकार मांगने की नहीं बल्कि आगे बढ़कर लेने की चीज है। आज भारत के संविधान नें महिला पुरुष को बराबरी का दर्जा दिया है। आपको कभी किसी भी प्रकार की दिक्कत हो तो आप 100 या 112 नंबर डायल कर पुलिस की सहायता प्राप्त कर सकती हैं। इसके अलावा महिला कॉलेज की प्राध्यापिका रजनी मुर्मू, मधुपुर महाविद्यालय के प्राध्यापक महेंद्र एक्का, महिला थाना के विकास कुमार तुरी, लीला कुमारी, हेमंत किरण कांसी, सुष्मिता दत्ता, अनुपमा मरांडी आदि ने भी उपस्थित किशोरियों को पढ़ लिखकर सशक्त व स्वावलंबी बनने के लिए प्रेरित किया। गोष्ठी के समापन पर मुनमुन कुमारी, सिमोती मुर्मू व माया देवी के नेतृत्व में महिलाओं और किशोरियों द्वारा एक जागरूकता रैली भी निकल गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में आफताब आलम, वहीद फिरोजी, रुखसार खातून, कविता सोरेन, संतोषी कुमारी, मालोती हेंब्रम, पूजा कुमारी, शिल्पी कुमारी, यासमीन खातून आदि का सहयोग सराहनीय था।

'पढ़े पलामू बढ़े पलामू' को चरितार्थ करता समृद्धि की पाठशाला

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। मिशन समृद्धि संस्था द्वारा संचालित समृद्धि की पाठशाला जो निःशुल्क तो है ही, निःस्वार्थ रूप से संचालित भी होता है। समाज सेवा की भावना जिसमें है, वहीं व्यक्ति इस कार्य को कर सकता है। बच्चे समृद्ध और खुशहाल हो, तभी वह एक अच्छा नागरिक भी बन सकता है। इसके लिए शिक्षा बहुत जरूरी है। सिर्फ शिक्षा ही नहीं इसके साथ साथ नैतिकता का भी ज्ञान जरूरी है। इसके अभाव में व्यक्ति शिक्षित भले हो जाये, लेकिन एक अच्छा नागरिक नहीं बन सकता।

संस्था की अध्यक्ष शीला श्रीवास्तव ने कहा कि समृद्धि की पाठशाला का लक्ष्य ही है समाज और राष्ट्र को एक जिम्मेदार नागरिक सौंपना। इसके लिए आवश्यक है कि बच्चों को जीवन जीने की कला के साथ-साथ उन्हें नैतिक शिक्षा भी दिया जाये, ताकि आगे चलकर यही बच्चे सभ्य सुसंस्कृत और जिम्मेदार नागरिक बन सके। कचरवा टोला में बच्चों को पढाना बहुत बड़ा चैलेंज है क्योंकि उन बच्चों के अभिभावक बहुत सजग नहीं हैं। फिर भी हम सबो को हिम्मत नहीं हारना। जनकपुरी पाठशाला में बच्चों की संख्या घटते बढ़ते रहता है लेकिन यहाँ के बच्चों में पाठशाला आने की ललक बहुत है। यहां के नागरिकों का प्रोत्साहन हमारे लिए बल प्रदान करता है। लेकिन यहां के एक आदरणीय ने बच्चों के लिए पाठ्य और खाद्य सामग्री के लिए जो सहयोग दे रहें हैं उसके लिए हम पूरी टीम उनका आभारी हैं।समाज उनके योगदान को नहीं भूला सकता। इसके अतिरिक्त आरती श्रीवास्तव का भी आर्थिक सहयोग मिलता रहता है। बैजन्ती गुप्ता वीणा राज का सहयोग इस कार्य में उत्कृष्ट है।

पूर्व नपं अध्यक्ष रामेश्वर राम ने नगर प्रशासन पर लगाया मनमानी का आरोप

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। हुसैनाबाद नगर पंचायत में प्रशासनिक व्यवस्था व विकास योजनाओं को लेकर आरोप और नाराजगी का स्वर तेज होता जा रहा है। हुसैनाबाद नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर राम उर्फ छठन ने बुधवार को अपने आवासीय परिसर में प्रेस वार्ता कर हुसैनाबाद नगर पंचायत की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि झारखंड सरकार द्वारा पिछले दो वर्षों से नगर निकाय स्तर पर लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर किया जा रहा है और हुसैनाबाद नगर पंचायत में कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा मनमानी तरीके से निर्णय लिये जा रहे हैं, जिससे आम जनता और व्यवसायिक वर्ग

अनावश्यक परेशानियों का सामना कर रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों को अब तक लंबित किस्तें उपलब्ध नहीं कराई गयी हैं, जिससे लाभुकों में निराशा और रोष है। उन्होंने यह भी सवाल पूछा कि नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति महीने में केवल कुछ दिनों तक ही क्यों होती है, जबकि हजारों परिवारों के लिए जलापूर्ति करने वाला गुलबाग नदी स्थित पंप हाउस लगभग एक वर्ष से बंद पड़ा है।

उन्होंने कहा कि नगर पंचायत कार्यालय में सैकड़ों भवन निर्माण नक्शे काफी समय से लंबित पड़े हैं, फिर भी निर्माण कार्य रोककर लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है, वहीं वार्डों में लंबे समय से बंद पड़े चापाकलों की मरम्मत न होना और बंद पड़ी हाई-मास्क लाइटों की मरम्मति में लापरवाही पर भी उन्होंने सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि जब तक नगर पंचायत प्रशासन लंबित कार्यों को पूरा नहीं करता, तब तक टैक्स वसूली उचित नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रशासन जनता की समस्याओं को समझते हुए तत्परता से कार्रवाई करेगा।

समाजसेवी छोटेलाल गुप्ता के पिता का निधन, शोक

हरिहरगंज/ पलामू (आजाद सिपाही)। अररुआ खुर्द कॉलेज मोड़ निवासी समाजसेवी छोटेलाल गुप्ता के पिता रामनाथ प्रसाद गुप्ता (72) का मंगलवार की रात लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। बुधवार को बनारस में उनका अंतिम दाह संस्कार किया गया। जहां ज्येष्ठ पुत्र निरंजन गुप्ता ने मुखाग्नि दी। श्रद्धांजलि देने वालों में बसपा नेता प्रमोद कुमार रवि, राजद प्रखंड अध्यक्ष महेंद्र यादव, शिक्षक अवधेश यादव, उपेंद्र कुमार, अशोक कुमार यादव, अजय कुमार, अरविंद कुमार, उमा यादव, गोपाल प्रसाद, विजय यादव, मनोज गुप्ता, राजकुमार पासवान, मुन्ना गुप्ता, सोनू गुप्ता, बबलू गुप्ता, राजू कुमार, पंचू यादव, मंटू, संजय, शंकर प्रसाद, वीरेंद्र प्रसाद, उदय प्रसाद गुप्ता, चरितर प्रसाद, कन्हाई, अमित, पवन, दिलीप दास, मंदिप दास सहित कई लोग शामिल रहे।

रामनाथ प्रसाद गुप्ता का अंतिम संस्कार की तैयारी करते परिजन।

जनता दरबार: डीसी ने समाहरणालय सभागार में सुनी आमजनों की समस्याएं, उचित कार्रवाई का दिया भरोसा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी समीरा एस की अध्यक्षता में बुधवार को समाहरणालय सभागार में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को डीसी के समक्ष रखा। पब्लिक की बातों को सुनते हुए डीसी ने मौके पर ही संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवेदनों की प्रति अग्रसारित करते हुए त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई 15 दिनों के भीतर सुनिश्चित करने की बात कही।

जनता दरबार में उंटारी रोड से आये उपेंद्र मेहता ने डीसी को बताया कि सदर भूमि सुधार उप समाहर्ता के दाखिल-खारिज के आदेश के बावजूद उंटारी रोड सीओ द्वारा म्यूटेशन नहीं किया जा रहा है। वहीं चैनपुर से आये राजेश गुप्ता ने बताया कि उनके गोतिया द्वारा उनके हिस्से की जमीन गलत तरीके से हड़प लिया गया था, जिसके बाद उन्होंने डीसी और डीसीएलआर कोर्ट में आवेदन दिया और केस लड़ते हुए जीत हासिल की। इसके बाद उन्हें अपने हिस्से का जमीन देने से संबंधित पेपर भी निर्गत कर दिये गये, लेकिन ऑनलाइन मोड में पुराने लोगों का ही नाम शो कर रहा है। उन्होंने डीसी से अपने हिस्से की जमीन ऑनलाइन एंट्री कराने का अनुरोध किया। इसी तरह विश्रामपुर अंचल से जुड़े जमीन नापी के मामले में आवेदनकर्ता द्वारा अंचल के बड़ा बाबू द्वारा नापी हेतु 32 सौ रुपये घूस मांगे जाने की शिकायत की।

4 किलो ही राशन दिये जाने की शिकायत, कमेटी द्वारा किया जायेगा जांच

जनता दरबार में नवाबाजर से आये बिपिन बिहारी मेहता ने बताया कि राशन डीलर द्वारा पूर्व से साढ़े चार किलो राशन दिया जाता था, अब उसमें में कटौती करते हुए 4 किलो राशन दिया जाता है। जब ग्रामीणों ने इसकी शिकायत की, तो डीलर द्वारा कुछ ग्रामीणों का राशन कार्ड से नाम काट दिया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए डीसी ने जांच कमेटी का गठन किया। उपरोक्त के अलावे जनता दरबार में राजस्व संबंधी, जमीन विवाद, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, दोहरी जमाबंदी रद्द करने, राशन डीलर द्वारा कम राशन देने, पेंशन, शिक्षा, ट्रांसफर, बंटवारा और अन्य समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। उपायुक्त ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित पदाधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये।

उत्पाद पुलिस की लापरवाही से अवैध शराब कारोबार बेलगाम

प्रसिद्ध कुमार

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज और पीपरा प्रखंड में अवैध शराब का कारोबार जिस निर्भीकता से चल रहा है, उसने कानून-व्यवस्था और खासकर उत्पाद पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। बिहार में पूर्ण शराबबंदी के बावजूद कारोबारियों का हर दिन सीमा पार शराब भेजना इस बात का प्रमाण है कि तंत्र कहीं-न-कहीं ढह चुका है। उत्पाद पुलिस द्वारा छापेमारी और कभी-कभार की गयी गिरफ्तारियों को स्थानीय लोग सिर्फ दिखावा मानने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, क्षेत्र में शराब कारोबारियों के साथ उत्पाद विभाग की पुलिस की मिलीभगत लंबे समय से चली आ रही है। आरोप यह है कि हर महीने अवैध शराब बेचने वाले कारोबारी उत्पाद पुलिस को रकम देकर अपना धंधा सुरक्षित रखते हैं। वहीं समय पर रकम नहीं मिलने की स्थिति में अचानक छापामारी कर खानापूर्ति की जाती है। एक-आध गिरफ्तारियां दिखाकर कार्रवाई पूरी मानी जाती है, लेकिन दो चार दिनों में वही आरोपी वापस लौटते हैं और पहले से अधिक तेजी से अपना धंधा शुरू कर देते हैं। यह स्थिति न केवल कानून की खिल्ली उड़ाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि कार्रवाई का उद्देश्य अवैध व्यापार रोकना नहीं, बल्कि उससे लाभ उठाना बन गया है। यदि उत्पाद पुलिस ईमानदारी से कार्रवाई करे, तो इस कारोबार को जड़ से खत्म करना मुश्किल नहीं, लेकिन मिलीभगत की ये परतें अवैध शराब नेटवर्क को और मजबूत कर रही हैं।

आवश्यक है कि उच्च स्तर पर जांच हो और उत्पाद पुलिस की जवाबदेही तय की जाये। क्योंकि जब सुरक्षा और नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालने वाला ही सवालों के घेरे में हो, तब अवैध कारोबार का बढ़ना कोई आश्चर्य नहीं, बल्कि उसकी प्राकृतिक परिणति है।

महिला ने थाने में दर्ज करायी पति के लापता होने की रिपोर्ट

दूसरी विवाहित महिला के साथ अवैध संबंध होने का लगाया आरोप

गुमला (आजाद सिपाही)। शहर से सटे शास्त्री नगर निवासी सती देवी नामक महिला ने अपने पति राजू सिंह के लापता होने का रिपोर्ट गुमला थाना में दर्ज कराया है। बुधवार को थाना पहुंची महिला ने बताया उसका पति विगत गुरुवार से ही लापता है। उसने अपने स्तर से उसकी खोजबीन करने की काफी कोशिश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति का किसी दूसरी महिला के साथ संबंध है। पूर्व में भी महिला थाना में मामले को लेकर समझौता हुआ था। उसके अचानक चले जाने से बच्चों की परवरिश में काफी परेशानी हो रही है। महिला ने आशंका जताई है कि उसका पति उस महिला को लेकर काम करने दूसरे प्रदेश में जाने वाला है। पुलिस जल्द कार्रवाई नहीं करेगी, तो वह गुमला छोड़कर भाग जाएगा। महिला ने बताया कि दूसरी महिला विवाहित है और उसका पति भी उसे ढूंढ रहा है।

कृषि मित्रों की बैठक में धान की खरीद की तैयारियों सहित अन्य मुद्दों पर हुई चर्चा

घाघरा (आआजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय परिसर स्थित कृषि तकनीकी सूचना केंद्र में कृषक मित्रों की बैठक हुई। जिसमें धान अधिप्राप्ति प्रक्रिया को सुचारू रूप से संचालित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में बीटीएम नीरज कुमार ने बताया कि धान अधिप्राप्ति के लिए किसानों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है, जिसके लिए कृषक मित्रों के बीच फार्म का वितरण किया गया। उन्हें निर्देश दिया गया कि अधिक से अधिक किसानों को रजिस्ट्रेशन के लिए प्रेरित करें, ताकि सभी योग्य किसानों को लाभ मिल सके। बैठक में फसल बीमा योजना के तहत किसानों की भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। कृषक मित्रों को फसल बीमा से मिलने वाले फायदे, बीमा कराने की प्रक्रिया और समयसीमा की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही फसल बीमा का फॉर्म भी वितरित किया गया, ताकि गांव-गांव में किसानों को आसानी से इसका लाभ मिल सके। इसके अलावा किसान क्रेडिट कार्ड से जुड़े लाभ और आवेदन प्रक्रिया पर भी मार्गदर्शन प्रदान किया गया। अधिकारियों ने कहा कि अधिक से अधिक किसान केसीसी बनवाकर कृषि कार्यों के लिए सस्ते ऋण की सुविधा प्राप्त कर सकते हैं। बैठक में बताया गया कि 15 दिसंबर से क्षेत्र के विभिन्न लैंप्स में धान की खरीदारी शुरू की जाएगी, जिसके लिए सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कृषक मित्रों से अपील की गई कि वे किसानों को समय पर जानकारी उपलब्ध कराएं और योजनाओं का लाभ दिलाने में सहयोग करें। इस मौके पर फसल बीमा प्रखंड समन्वयक आशीष कुमार सोनी, अमित कुमार सिंह, बैजनाथ उरांव, जूसिंदर गोप, नंदकिशोर मुंडा, फ्रांसिस जेवियर लकड़ा, नसीम अंसारी, कुंती देवी, प्रमिला उराईन, मंगलमुनि उरांव सहित कई लोग मौजूद थे।

नि:शुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर जारी रखने का निर्णय, 16 को ऑपरेशन

गुमला (आजाद सिपाही)। लायंस क्लब की बैठक बुधवार को अध्यक्ष लायंस मुरली मनोहर प्रसाद की अध्यक्षता में हुई, जिसमें निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर जारी रखने का निर्णय लिया गया। आगामी 16 दिसंबर को आंखों की जांच और ऑपरेशन किया जाएगा। इसके अलावा, स्थानीय पटेल चौक पर डायबिटीज और बीपी शुगर की निःशुल्क जांच भी की जाएगी। जिन लोगों को आंखों की जांच या ऑपरेशन कराना है, वे आगामी मंगलवार को अपने आधार कार्ड की छाया प्रति के साथ उपस्थित हो सकते हैं। इसके अलावा, लायंस क्लब परिवार की ओर से चार जनवरी 2026 को वन भोज का आयोजन किया जाएगा, जिसमें महिलाओं के लिए आकर्षक खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित होंगी। इस मौके पर सचिव योगेंद्र प्रसाद साहू, रीजन चेयरपर्सन अशोक कुमार जायसवाल, जून चेयरपर्सन शंकर लाल जाजोदिया की निवर्तमान अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष महेश प्रसाद गुप्ता, पवन कुमार अग्रवाल, लायंस अरुण कुमार केसरी, सत्येंद्र प्रसाद गुप्ता, संजय अग्रवाल और अनिल अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

स्कूल में शिविर लगाकर 102 स्कूली बच्चों के स्वास्थ्य की जांच की गयी, दी गयी दवाइयां

बसिया (आजाद सिपाही)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय में पिरामल स्वास्थ्य एवं रेफरल अस्पताल की ओर से संयुक्त रूप से स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें रेफरल अस्पताल से डॉ अलका रानी, डॉ अनुजा कुमारी, प्रवीण टोप्पो, ओए आदित्य कुमार रवि, एलटी रीना तिर्की, सीएचओ, सोलंगबिरा, जगरानी मिंज, सीएचओ, मोरेंग, रेशमा कुमारी, एएनएम सोलंगबिरा, विनीता लकड़ा, निर्मला कुल्लू, एएनएम लौंगा और सहिया सुकरो लकड़ा आदि शामिल थे। वहीं, पिरामल स्वास्थ्य से शेख नौशाद अख्तर, वरीय कार्यक्रम प्रबंधक, संजीत एक्का, जिला कार्यक्रम लीडर, रजनी किस्कू आदि उपस्थित रहे। जबकि, प्रदान स्वयंसेवी संस्था से वसीम और प्रतिमा मौजूद थे। चिकित्सा शिविर में कुल 102 छात्रों का हिमोग्लोबिन, ब्लड शुगर, सिकल सेल, रक्त चाप और आंखों की जांच की गई। इसके बाद आवश्यकतानुसार दवाइयों का भी वितरण किया गया।

दुर्घटना : भरनो के एनएच 43 पर दिखा तेज रफ्तार का कहर

हाइवा की चपेट में आया बाइक सवार दंपति, महिला की मौत

पति-बच्चा भी घायल, सड़क जाम कर परिजनों-ग्रामीणों ने किया विरोध

आजाद सिपाही संवाददाता

भरनो। थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 43 स्थित पुराना थाना के पास बुधवार को तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक सवार दंपति को अपनी चपेट में ले लिया। हाइव का पहिया बाइक सवार पति-पत्नी के ऊपर से गुजर रहा, जिससे उसपर सवार महिला की मौके पर ही मौत हो यी। मृतका की पहचान सुंदरी बीबी (30) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक सूपा गांव निवासी मुजलिम मिरदाहा (35) अपनी पत्नी सुंदरी बीबी और आठ साल के बेटे को बाईक पर बैठाकर भरनो जा रहा था। तभी बालू खाली कर तेज गति से एक हाईवा सिसई की ओर लौट रहा था, जिसने रास्ते में उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हाइवा के टक्कर से बाइस पर बैठा बच्चा यासीन मीरदाहा छिटक कर दूर जा गिरा। जबकि मुजमिल और सुंदरी हाइवा के चक्का के नीचे आ गए। महिला का सिर हाइवा के चक्के के नीचे आ जाने के कारण वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। उधर, दुर्घटना के बाद हाईवा चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां सुंदरी बीबी की स्थिति गंभीर बनी हुई थी।

अस्पताल में घायल का इलाज करते चिकित्सक।

अव्यवस्था को देख परिजनों का हंगामा

गंभीर रूप से घायल महिला सुंदरी बीबी को भरनो अस्पताल लाया गया था। जहां की अव्यवस्था देख परिजनों ने हंगामा कर दिया। उन्हें बताया गया कि अस्पताल से एंबुलेंस नहीं है। इसके बाद परिजन आनन-फानन में निजी वाहन और निजी ऑक्सीजन की व्यवस्था कर उसे रांची ले जा रहे थे। पर रास्ते में ही सुंदरी बीनी ने दम तोड़ दिया। इससे आक्रोशित लोग अस्पताल चौक में सड़क जाम कर बैठ गये और अव्यवस्था के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे। लगे हाथ अवैध बालू परिवहन और हाइवा के तेज रफ्तार का भी विरोध किया। इसकी सूचना पाकर भरनो और सिसई थानेदार दल बल के साथ मौके पर पहुंच गये और प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। बतातें चलें कि आरकेडी कंपनी की ओर से सर्विस रोड बनाने के क्रम में बुधवार की सुबह से ही दोनों सर्विस सड़क पर मिट्टी डालकर उसे बंद कर दिया था। दोनों तरफ से वाहन गलत दिशा से आना जाना कर रहे थे, जो दुर्घटना का मुख्य कारण है। हालांकि हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत सर्विस रोड से मिट्टी हटवाकर आवागमन सुचारू कराया।

विहिप की 13 को बाइक रैली और 14 को शौर्य यात्रा को लेकर सदर थाना में शांति समिति की हुई बैठक

गुमला (आजाद सिपाही)। विहिप और बजरंग दल की ओर से प्रस्तावित 13 दिसंबर की बाइक रैली और 14 दिसंबर की शौर्य यात्रा को लेकर बुधवार को सदर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने की। इस दौरान बीडीओ, सीओ हरीश कुमार और थाना प्रभारी महेंद्र करमाली मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक में सभी समुदायों और संगठनों के सदस्यों ने आगामी कार्यक्रमों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने का भरोसा दिया। कार्यक्रम संचालन करते हुए रमेश चीनी ने 13 दिसंबर को बाइक रैली और 14 दिसंबर को निकलने वाली शौर्य यात्रा का विस्तृत विवरण दिया। उन्होंने बजरंग दल और विहिप की ओर से आश्वासन दिया कि दोनों कार्यक्रमों के दौरान किसी भी समुदाय की भावना को आहत करने वाला आचरण या नारा नहीं लगाया जाएगा। वहीं, अंजुमन के सदर मो मुशाहिद आजमी ने बाइक रैली एवं शौर्य यात्रा में अस्त्र-शस्त्र के प्रदर्शन और लाइसेंस से संबंधित सवाल उठाए। इस पर थाना प्रभारी ने स्पष्ट कहा कि किसी भी भावनात्मक संवेदनशील नारे या गतिविधि पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने सभी को इंसानियत और अनुशासन का संदेश देते हुए पर्याप्त वॉलेंटियर लगाने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि थाना रोड में जुलूस कहीं भी अनावश्यक रूप से नहीं रुकेगा। जुलूस के आगे बाइक और सिविल पदाधिकारी चलेंगे, ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे। वहीं, बीडीओ ने कहा कि गुमला में सामाजिक सौहार्द हमेशा से सराहनीय रहा है। इसका श्रेय गुमलावासियों को जाता है। जबकि, एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने सभी उपस्थित सदस्यों से सूझबूझ और संयम रखने की अपील की। कहा कि भीड़ कभी-कभी अनियंत्रित हो सकती है, इसलिए पूरी तैयारी और सावधानी जरूरी है। बैठक में शिवम जायसवाल, संतोष यादव, अमित कुमार, सरवर आलम, कृष्ण कुमार मिश्रा, शमीम खान, मो इम्तियाज, दिनेश कुमार अग्रवाल, हिमांशु आनंद केशरी, बद्री कुमार गुलशन, बिनोद मिंज, मो० लड्डन, अमर प्रदीप कुजूर, विकास सिंह, मनीष कुमार, मुकेश सिंह आदि उपस्थित थे।

गुमला बंद का निर्णय वापस

गुमला (आजाद सिपाही)। परमवीर अल्बर्ट एक्का की आदमकद प्रतिमा को तोड़े जाने के विरोध में ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट की ओर से 11 दिसंबर को घोषित गुमला बंद का निर्णय बुधवार को वापस ले लिया गया। यह निर्णय जिले के वरिष्ठ अधिकारियों और संगठन के पदाधिकारियों के बीच हुई सफल वार्ता की बाद ली गयी। बतातें चलें कि गुमला बंद को वापस लेने को लेकर बुधवार को गुमला जिला प्रशासन और ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट के प्रतिनिधियों के बीच बैठक हुई। जिसमें संगठन की ओर से प्रदेश महासचिव प्रवीण कच्छप, आशीष पूर्ति, अरविंद कच्छप, राबर्ट टोप्पो, होशियाना तिर्की, इरनियुस मिंज, महावीर मिंज और त्योफिल बिलुंग उपस्थित रहे। वहीं, दूसरी ओर, जिला प्रशासन की ओर से डीसी, आरक्षी अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। इस दौरान जिला प्रशासन ने स्वीकार किया कि प्रतिमा तोड़े जाने की घटना गंभीर त्रुटि थी। प्रशासन ने इसके लिए खेद प्रकट किया और भरोसा दिलाया कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी।

पगडंडियों से सात किमी पैदल चलकर विशुनपुर के सुदूरवर्ती हेलता के बालातु गांव पहुंची डीसी

जमीन पर बैठकर सुनी आदिम, जनजाति एवं जनजाति समुदाय के लोगों की समस्या

- काम में लापरवाही बरतने पर कई अधिकारियों को लगायी फटकार
- समस्याओं के कम से कम समय में निदान करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

विशुनपुर। गुमला जिले की डीसी प्रेरणा दीक्षित बुधवार को विशुनपुर प्रखंड के सुदूरवर्ती हेलता पंचायत स्थित बालातु पाठ पहुंचीं। दुर्गम इलाकों और पगडंडियों से होकर उन्हें करीब सात किलोमीटर पैदल चलकर गांव तक पहुंचना पड़ा। गांव में आदिम जनजाति एवं जनजाति समुदाय के लगभग 400 लोग रहवे हैं, जहां आजादी के 75 वर्ष बाद पहली बार जिला प्रशासन का सर्वोच्च अधिकारी पहुंचा है। ग्रामीणों ने भी पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान डीसी ने बालातु पाठ में ग्रामीणों से करीब से जमीन पर बैठकर सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने एक सुर में अपनी प्राथमिक मांग सड़क निर्माण को बताया। इसके साथ ही बिजली, पेयजल, शिक्षा, आधार अपडेट एवं नया और बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं भी डीसी के समक्ष रखीं। ग्रामीणों की परेशानियों को गंभीरता से लेते हुए डीसी ने मौके पर ही कई महत्वपूर्ण निर्देश दिया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मार्च 2026 तक गांव में बिजली का काम पूर्ण करने का आदेश दिया। इसी दौरान ग्रामीणों ने बताया कि कई लोगों के बैंक खाते बंद पड़े हैं। बार-बार बैंक ऑफ इंडिया की विशुनपुर शाखा से उन्हें लौटा दिया जाता है। बताया कि हम लोग पांच से सात बार केवाईसी के लिए आवेदन दिये, लेकिन खुलता नहीं है। इस पर डीसी ने शाखा प्रबंधक को कड़ी फटकार लगाते हुए सभी लंबित खातों को जल्द से जल्द सक्रिय कर ग्रामीणों को सूचना देने का निर्देश दिया। साथ ही आधार अपडेट और नया कार्ड नहीं बन पाने के कारण राशन कार्ड में नाम जोड़ने एवं बच्चों का विद्यालय में नामांकन नहीं होने संबंधि शिकायतें सुनने के बाद यूआईडी डीपीओ सैफुल्लाह को भी जमकर फटकार लगाई। लगे हाथ निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर समस्या का समाधान किया जाए। साथ ही विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण बहाल करने का भी निर्देश दिया। अधिकारियों से कहा कि इस गांव में सप्ताह में एक बार टीम जरूर आए। उधर, गांव की दिव्यांग महिला सुनीता असुर को अब तक पेंशन नहीं मिलने की शिकायत पर डीसी ने विशेष रूप से संज्ञान लेते हुए अगले 24 घंटे में पेंशन योजना चालू करने का निर्देश दिया। इस दौरान जिला स्तर के सभी बड़े पदाधिकारी मौके पर मौजूद रहे। इस मौके पर गुमलाके सिविल सर्जन, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला परिषद सदस्य पवन उराव, प्रमुख राजलक्ष्मी उराव, प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी, हेलता के मुखिया सुशील मुंडा, सीओ शेखर वर्मा, उप प्रमुख चंदन सिंह आदि मौजूद थे।

कारोबारी ने अपने घर में ही फंदा लगाकर की आत्महत्या

घाघरा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के मलगो गांव में एक व्यक्ति ने अपने घर में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसकी पहचान रामजनम साहू के रूप में हुई है। इसकी सूचना मिलने पर पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पहुंच गयी और शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार रामजनम साहू मंगलवार को घर पर अकेला थे। शाम तक वह अपने मिल दुकान में थे। इसके बाद घर के अंदर दरवाजा बंद कर सोने चले गए। बुधवार की सुबह जब वह काफी देर तक नहीं उठे ना ही देर तक दरवाजा खोला, तो अगल-बगल के लोगों ने खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। संदेह होने पर ग्रामीणों ने दरवाजा तोड़कर दिया। घर के अंदर देखा, तो छप्पर के काठ में रस्सी के सहारे रामजनम साहू फांसी पर लटके हुए है। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

विक्षिप्त युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

गुमला (आजाद सिपाही)। रायडीह प्रखंड के सुरसांग थाना अंतर्गत चिरोडाड़ निवासी सम्मेलन किस्पोट्टा (29) ने मंगलवार की शाम अपने पुराने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया। वहीं, मृतक के भाई अनिल किस्पोट्टा ने बताया कि मृतक सम्मेलन मानसिक रूप से विक्षिप्त था। मंगलवार शाम वह नए घर से पुराने घर चला गया, जहां कोई नहीं रहता है। काफी देर तक वापस नये घर नहीं लौटने पर परिजन उसे खोजते हुए पुराने घर पहुंचे। तो वह वहां रस्सी के सहारे फांसी पर लटका मिला। इसकी सूचना पुलिस को दी गयी। खबर पाते ही सुरसांग थाना प्रभारी दलबल के साथ गांव पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा करने के बाद बुधवार को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

लक्ष्मी फ्यूल सेंटर में ट्रैक्टर-जेनरेटर से बैट्री चोरी, वारदात सीसीटीवी कैमरे में हुई कैद

गुमला (आजाद सिपाही)। सदर प्रखंड के सिलाफारी स्थित लक्ष्मी फ्यूल सेंटर से मंगलवार की रात चोरों ने बैट्री चोरी कर ली। घटना को लेकर फ्यूल सेंटर के मैनेजर त्रिवेणी साहू ने बुधवार को गुमला थाना में अज्ञात चोरों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया गया कि मंगलवार की रात करीब 12 बजे पेट्रोल पंप परिसर में कार से प्रवेश कर चोरों ने जनरेटर में लगी बैट्री और परिसर में खड़े ट्रैक्टर की बैट्री चोरी कर ली। हालांकि चोरी की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद है। चोर बड़े ही आराम से बैटरी खोल कर कार की डिक्की में डालकर चलते बने। मैनेजर ने पुलिस से आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी कर कार्रवाई करने और चोरी गई सामग्रियों की बरामदगी की मांग की है।

ठंड लगने से महिला की बिगड़ी तबीयत, चैनपुर सीएचसी में डॉक्टर अनुपस्थित, गुमला रेफर

चैनपुर (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के बेंदोरा गांव में मंगलवार की रात आठ बजे ठंड लगने से एक महिला की हालत बिगड़ गयी। गंभीर स्थिति में उसे तुरंत चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) लाया गया, लेकिन डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए आनन-फानन में गुमला सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। महिला की पहचान सुगंधि देवी (45) के रूप में हुई है। वह बेंदोरा की रहने वाली है। उसके पति रामचंद्र महतो ने बताया कि पत्नी सुगंधि देवी घर पर थीं। उनकी तबीयत खराब थी। दोपहर में वे उनके साथ धान मिसाई का काम कर रही थीं। अचानक घर चली गईं और ठंड से कांपते हुए बेहोश हो गईं। परिजनों ने तुरंत 108 एम्बुलेंस सेवा को कॉल किया और उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। पर सीएचसी पहुंचने पर पता चला कि यहां डॉक्टर ही नहीं है। इसके बाद वहां बिना प्राथमिक इलाज के ही महिला को गुमला सदर अस्पताल रेफर करना पड़ा। उधर, इस घटना पर कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष प्रमोद खलखो ने नाराजगी जाहिर की है। कहा कि चैनपुर में अनुमंडल स्तरीय अस्पताल का निर्माण हो रहा है, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि अब तक यहां डॉक्टर की सेवा 24 घंटे उपलब्ध नहीं हो पा रही है, जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

डीटीओ की कार्रवाई : एजी चर्च स्कूल की बसों पर लगा 60 हजार का जुर्माना, प्रिंसिपल की लगी 'क्लास'

एक्सपायर्ड सुरक्षा उपकरण : बसों में लगे अग्निशामक यंत्र एक्सपायर्ड पाए गए, जो आपातकालीन स्थिति में बच्चों की जान को खतरे में डाल सकते थे।
अनिवार्य उपकरणों की कमी : कई बसों में सीसीटीवी और जीपीएस जैसे अनिवार्य सुरक्षा उपकरण नदारद थे।
अमान्य/अवैध कागजात : बसों के पास वैध परमिट, फिटनेस प्रमाण पत्र, रोड टैक्स और इंश्योरेंस जैसे दस्तावेज अमान्य पाए गए।
अतिरिक्त लाइटें : बसों में सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करते हुए अतिरिक्त लाइटें भी लगी मिलीं।

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर गुमला प्रशासन का सघन जांच अभियान बुधवार को भी जारी रहा। इस दिन जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) के नेतृत्व पर एजी चर्च स्कूल और सोलिटेयर एकेडमी स्कूल के पास विशेष जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान नियमों की गंभीर अनदेखी पाए जाने पर एजी चर्च स्कूल की बसों पर तुरंत 60 हजार रुपए का भारी जुर्माना भी लगाया गया। वहीं, नियमों की अनदेखी पर प्रिंसिपल को कड़ी फटकार भी लगायी। जिला परिवहन विभाग ने स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि बच्चों को लेकर चलने वाली सभी गाड़ियां लाइसेंस, बीमा, परमिट, फिटनेस जैसे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही चलें, अन्यथा स्कूल प्रबंधन पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीटीओ ने चेतावनी दी है कि गुमला जिले में सुरक्षित और अनुशासित सड़क परिवहन व्यवस्था स्थापित होने तक यह कठोर अभियान जारी रहेगा। जिला परिवहन विभाग ने स्कूलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि वे सुनिश्चित करें कि बच्चों को लेकर चलने वाली सभी गाड़ियां लाइसेंस, बीमा, परमिट, फिटनेस जैसे सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ ही चलें, अन्यथा स्कूल प्रबंधन पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

औचक छापामारी में शैलेंद्र बस जब्त, वाहनों पर लगा 2.20 लाख रुपये का भारी जुर्माना

गुमला (आजाद सिपाही)। स्कूली वाहनों की सघन जांच पूरी करने के बाद, जिला परिवहन पदाधिकारी (डीटीओ) के नेतृत्व में जांच टीम ने मालवाहक और यात्री परिवहन की ओर रुख किया। बुधवार को इस औचक कार्रवाई में ओवरलोडिंग, बिना वैध परमिट के परिचालन और नियमों की अनदेखी करने वाले वाहनों से कुल दो लाख 20 हजार रुपए का भारी जुर्माना भी वसूला गया। डीटीओ के सड़क पर उतरते ही वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। जांच का मुख्य फोकस बॉक्साइट जैसे खनिज लदे वाहनों पर था, लेकिन कार्रवाई के दायरे में यात्री बसें भी आईं। इस दौरान 'शैलेन्द्र' नामक एक यात्री बस को बिना वैध परमिट के चलते पाए जाने पर तुरंत जब्त कर लिया गया। इसके अलावा बॉक्साइट लदे वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक माल लादकर सड़क को जोखिम में डाला जा रहा था। **सुरक्षा उल्लंघन:** कई चालकों के पास वैध लाइसेंस नहीं था, न ही उनके पास वाहन परिचालन के लिए ऑथोराइजेशन सर्टिफिकेट मौजूद था।

जिला प्रशासन ने गरीब और बेसहारा लोगों के लिए की अलाव की व्यवस्था

बोकारो (आजाद सिपाही)। बढ़ते ठंड के कारण बोकारो जिला प्रशासन ने पूरे जिले में अलाव जलाने की व्यवस्था की है। ताकि जरूरतमंद लोगों को ठंड से राहत मिल सके। जिला प्रशासन ने गरीब, बेसहारा एवं रात में काम करने वाले लोगों के लिए यह व्यवस्था की है। इस संदर्भ में उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को निर्देश जारी किया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि ठंड से परेशानी न हो, इसे सुनिश्चित करें। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के प्रमुख चौक-चौराहों के साथ-साथ प्रखंड मुख्यालय, पंचायत भवन, हाट-बाजार और भीड़भाड़ वाले इलाकों में अलाव की व्यवस्था की गयी है। लकड़ी और कोयला की आपूर्ति भी सुनिश्चित की गयी है, ताकि अलाव की व्यवस्था निर्बाध रूप से हो सके। उपायुक्त अजय नाथ झा ने संवेदनशीलता के साथ अपने क्षेत्र में विशेष निगरानी रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया है ताकि ठंड से किसी भी आम जनता को परेशानी ना हो।

तिब्बती समुदाय ने मनाया 'विश्व शांति दिवस' दलाई लामा के दीर्घायु के लिए की प्रार्थना

धनबाद (आजाद सिपाही)। 10 दिसंबर को चिल्ड्रन पार्क न्यू स्टेशन कॉलोनी पुराना बाजार स्थित तिब्बती रिफ्यूजी वूलन मार्केट में तिब्बती समुदाय द्वारा विशेष रूप से 14 वें दलाई लामा के नोबेल पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष में विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया गया। मार्केट के प्रधान ओलो ने बताया कि यह दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी तारीख को परमपावन दलाई लामा को विश्व शांति के लिए प्रतिष्ठित नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तिब्बती महिला करुणा ने बताया कि इस वर्ष तिब्बती समुदाय ने इस दिवस को करुणा वर्ष के रूप में मनाते हुए शांतिपूर्ण सहअस्तित्व और मानवता के भाव को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।कार्यक्रम के दौरान तिब्बती समुदाय ने परमपावन दलाई लामा की दीघार्यु, विश्व में शांति और सद्भाव कायम रहने की कामना के साथ विशेष पूजा-अर्चना की। विश्व मानव अधिकार दिवस पर करुणा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हुए जिले के विभिन्न क्षेत्रों में जरूरतमंदों के बीच कंबल, उपहार एवं आवश्यक वस्तुओं का वितरण भी किया गया। तिब्बती समुदाय के सदस्यों ने बताया कि यह दिन न केवल सम्मान का प्रतीक है बल्कि वैश्विक शांति और भाईचारे का संदेश भी देता है।

दुकानदार महासंघ 22 को करेगी विरोध प्रदर्शन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात प्रबंधन के संपदा न्यायालय के अतिक्रमण हटाओ अभियान के खिलाफ झुग्गी-झोंपड़ी वासी सह फुटपाथ दुकानदार महासंघ कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक बुधवार को स्थानीय सिटी सेंटर सेक्टर चार में हुई। बैठक में सर्वसम्मति से आगामी 22 दिसंबर को बोकारो इस्पात नगर सेवा भवन के समक्ष प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता महासंघ के कार्यकारी अध्यक्ष संजय रजक ने की।बैठक में प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रणनीति बनायी गयी। इसके तहत बोकारो इस्पात नगर के सभी झुग्गी कॉलोनी निवासियों और फुटपाथ दुकानदारों के साथ बैठक कर संगठित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में मौजूद महासंघ के संरक्षक कुमार राकेश ने कहा कि सेल प्रबंधन के संपदा न्यायालय द्वारा हवाई अड्डा और सिटी सेंटर सेक्टर चार सहित पूरे बोकारो में अतिक्रमण हटाओ अभियान के तहत लगभग 250 दुकानों और झुग्गियों को तोड़ दिया गया है। इससे रोजगार विहीन हुए दुकानदार और गरीब झुग्गीवासी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान जिन मीट दुकानदारों की दुकानें तोड़ी गयी हैं या जिन्होंने स्वयं ही व्यवसाय बंद कर दिया है, उन्हें पुनर्वासित करना जिला प्रशासन और सेल प्रबंधन की नैतिक जिम्मेवारी है। बैठक में महासंघ के सह सचिव आजाद कुमार, कोषाध्यक्ष शंभु पासवान, उपाध्यक्ष गोविंद जायसवाल, अशोक कुमार, बिनोद सत्यार्थी, छोटेलाल, रामजी प्रसाद, सुमन सिंह मिट्ठू, अंसित सिंह, राजू, सुधीर कुमार, सुनील कुमार सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीएसएल में नयी श्रम संहिताओं पर जागरूकता कार्यक्रम

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो स्टील प्लांट के यातायात विभाग में नई श्रम संहिताओं के संबंध में जागरूकता हेतु एक विशेष कार्यक्रम काआयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री भरत प्रसाद ने श्रमिकोंके साथ संवाद स्थापित किया तथा नई श्रम संहिताओं से जुड़े प्रमुख प्रावधानों, कल्याणकारी लाभों और सामाजिक सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर मनोज कुमार ह्यांकी, राजेश कुमार, ओम प्रकाश, शैलेन्द्र कुमार, कपूर रंजन सहित विभाग के अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में संविदा कर्मी उपस्थित थे। श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री प्रसाद ने बताया कि नयी श्रम संहिताएं सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम वेतन की गारंटी सुनिश्चित करती हैं तथा समय पर और पारदर्शी वेतन भुगतान की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाती हैं। इसके अतिरिक्त, वेतन सुरक्षा, निर्धारित कार्य घंटे, वार्षिक अवकाश, एवं सामाजिक सुरक्षा से संबंधित प्रावधानों को भी इन संहिताओं में मजबूत किया गया है। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम श्रम सुधारों के उद्देश्यों को श्रमिकों तक प्रभावी रूप से पहुंचाने में सहायक हैं।

सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण की बैठक

धनबाद (आजाद सिपाही)। विश्व मानवाधिकार दिवस पर सर्वोच्च मानवाधिकार संरक्षण के नेशनल इंचार्ज भागवत प्रसाद पाण्डेय वशीष्ठ के नेतृत्व में बिराजपुर के श्रीराम कृष्णा पब्लिक स्कूल में बैठक संपन्न हुई। बैठक में नेशनल इंचार्ज वशिष्ठ नारायण ने मानव अधिकार के प्रति लोगों को सतर्क रहने के लिए आश्वस्त किया। बैठक को प्रदेश सचिव सुरेश तिवारी, जनार्दन पांडेय, प्रधानाध्यापक सरयू प्रसाद कर्मकार, सुरेश कुमार महतो, खुशबू जायसवाल, किरण कुमारी आदि ने संबोधित किया। श्रीराम कृष्णा पब्लिक स्कूल की छात्राएं कुमारी नित्या, कुमारी कृतिका एवं कुमारी अर्चना ने मानव अधिकार का रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत की। मौके पर मनोहर प्रसाद साव, प्रदेश अध्यक्ष त्रिलोचन पाण्डेय, मो अनीश अंसारी, विकास प्रसाद साव, नन्दलाल साव, तुलसी कुमार दास,राजू साव, प्रदीप कुमार दास, रोहित साव, इंद्रजीत पांडेय, विरेन्द्र मंडल, रामचंद्र दास,जगनी देवी, अरुण राजवंशी, शुभाशीष पांडेय आदि उपस्थित हुए।

मुखिया पर पीएम आवास योजना में घोटाले का आरोप, ग्रामीणों में रोष

आजाद सिपाही संवाददाता

महुदा/ मधुबन। सीनिडीह पंचायत के हनुमान नगर में प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर चल रहे कथित करोड़ों के घोटाले के खिलाफ ग्रामीण अब खुलकर सड़क पर उतर आये हैं। बुधवार को दर्जनों ग्रामीणों ने पंचायत के मुखिया पर भूमिहीन लाभुकों के आवास में ठेकेदारी करने, फर्जी भुगतान और भारी अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाये।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से उच्च स्तरीय जांच तथा दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ग्राम स्वराज अभियान के अध्यक्ष जगत महतो की पहल पर उपविकास आयुक्त धनबाद के आदेशानुसार जांच करायी गयी थी, लेकिन वह जांच भी कागजी खानापूर्ति साबित होकर रह गयी। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है-इस बार जांच में अगर लापरवाही हुई, तो आंदोलन और भी तेज होगा।

इधर पूर्व जिप सदस्य गौरचंद्र बाउरी ने मुखिया पर सीधे-सीधे गंभीर आरोप ठोकते हुए कहा कि मुखिया लाभुकों का पासबुक और पैसा अपने कब्जे में लेकर ह्लघर बनवानेह्व का लालच देता रहा, लेकिन आज तक किसी को आवास नसीब नहीं हुआ। पैसे निकालकर बैठ जाने के बावजूद लाभुकों को सिर्फ झूठे आश्वासन दिए जा रहे हैं, जबकि मुखिया पति बिट्टू चौहान हर बार जल्द मिलेगा कहकर मामला टालते रहे। श्री बाउरी ने साफ कहा कि इस पूरे घोटाले में जांच अधिकारी की भी मिलीभगत है। उन्होंने मांग की कि निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाये।

बोकारो के पुलिस जवान की सड़क दुर्घटना में मौत

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो पुलिस मेंस एसोसिएशन के केंद्रीय सदस्य गोविंदपुर के रामपुर निवासी राकेश महतो का सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार राकेश महतो बोकारो पुलिस लाइन से अपने गाड़ी का इंश्योरेंस करने के लिए धनबाद के धनसार पहुंचे थे, रामपुर घर जाकर मां से मुलाकात करने के बाद वह वापस ड्यूटी के लिए राजगंज के रास्ते बोकारो आ रहे थे इसी बीच जमुआटांड से काको मोड़ के बीच रात्रि 8:30 बजे हाइवा और उनकी बाइक की जोरदार टक्कर हो गयी, इस दौरान घटनास्थल पर ही उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने दोनों गाड़ी को जप्त कर लिया है वही शव का पोस्टमार्टम के लिए धनबाद एसएनएमएमसी एच भेजा गया है।

कतरास कॉलेज में अभ्यर्थी की जगह दूसरे युवक ने दी परीक्षा

कॉलेज प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन रहा मौन

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। कतरास कॉलेज में सेमेस्टर 6 के एग्जाम में बाहरी युवक द्वारा घुस कर परीक्षापत्र लिखने के प्रमाण मिलने के बावजूद कॉलेज प्रबंधन और स्थानीय प्रशासन द्वारा कोई कारवाई नही करने से नाराज अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) कतरास इकाई द्वारा बुधवार को कतरास कॉलेज, कतरासगढ़ में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया जिसमे कॉलेज में घटित परीक्षा घोटाले को सार्वजनिक किया गया। इस दरम्यान एबीवीपी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शुभम हजारी ने बताया कि बिगत 8 अगस्त 2025 को सेमेस्टर 6 के माइनर हिंदी पेपर की परीक्षा में एनएसयूआइ सदस्य सह छात्र मोहम्मद फैजल इकबाल के स्थान पर एक बाहरी युवक सैफ अंसारी को परीक्षा देते हुए तथा अनुसासन हीन कार्य करते हुए पाया गया। जिसका प्रमाण सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। फिर उन्होंने कहा कि आरोपी छात्र मोहम्मद फैजल इकबाल पूर्व में भी एक छात्रा से स्कॉलरशिप दिलाने के नाम पर 5000 की ठगी कर चुका है। वही इसका भाई जफर द्वारा हमेशा परीक्षा केंद्र पर गुंडागर्दी, और डराने-धमकाने का कार्य किया जाता है जिसका भी सीसीटीवी फुटेज मौजूद है जो परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न चिन्ह खड़ा करती है। इस पूरे मामले की लिखित शिकायत ई-मेल के माध्यम से राज्यपाल, उपायुक्त, जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं स्थानीय प्रशासन को भेजकर पहले ही अवगत कराया जा चुका है।

गैस रिसाव से जान-माल का नुकसान ना हो, यह हमारी पहली प्राथमिकता : मनोज कुमार अग्रवाल

बीसीसीएल 24 घंटे केंदुआडीह की स्थिति को सामान्य करने में जुटे

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। बीसीसीएल के सीएमडी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि गैस रिसाव के कारण जान माल को नुकसान न हो यह हमारी पहली प्राथमिकता है। केंदुआडीह गैस रिसाव मामले में चिकित्सा व्यवस्था, राहत संचालन, वैज्ञानिक नगरानी, और पुनर्वास गतिविधियां हमारी पहली प्राथमिकता है राजपूत बस्ती के आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में कार्बन मोनोऑक्साइड जैसा जहरीला गैस का रिसाव जारी है। यह स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है, इसके निराकरण हेतु आइआईटी आईएसएम, सिंफर, एनडीआरफ, एवं सीएमपीडीआई को लगाया गया है।एजेंसी के मुताबिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर चले जाना चाहिए यही एकमात्र स्थाई समाधान है, बीसीसीएल मुख्यालय कोयला भवन में पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। सीएमडी ने बताया ने बताया कि बीसीसीएल और एनडीआरएफ की टीम मिलकर लगातार सर्वेक्षण कर रही है। फॉगिंग का वाटर एस्प्रे के माध्यम से गैस नियंत्रण करने का कार्य जारी है, कहा कि जब तक प्रभावित इलाके पूरी तरह से सुरक्षित ना हो, सभी परिवार सम्मानजनक जीवन के साथ अपने नए घरों न बस जाएं, तब तक अभियान जारी रहेगा, उन्होंने बताया कि बीसीसीएल पूर्ण सतर्कता और वैज्ञानिक निगरानी के साथ राहत कार्य चला रहा है। वहीं बीसीसीएल के द्वारा किए गए एसेसमेंट से पता चला है कि यह गैस छोड़ी हुई अंडरग्राउंड गैलरी से निकल रहा है वही माइंस रेस्को स्टेशन सर्वे के दौरान कई घरों के अंदर कार्बन मनोऑक्साइड का लेबल निर्धारित सीमा से अधिक पाया गया। घटना के बाद से कुल 44 लोगों ने हल्का सिर दर्द , सीने में तकलीफ और सांस लेने में जलन जैसा लक्षण बताया। अब तक 37 मरीजों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गयी। जबकि सात मरीजों का अभी इलाज चल रहा है, 45 घरों के लोगों को बीसीसीएल द्वारा बनाए गये टेंपरेरी सेंटर में जाने की सलाह दी गयी है, साथ ही लोगों को भोजन दिया जा रहा है इमरजेंसी के लिए बीसीसीएल ने विभिन्न अस्पतालों में 399 बेड तैयार रखे है, उसके साथ डॉक्टर की पूरी व्यवस्था की गई है वहीं बीसीसीएल सीएमडी ने बताया की रिवाइज झरिया मास्टर प्लान के तहत लोगों को बेहतर सुविधा मुहैय करायी जा रही है, मंत्रालय की ओर से कार्यों का भी बंटवारा किया गया है। बीसीसीएल ने पुनर्वास कार्य में तेजी के लिए बैलगाड़ी मौजा 378.39 एकल भूमि जेआरडी को लिज पर सौंप दी है झरिया पुनर्वास योजना के तहत प्रभावित परिवारों को 800 वर्ग फुट के पक्का आवास दिया जा रहा है।

गोविंदपुर एरिया 3 के महाप्रबंधक से पेयजल संकट को लेकर समाजसेवी मो शहाबुद्दीन ने की वार्ता

कतरास (आजाद सिपाही)। गोविंदपुर एरिया 3 महाप्रबंधक कार्यालय में बुधवार को समाजसेवी मो शहाबुद्दीन ने छाताबाद वार्ड नंबर 2 के ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर महाप्रबंधक से वार्ता की। वार्ता में महाप्रबंधक पीयूष किशोर ने हदहदिया तथा भंडारीडीह तालाब के निकट नया बोरिंग कर सम्बसेर्बुल पंप लगाने, जर्जर पाइपों की मरम्मती एवं शीघ्र जलापूर्ति करने का आश्वासन दिया। महाप्रबंधक ने फिल्टर प्लांट लगाने की भी बात कही। श्री किशोर ने डीजीएमएस के निर्देश के अनुरूप ब्लास्टिंग करने का आश्वासन दिया। कार्य स्थल के आसपास जल छिड़काव किया जायेगा। वार्ता में मो शहाबुद्दीन, अधिवक्ता तैयब अली, मो जियाउल हक, मो निसार, मो अनवर अंसारी, बाबू मानी, मो परवेज,मो अफसर उर्फ छोटू, शौकत अली, मो भोला, राहत अली, मिस्टर आदिल, फिरोज सिद्दीकी, रवि, धनेश्वर, मंजूर अंसारी, जाहिद अंसारी, जुनैद, सोनू जसीम जबकि प्रबंधन के ओर से अपर महाप्रबंधक जयंत कुमार क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक अमित कुमार महतो, मैनेजर अमित कुमार आदि शामिल थे। समाजसेवी मो शहाबुद्दीन ने बताया कि समस्याओं को लेकर अनिश्चितकालीन धरना पर जाने की चेतावनी के बाद महाप्रबंधक ने वार्ता के लिए बुलाया। वार्ता संतोषजनक रहा।

14 को होगा हैप्पी स्ट्रीट का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

सुबर 7 बजे से 10 बजे तक यातायात रहेगा बंद

बीएसएल के संचार प्रमुख मणिकांत धान ने बताया कि 14 दिसम्बर और उसके बाद के तीन रविवार गांधी चौक से बोकारो मॉल मोड़ तक के दोनों तरफ की लेन को सुबह 7 बजे से 10 बजे तक यातायात के लिए अस्थायी रूप से बंद किया जायेगा।

बोकारो। विगत वर्ष की भांति, इस बार भी बोकारो स्टील प्लांट के तत्वावधान में ह्लहैप्पी स्ट्रीटह्व का आयोजन किया जा रहा है। उदघाटन 14 दिसंबर को सुबह 7:30 बजे किया जाएगा, जिसमें बीएसएल के वरीय अधिकारियों सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की सफल आयोजन हेतु बीएसएल द्वारा आवश्यक तैयारियां आरंभ की जा चुकी हैं। इस आशय की जानकारी बीएसएल की ओर से बुधवार को स्थानीय मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता में दी गयी। संचार प्रमुख मणिकांत धान ने बताया कि ₹एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारोह्व के थीम को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में बोकारो के विभिन्न विद्यालय, शिक्षण संस्थान, बोकारो महिला समिति, संगीत कला अकादमी, सीआरपीएफ, सीआइएसएफ, रोटरी क्लब, लायंस क्लब, रोटरी क्लब ऑफ मिड टाउन कपल्स, पोस्टल फिलाटेली ग्रुप, एक्स सर्विसमैन एसोसिएशन तथा अन्य सामाजिक संस्थाएं भाग लेंगी। इसके अतिरिक्त, समस्त नगरवासी भी इस आयोजन में शामिल हो सकेंगे। हैप्पी स्ट्रीट का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को स्वस्थ एवं सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों से जुड़े विशेषज्ञ अपने प्रदर्शन के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, सक्रिय और खुशहाल जीवन जीने के लिए प्रेरित करेंगे।

हैप्पी स्ट्रीट के अंतर्गत बोकारो वासी एक्टिव बोकारो, हेल्दी बोकारो के संदेश को आत्मसात करते हुए विभिन्न मनोरंजक एवं स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों का आनंद उठा सकेंगे।

पुलिस केंद्र में आधुनिक परिवहन शेड का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। उपायुक्त आदित्य रंजन तथा वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बुधवार को पुलिस केंद्र धनबाद में नव निर्मित परिवहन शेड का उद्घाटन किया। इस मौके पर कई पुलिस पदाधिकारी, जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। नये परिवहन शेड के निर्माण के बाद पुलिस केंद्र में मौजूद लगभग 50 से अधिक छोटी-बड़ी गाड़ियों को अब सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से पार्क किया जा सकेगा। शेड के नीचे पुलिस लाइन की बस, वाटर केनन, बज्र वाहन, रक्षक वाहन, जीप और अन्य छोटे वाहनों का सुरक्षित पड़ाव बनेगा, जिससे किसी भी आकस्मिक परिस्थिति में वाहनों का त्वरित उपयोग संभव होगा। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पुलिस बल दिन-रात कड़ी परिस्थितियों में काम करता है। ऐसे में उनकी बुनियादी जरूरतों और सुविधाओं को पूरा करना जिला प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को हर आवश्यक संसाधन प्रदान करने की दिशा में लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिले के पुराने और जर्जर थाना व ओपी भवनों का सर्वे कर लिया गया है। उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण का कार्य सीएसआर फंड से शीघ्र प्रारंभ किया जाएगा। वहीं वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि परिवहन शेड केवल वाहन पार्किंग तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह कई महत्वपूर्ण अवसरों पर अत्यंत उपयोगी साबित होगा। चुनावों के दौरान सुरक्षा बलों के अस्थायी आवासन, विधि-व्यवस्था नियंत्रण के लिए विशेष तैनाती, बल संचयन और विभिन्न प्रशासनिक कार्यक्रमों में भी इस शेड का उपयोग किया जा सकेगा। एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि शेड के पीछे आधुनिक शौचालय और स्नानघर का निर्माण तेजी से किया जा रहा है, जिससे पुलिस बल को और बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त आदित्य रंजन, एसएसपी प्रभात कुमार, ग्रामीण एसपी कपील चौधरी, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा समेत पुलिस विभाग के अन्य पदाधिकारी, जवान व पुलिस मेन्स एसोसिएशन के पदाधिकारीगण मौजूद थे।

मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता शिविर आयोजित

धनबाद (आजाद सिपाही)। विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर मंडल कारा धनबाद में जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के निर्देश पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेन्दु ,डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सहायक कन्हैयालाल ठाकुर, डालसा सहायक सौरभ सरकार, जेलर दिनेश वर्मा, आधिकार मित्र राजेश सिंह उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य बंदियों को उनके मौलिक अधिकारों, विधिक सहायता, नि :शुल्क कानूनी सेवाओं तथा सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों की जानकारी देना था।

JHARKHAND BIJLI VITRAN NIGAM LIMITED
(CIN : U40108JH2013SGC001702)
ELECTRIC SUPPLY CIRCLE, RAMGARH
RAMGARH, PIN – 829122

E-Tender Notice

E-tenders are invited from reputed tenderers having good experience in following similar type of Civil works and having sound certified financial status.

Sl. No	NIT No.	Name of work	Estimated cost (InRs.)	Earnest money to be Deposited (In Rs.)	Cost of BOQ(GST18% Included) Non-refundable(In Rs.)	Time of Completion (In Day)
01	282/PR/ JBVNL /2025-26	Temporary arrangement in TRW Ramgarh in place of fallen boundary wall due heavy rain at Ramgarh.	2,03,300.00/-	4100.00/-	590.00/-	30 days
02	283/PR/ JBVNL /2025-26	Roof treatment of control room building of 33/11 KV PSS Naisarai under ESC Ramgarh.	2,74,400.00/-	5500.00/-	886.00/-	60 days
03	284/PR/ JBVNL /2025-26	Roof treatment of MRT office building and other allied civil works under ESC Ramgarh.	3,74,300.00/-	7500.00/-	886.00/-	60 days
04	285/PR/ JBVNL /2025-26	R&M of Sl no. F02 staff quarter under ESC Ramgarh premises.	3,53,800.00/-	7100.00/-	885.00/-	90 days
05	286/PR/ JBVNL /2025-26	Construction of approach path from E/S/C Ramgarh to Electric Supply Section, Ramgarh.	7,11,000.00/-	14300.00/-	1475.00/-	60 days
06	287/PR/ JBVNL /2025-26	Temporary arrangement in 33/11 KV PSS Huppu in place of fallen boundary wall due heavy rain under ESSD Gola,Ramgarh.	59,500.00/-	1200.00/-	590.00/-	30 days

Availability of tender documents on website	11/12/2025 From 02.00 PM
Last date and time for uploading of e-Tender	02/01/2026 up to 03:00 PM
Last date and time for physical submission of original Demand Draft towards cost of BOQ and Earnest Money	03/01/2026 up to 03:00 PM
Date and time for opening of Tender Part-I (Technical and Commercial)	05/01/2026 At 02:00 PM
Date and time for opening of tender Part-II (Price Part)	To be communicated further
Tendering officer and address for communication	E.S.E, Electric Supply Circle, Ramgarh

1. E-tender documents and BOQ including terms & conditions, specification etc. can be downloaded and submitted online on website https://jharkhandtenders.gov.in. Any details required in this regard can also be had from the office of the undersigned during office hours. NIC helpline No. **06034-222109**, for any clarification regarding NIT contact no. **065553-231987**
2. Demand Draft from any nationalized bank/Schedule bank in India towards cost of BOQ and Earnest Money will be prepared within the tender period in favour of **Accounts Officer, Electric Supply Circle, Ramgarhpayable at Ramgarh.**
3. The tenders will be received through electronic tendering mode only.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकयतों को 18003456570(कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Electrical superintending Engineer
ESC, Ramgarh

PR 368233 (Jharkhand Bijlee Vitran Nigam Ltd)25-26*D

दीपावली को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया

मोदी बोले- दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा | कुंभ मेला समेत 15 धरोहरें पहले ही लिस्ट में

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। यूनेस्को ने दिवाली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया। यूनेस्को ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन की इंटैन्जिबल कल्चरल हेरिटेज यानी अमूर्त विश्व धरोहर की सूची जारी की। इसमें घाना, जॉर्जिया, कांगो, इथियोपिया और मिस्त्र सहित कई देशों के सांस्कृतिक प्रतीक भी शामिल हैं।

इस पर पीएम मोदी ने कहा कि दिवाली हमारी सभ्यता की आत्मा है।' भारत की 15 अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में शामिल हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छाऊ नृत्य भी शामिल हैं। ये फैसला उस समय आया है, जब दिल्ली में यूनेस्को की इंटर-गवर्नमेंटल कमेटी फॉर इंटैन्जिबल हेरिटेज की 20वीं बैठक की मेजबानी कर रही है। यह 8 से 13 दिसंबर तक चलेगी। इसी मौके को देखते हुए केंद्र सरकार ने 10 दिसंबर को विशेष दीपावली समारोह रखने का फैसला किया है, ताकि दुनिया के सामने भारत की सांस्कृतिक पहचान को मजबूत तरह से पेश किया जा सके।

दिवाली संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी : मोदी

पीएम नरेंद्र मोदी ने एक्स पर बधाई देते हुए लिखा, 'भारत और दुनियाभर के लोग उत्साहित हैं। हमारे लिए दिवाली, संस्कृति और प्रकृति से जुड़ी है। यह हमारी सभ्यता की आत्मा है। यह ज्ञान और धर्म का प्रतीक है। दीपावली को यूनेस्को की अमूर्त विरासत सूची में शामिल किए जाने से इस त्योहार की वैश्विक लोकप्रियता में और भी वृद्धि होगी। प्रभु श्री राम के आदर्श हमें शाश्वत रूप से मार्गदर्शन करते रहें।

भारत की 15 धरोहरें पहले से लिस्ट में

यूनेस्को की यह लिस्ट दुनिया की ऐसी सांस्कृतिक और पारंपरिक चीजों को शामिल करती है, जिन्हें छू नहीं सकते, लेकिन अनुभव किया जा सकता है। इसे अमूर्त विश्व धरोहर भी कहते हैं। इसका मकसद है कि ये सांस्कृतिक धरोहरें सुरक्षित रहें और आनेवाली पीढ़ियों तक पहुंचे। फिलहाल, भारत की 15 धरोहरें पहले से अमूर्त विश्व धरोहर की सूची में जगह बना चुकी हैं। इसमें दुर्गा पूजा, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, छऊ नृत्य भी शामिल हैं।

राहुल संसद सत्र के बीच जर्मनी जायेंगे

- भाजपा बोली- उनके लिए 'एलओपी' लीडर ऑफ पर्यटन
- कांग्रेस का जवाब- मोदी की 85% विदेश यात्राएं सत्र के दौरान

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आगामी जर्मनी यात्रा को लेकर राजनीति तेज हो गयी है। भाजपा ने बुधवार को संसद के शीतकालीन सत्र के बीच राहुल की विदेश यात्रा को लेकर उनकी आलोचना की है। कंगना रनोट, संजय जायसवाल समेत कई भाजपा सांसदों ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि 'एलओपी' का मतलब 'लीडर ऑफ पर्यटन' होता है। वे लीडर ऑफ पार्टीइंग (पार्टी करने वाले नेता हैं)। संसद सत्र 19 दिसंबर तक चलेगा, फिर भी राहुल 15 से 20 दिसंबर तक जर्मनी में रहेंगे।

वहीं, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने राहुल गांधी का बचाव करते हुए कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने काम का आधा समय विदेश में बिताते हैं। फिर भाजपा की ओर से विपक्ष के नेता की विदेश यात्रा पर सवाल क्यों उठाये जा रहे हैं?

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने एक्स पोस्ट किया है। इसमें पीएम मोदी की विदेश यात्राओं की जानकारी दी है। दावा किया है कि पीएम मोदी की लगभग 85% विदेश यात्राएं संसद सत्र के दौरान ही होती हैं।

राहुल जर्मनी में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के कार्यक्रम में शामिल होंगे : राहुल गांधी 17 दिसंबर को जर्मनी की राजधानी बर्लिन में होने वाले इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आइओसी) के एक कार्यक्रम में शामिल होंगे। यहां वे यूरोप के विभिन्न देशों से आये आइओसी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। आइओसी ने इस दौरे को पार्टी के वैश्विक संवाद को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल बताया है। आइओसी ने कहा कि राहुल गांधी 17 दिसंबर को बर्लिन में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान यूरोप में आइओसी के लोकल ब्रांच के सभी प्रमुख आइओसी मुद्दों, कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने और पार्टी की विचारधारा को विस्तार देने की रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।

भारत का एआइ मॉडल कॉपी नहीं हो सकता : नडेला

गौतम अडाणी से मिले, माइक्रोसॉफ्ट भारत में 1.6 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

मुंबई। माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीइओ सत्य नडेला अभी भारत के दौरे पर हैं, जिसकी थीम है- 'लीडिंग इन द न्यू एज ऑफ एआइ'। बुधवार को नडेला ने अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी से मुलाकात की। इससे पहले मंगलवार को नडेला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिले थे और दोनों ने भारत की एआइ रोडमैप और ग्रोथ प्रायोरिटीज पर बात की। इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में 17.5 बिलियन डॉलर (करीब 1.6 लाख करोड़ रुपये) निवेश की घोषणा की।

कंपनी की प्रेस रिलीज के मुताबिक ये निवेश भारत के तेजी से बढ़ते एआइ इकोसिस्टम को सपोर्ट करेगा। कंपनी एआइ को बढ़ती जनसंख्या के हिसाब से लागू करेगी, यानी हर आदमी तक इसकी पहुंच आसानी से हो जाये, इसके लिए काम करेगी।

नडेला-अडाणी ने एआइ पर चर्चा की

नडेला ने गौतम अडाणी से भी मुलाकात की। दोनों ने टेक्नोलॉजी के भविष्य, खास कर एआइ पर चर्चा की। अडाणी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि नडेला से मिलना हमेशा सुखद होता है। उन्होंने आगे लिखा कि सत्य नडेला खुद जो एआइ एप्स बना रहे हैं, उसका डेमो भी दिखाया। उनकी टेक्नोलॉजी के भविष्य वाली बातें बहुत कीमती हैं। जैसे-जैसे एआइ का जमाना आ रहा है और फिजिकल-डिजिटल दुनिया एक हो रही है, हम 360 डिग्री पार्टनरशिप बनाने के लिए बहुत उत्साहित हैं।

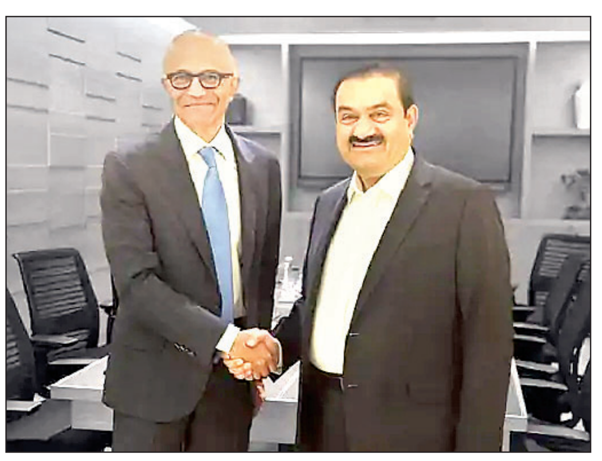

30 करोड़ से ज्यादा कामगारों को जॉब सिक्योरिटी

सत्य नडेला ने कहा कि हर बार जब मैं भारत आता हूं, मुझे ये देख कर ताज्जुब होता है कि एआइ यहां लोगों की जिंदगी को कितनी तेजी से बदल रहा है। लेबर मिनिस्ट्री के साथ हमारी पार्टनरशिप इसका एक जबरदस्त उदाहरण है, जिससे असंगठित क्षेत्र के 30 करोड़ से ज्यादा मजदूरों को बेहतर नौकरियों और सोशल सिक्योरिटी से जोड़ा जा रहा है। ये दिखाता है कि जब टेक्नोलॉजी बड़े स्तर पर लोगों को ताकत देती है, तो क्या-क्या हो सकता है।

गढ़चिरौली में 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां सरकार द्वारा नक्सलियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान में महाराष्ट्र की गढ़चिरौली पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। इसके तहत गढ़चिरौली में बुधवार को 82 लाख के इनामी 11 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। ये सभी नक्सली ने महाराष्ट्र की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रश्मि शुक्ला के सामने आत्मसमर्पण किया है। इस दौरान वहां पर एडिशनल डीजी (स्पेशल ऑपरेशंस) चेहरिंग दोरजे, गढ़चिरौली रेंज के डीआइजी अंकित गोयल, एसपी नीलोत्पल और सीआरपीएफ के ऑपरेशंन डीआइजी भी मौजूद थे।

गढ़चिरौली पुलिस को मिली इस बड़ी सफलता को डीजीपी रश्मि शुक्ला ने नक्सलवाद के अंत की शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि यह गढ़चिरौली में नक्सलवाद के अंत की शुरूआत है। शुक्ला ने इस बात पर भी जोर दिया कि केंद्र सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का लक्ष्य रखा है और राज्य की पुलिस इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सिर्फ इस साल ही 100 से ज्यादा माओवादी गढ़चिरौली में आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

बता दें कि गढ़चिरौली महाराष्ट्र का अत्यंत प्रभावित नक्सली इलाका माना जाता है। इतने बड़े स्तर पर नक्सलियों का आत्मसमर्पण पुलिस के लिए बड़ी सफलता मानी जा रही है। इससे इलाके में शांति और विकास की दिशा में आगे बढ़ने की उम्मीद मजबूत हुई है। ऐसे में पुलिस के मुताबिक, आगे भी नक्सलियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित की जा सके।

तिरुपति देवस्थानम में सामने आया सिल्क दुपट्टा घोटाला, 54 करोड़ की हुई हेराफेरी

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) में एक और बड़ा घोटाला सामने आया है। 2015 से 2025 के बीच मंदिर प्रशासन को सप्लाई किये गये सिल्क दुपट्टों में भारी फजीर्वाड़ा पकड़ा गया है। सतर्कता विभाग की जांच में खुलासा हुआ कि सिल्क के नाम पर पॉलिएस्टर दुपट्टे सप्लाई किये गये, जिनकी कीमत करोड़ों में वसूली गयी। इस घोटाले की रकम लगभग 54 करोड़ रुपये से अधिक बतायी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक एक ठेकेदार ने करीब 15,000 दुपट्टे प्रति पीस 1,389 रुपये की दर से दिये और दावा किया कि ये 'सिल्क दुपट्टे' हैं, लेकिन जांच के दौरान सैंपल जब सेंट्रल सिल्क बोर्ड सहित दो लैब्स में भेजे गये, तो रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ कि दुपट्टे असली रेशम से नहीं, बल्कि पूरी तरह पॉलिएस्टर से बने थे।

जांच एसीबी को सौंपी गयी

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए टीटीडी चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा हमें खरीद विभाग में कुछ अनियमितताएं मिली हैं। इस पर गंभीरता से संज्ञान लेकर हमने जांच एसीबी को सौंप दी है।

पहले भी विवादों से घिर चुका है टीटीडी : नकली घी और मिलावट मामला (2024): सितंबर 2024 में तब हड़कंप मच गया था जब आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि तिरुपति के पवित्र लड्डुओं में इस्तेमाल होने वाला घी शुद्ध गौघृत न होकर मिलावटी हो सकता है। इसके बाद सीबीआइ की निगरानी में एक एसआइटी गठित की गयी और पूरे सप्लाई चेन की जांच शुरू हुई।

परकामानी केस (2023): 29 अप्रैल 2023 को परकामानी विभाग से जुड़े एक क्लर्क सीवी रवि कुमार को गिरफ्तार किया गया था। आरोप था कि वह श्रद्धालुओं द्वारा श्रीवारी हुंडी में डाले गये दान की रकम चोरी कर रहा था।

टीटीडी के लिए बढ़ी चुनौतियां : इन विवादों के बाद अब 54 करोड़ रुपये का सिल्क दुपट्टा घोटाला मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता पर फिर सवाल खड़ा कर रहा है। जांच एजेंसियां अब इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि 10 साल तक यह फर्जीवाड़ा कैसे चलता रहा, किसकी मिलीभगत थी और किन अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध है। जांच जारी है और आगे और खुलासों की संभावना जतायी जा रही है।

गोवा नाइट क्लब अग्निकांड : 4 मालिकों में से एक पकड़ाया

- बोला- मैं सिर्फ बिजनेस पार्टनर, थाईलैंड भागे लूथरा ब्रदर्स को जमानत नहीं मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

पणजी/नयी दिल्ली। गोवा के बिर्च बाय रोमियो लेन नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत मामले में क्लब के 4 मालिकों में से एक को हिरासत में लिया गया है। आरोपी का नाम अजय गुप्ता है। वह दिल्ली का रहने वाला है। गोवा पुलिस ने बुधवार को उसे दिल्ली से ही हिरासत में लिया। गोवा पुलिस ने दिल्ली क्राइम ब्रांच ऑफिस में आरोपी से पूछताछ की। इसके बाद उसे साकेत कोर्ट में पेश किया गया।कोर्ट ने आरोपी को गोवा पुलिस की 36 घंटे की ट्रांजिट रिमांड पर सौंपा है। इस दौरान उसे उसे दवाएं लेने की अनुमति दी गई है। क्राइम ब्रांच ऑफिस में जाने के दौरान, आरोपी ने मास्क, टोपी और हुडी जैकेट से अपना चेहरा छिपा रखा था। आरोपी अजय ने मीडिया के सवालों पर कहा- मैं सिर्फ एक बिजनेस पार्टनर हूं। मुझे इससे ज्यादा कुछ नहीं पता।

इधर, क्लब के दो अन्य मालिक और सगे भाई, सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा ने दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की है। कोर्ट ने जमानत नहीं दी और पुलिस से जमानत पर जवाब मांगा है। मामले पर गुरुवार को फिर सुनवाई होगी। दोनों भाई आग लगने के कुछ घंटों बाद, 7 दिसंबर को दिल्ली से थाईलैंड भाग गए थे। इंटरनेशनल क्रिमिनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन ने दोनों भाइयों के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया है। नाइट क्लब के एक अन्य मालिक सुरिंदर खोसला के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। वह एक ब्रिटिश नागरिक हैं।

पुलिस ने दिल्ली के अस्पताल से अजय गुप्ता को पकड़ा : गोवा पुलिस के मुताबिक, अजय गुप्ता की बिर्च बाय क्लब में बड़ी फाइनेंशियल साझेदारी है। उसने लूथरा ब्रदर्स के क्लब में काफी पैसा निवेश किया था। पुलिस ने गुप्ता के खिलाफ लुक आउट सर्कुलर जारी किया था। पुलिस टीम जब गुप्ता के दिल्ली स्थित घर पर पहुंची तो वह घर पर नहीं मिला। इसके बाद उसके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। बाद में उसकी लोकेशन दिल्ली के लाजपत नगर स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ ब्रेन एंड स्पाइन अस्पताल में मिली।

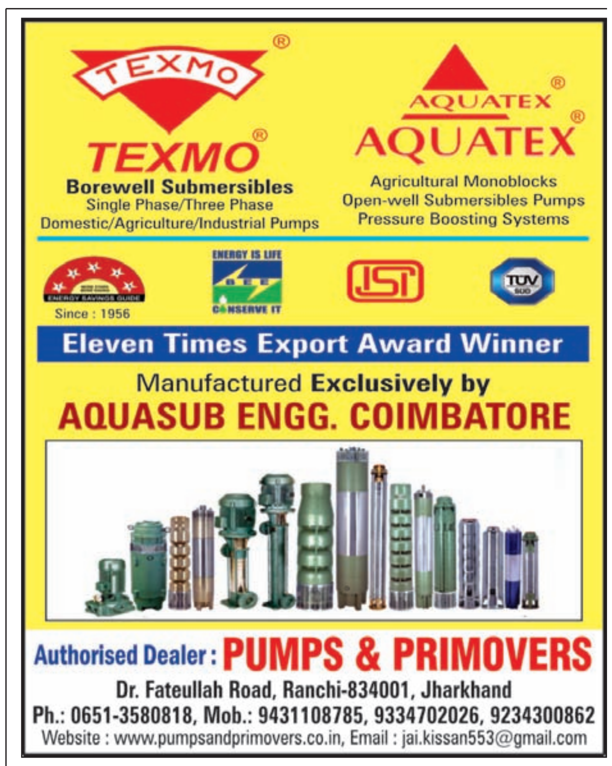

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड से मुद्रित। **संस्थापक प्रधान संपादक :** स्व. हरिनारायण सिंह, **संपादक :** राकेश सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**